



जलसहिया बहनों को खुशियों का उपहार

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

द्वारा

जलसहिया बहनों को जल एवं स्वच्छता
के क्षेत्र में Jhar-Jal App के माध्यम से कार्य करने
के लिए स्मार्ट फोन हेतु

₹12 हजार का उपहार

राज्य स्तरीय जलसहिया क्षमतावर्द्धन-सह-स्वच्छता
ही सेवा कार्यक्रम

जलसहिया बहनों पर है सरकार का ध्यान

- ग्राम स्तर पर कार्यरत जलसहिया बहनों को प्रतिमाह ₹2,000 मानदेय राशि निर्धारित
- राज्य सरकार आम नागरिक और सरकार के विभिन्न अंग को अपने साथ खड़े होने के लिए उनका हक और अधिकार दे रही है।

दिनांक : 01 अक्टूबर, 2024 | समय: अपराह्न 01:00 बजे

स्थान : प्रभात तारा मैदान, धुर्वा, रांची

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखण्ड सरकार

झारखंड के दिग्गज भाजपा नेता ने राष्ट्रीय नवीन मेल से साझा किए अपने विचार

कांग्रेस मुझे टिकट देती, तो हजारीबाग भी जीत जाती : रामटहल चौधरी

रांची। झारखंड के दिग्गज भाजपा नेता और रांची के पांच बार के सांसद ने वर्तमान में हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन (एचईसी) की स्थिति पर अपनी तकलीफ जाहिर की। उन्होंने राष्ट्रीय नवीन मेल के संवाददाता रजनीश से बातचीत के दौरान अपने विचार साझा किए। प्रस्तुत है रामटहल चौधरी से बातचीत के प्रमुख अंश-

प्रश्न : आप लंबे समय तक रांची के सांसद रह चुके हैं। क्या विधायक या मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं?

कहा, एचईसी की हालत देख तकलीफ होती है



आपको कितना महत्व मिलता है? उत्तर : न्यूनतम ही ठीक थे। कांग्रेस ने पहले कहा कि टिकट देंगे,

उसके बाद मुकर गया। मैंने कहा था, सुबोध कांत सहाय पहले से हैं, क्या वह मानेंगे। उन्होंने मुझे आश्वासन दिया था। जब टिकट ही नहीं दिया, तो उस पार्टी में रह के हम क्या करते। जिसको संचि हैं, फिर से उसे पार्टी में आ गए और उसी में ही रहेंगे। सभी से संपर्क में हैं और सब लोगों ने मुझे चुनाव लड़ने को कहा है। अगर कांग्रेस मुझे टिकट देती, तो हजारीबाग भी जीत जाती।

प्रश्न : कुर्मी-महतो के अलावा रांची के पुराने नागरिकों से संपर्क कितना बना हुआ है?

उत्तर : सभी लोगों से संपर्क बना हुआ है। लोगों ने कई बार चुनाव लड़ने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि हम लोग अपना अभिभावक ढूँढ रहे हैं, आप चुनाव लड़िए।

प्रश्न : आपने रांची के लिए क्या-क्या किया और क्या अधूरा रह गया?

उत्तर : सबसे ज्यादा तकलीफ होती है कि एचईसी आज बर्बाद हो गया है। हजारों लोगों का परिवार संकट में आ गया है। एक बार पहले भी संकट में आया था। उस वक्त अटल बिहारी वाजपेयी

प्रधानमंत्री थे। हम लोगों ने उनसे मुलाकात करके इसे फिर से खड़ा किया था। बहुत लोगों का काम किया है। मैंने जो समाज के लिए किया है, वह भविष्य में कोई नहीं कर सकता है। मैं कभी पक्ष-विपक्ष, पार्टी और जाति-धर्म देखकर किसी का काम नहीं किया। जिसकी जो समस्या रही, उसका समाधान करने का प्रयास किया।

प्रश्न : क्या संजय सेठ जी भेंट होती है?

उत्तर : हां, मुलाकात होती है, किसी कार्यक्रम में।

प्रश्न : राज्यसभा सदस्य आदित्य साहू आपके ओरमांडी के ही हैं, कैसा सहयोग मिलता है?

उत्तर : उन्हें तो मैंने ही आगे बढ़ाया है।

प्रश्न : जयराम महतो के आने का क्या प्रभाव इस बार पड़ेगा। आप से सहयोग मांगा या विधानसभा सीट का ऑफर किया, तो आप क्या करेंगे।

उत्तर : जयराम महतो अच्छा कर रहे हैं। लेकिन, जल्दबाजी में वे कई गलत डिसीजन भी ले रहे हैं। हालांकि, उन्होंने झारखंड के युवाओं को फिर से जगाने का

काम किया है और आंदोलन करके अपनी बातों को रखा है।

प्रश्न : झारखंड की वर्तमान राजनीति किधर जा रही है, राज्य सरकार कैसा काम कर रही है?

उत्तर : वर्तमान राज्य सरकार ने कई काम अच्छे किए हैं। सर्वजन पेंशन योजना इनका काफी अच्छा है। हम लोग रघुवर दास को कहते-कहते थक गए, लेकिन उन्होंने इस पर कोई विचार नहीं किया। वहीं, वर्तमान सरकार सर्वजन पेंशन योजना ले आई। लेकिन, इनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार बढ़ा है। इनको भ्रष्टाचार

रोकना चाहिए। हाल में राजभवन में शहीदों की जो प्रतिमा लगी है, उसमें कई शहीदों को छोड़ दिया गया है। शहीदों को साथ भेदभाव ना करें। जिन शहीदों का चित्र या प्रतिमा वहां नहीं लगी है, उसे लगाया जाए। इनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार एवं क्राइम बढ़ा है। प्रशासन इन मुद्दों पर फेल है, इसे इन्हें ठीक करना चाहिए। बिना पैसा दिए किसी भी विभाग में काम नहीं होता है। बालू में सरकार की गलत नीति के कारण लोगों को बहुत नुकसान हुआ है। बिहार से बालू आया, तो यहाँ काम हुआ।

इस विस चुनाव में भाजपा की सरकार बनानी है एक नया झारखंड बनाना है : हिमंता बिस्वा सरमा

रांची (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि आज हमारे लिए एक ऐतिहासिक दिन है। हमने 20 सितंबर को भोगनाडीह से परिवर्तन यात्रा की शुरूआत की थी और आज यह यात्रा अपने अंतिम चरण में है। दो अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हजारीबाग आएंगे और इसके साथ झारखंड विधानसभा चुनाव का विगुल बज जाएगा। हमें इस विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनानी है। एक नया झारखंड बनाना है। हिमंता बिस्वा सरमा सोमवार को टाटीसिलवा में आयोजित परिवर्तन यात्रा के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब रघुवर दास की सरकार थी तब झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने जनता से कई वादे किए थे। उन्होंने लोगों को विश्वास दिलाया कि यदि जेएमएम की सरकार बनेगी, तो आदिवासी और मूलवासियों का कल्याण होगा। वर्ष 2019 में जेएमएम के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि यदि उनकी सरकार बनती है, तो 5 लाख लोगों को नौकरी दी जाएगी लेकिन हर बार परीक्षा के पेपर लीक हो जाते हैं और युवाओं को नौकरी नहीं मिलती। सरमा ने कहा कि असम में मैंने 1.5 लाख लोगों को नौकरी दी है और एक भी पेपर लीक का आरोप नहीं लगा है जबकि झारखंड में हर परीक्षा के पेपर लीक हो जाते हैं, जिससे युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा है। हेमंत सोरेन ने बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था लेकिन क्या किसी के बैंक खाते में पैसा आया? आपने खुद वादाखिलाफी की है। झारखंड के युवाओं से माफ़ी मांगिए। यदि आप माफ़ी नहीं मांगते, तो



बस एक बार चुनाव परिणाम का इंतजार कीजिए। झारखंड के युवा आपको जवाब देंगे। सरमा ने कहा कि जब झारखंड विधानसभा चुनाव हुए थे, उस समय हेमंत सोरेन ने वादा किया था कि हर महीने चूल्हा का खर्च दिया जाएगा। गरीब परिवारों को पेंशन दी जाएगी और बेटियों की शादी पर 51,000 रुपये का सोने का सिक्का दिया जाएगा लेकिन किसी को सोने का सिक्का मिला क्या? सोने का सिक्का कहाँ है? हमारी असम, छत्तीसगढ़, और मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार है। असम की माताओं को हमने बैंक में पैसा देना शुरू किया है। तीन महीने से हमने 1,250 रुपये देना शुरू किया है। सरमा ने कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार अब जाने वाली है और अब उन्होंने 'मंडिया योजना' शुरू की है, जिसमें एक महीने का 1,000 रुपये दिया जा रहा है।

हेमंत सरकार ने पांच लाख युवाओं को नौकरी देने का झूठा वादा किया था : मोहन दुमका

दुमका (हि.स.)। झारखंड की उप राजधानी दुमका में सोमवार को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य की जनता से कहा कि अब इस सरकार को न सहना है और न कुछ कहना है। बस इसे बदलकर रहना है। क्योंकि, राज्य में जेएमएम-कांग्रेस की सरकार ने लूट मचा रखी है। यह सरकार केवल चुनाव जीतने के लिए वोट मांगती है और जनता से झूठ बोलती है। हेमंत सरकार ने 2019 के चुनाव में जो वादे किए थे, उनमें से कितने वादे पूरे हुए हैं? उन्होंने पांच लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था, क्या किसी को नौकरी मिली? भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि बाबा वैद्यनाथ की पूजा करके आया हूँ कि राज्य की इस पाप करने वाली हेमंत सरकार का अंत होना चाहिए। राज्य की जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी की गठबंधन सरकार ने झारखंड को लोगों के साथ अन्याय किया है। हेमंत सरकार जितना झूठ बोल सकती थी, उतना झूठ बोलकर आगे बढ़ती गई। यादव ने कहा कि आदिवासियों को प्रोत्साहित करने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अहम योगदान रहा है। देश में पहली बार किसी आदिवासी महिला को देश का सर्वोच्च पद देकर राष्ट्रपति बनाने का कार्य मोदी ने किया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस राज्य में बाबा वैद्यनाथ की कृपा और भाजपा के कारण एक समृद्ध भविष्य छिपा हुआ है। यहां की महिलाओं, मजदूरों और युवाओं में मेहनत और लगन की अपार क्षमता अब जाने वाली है और अब उन्होंने 'मंडिया योजना' शुरू की है, जिसमें एक महीने का 1,000 रुपये दिया जा रहा है।



हेमंत सोरेन की सरकार में लाखों-करोड़ों का घोटाला हुआ है। अब कोई कुछ कहे या न कहे लेकिन बदलावा होकर रहेगा, जिसने घपला किया है, उसे जेल जाना पड़ेगा। हेमंत सोरेन की सरकार ने झारखंड की जनता की भावनाओं को आहत किया है और इसके लिए जनता गठबंधन सरकार को कभी माफ नहीं करेगी। हेमंत सरकार के दौरान 300 करोड़ का भूमि घोटाला और 100 करोड़ का खनिज घोटाला हुआ। गठबंधन सरकार के एक नेता के घर से अवैध राशि मिलने पर सीएम यादव ने सवाल उठाते हुए कहा, किस सांसद के घर से 300 करोड़ मिले थे? ऐसे नेताओं को दूब मरना चाहिए जब उनके नौकर के घर से करोड़ों रुपये बरामद हो रहे हैं। यादव ने कहा कि सीमा पर जवान और खेत में किसान, मोदी ने जो कहा था, उसे पूरे देश और दुनिया में करके दिखाया है।

ओडिशा व झारखंड दो अलग राज्य होते हुए भी एक जान : मुख्यमंत्री मोहन माझी

पॉथम सिंहभूम(हि.स.)। झारखंड के कोल्हान प्रमंडल के जगरनाथपुर में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन सभा में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि ओडिशा और झारखंड दो अलग राज्य होते हुए भी एक जान के जैसे हैं। अखंड राज्य में कभी ये दोनों राज्य एक हुआ करते थे। इस दौरान उन्होंने झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। माझी ने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों से झारखंड में कठपुतली की सरकार चल रही है। आशा है कि मां दुर्गा आने वाले चुनाव में इनका नाश अवश्य करेगी। उन्होंने किसानों की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि यहां खेतियों किसानों की न्यूनतम मासिक आय मात्र 4,400 रुपये है, यह देश में सबसे कम है। इसके लिए राज्य की हेमंत सरकार जिम्मेदार है। इसलिए झारखंड में भाजपा की सरकार बनाना जरूरी है। माझी ने झारखंड में उड़िया भाषा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में उड़िया भाषी लोग दायम दर्जे की हालत में हैं। इनको ऊपर उठाने का दायित्व हेमंत सरकार को है लेकिन झारखंड में उड़िया भाषा उपेक्षित है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार यहां शिक्षकों की बहाली न कर उड़िया भाषा को विलुप्त करने का प्रयास कर रही है। उड़िया भाषा को विलुप्त करने का हेमंत सरकार एक पडयंत्र रच रही है। माझी ने कहा कि झारखंड में भी डबल इंजन की सरकार बनानी है। भाजपा की डबल इंजन सरकार जो कहती है वह करती है। कुछ महीने पहले



ही ओडिशा में भाजपा की सरकार बनी, वहां भाजपा ने जो वादे किए उसे पूरा कर रही है। यह हमारे ओडिशा में देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर राज्य की 136 स्कूलों में उड़िया शिक्षकों का निवेदन को स्वीकार करते हुए उनका मानदेय वृद्धि करते हुए 3 से 6 हजार किया जाएगा, शिक्षकों का बकाया पैसा भी दिया जाएगा। यहां के उड़िया छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पुस्तक भी दिया जाएगा, स्कूल भवन भी बनाये जाएंगे। साथ ही कहा कि आदिवासी मूलवासी सभी को एक साथ मिलकर भाजपा की सरकार लानी होगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनेगी तो महिलाओं के खाते में आयो गोंगो दीदी योजना के तहत 2100 रुपये दिए जाएंगे।

कांग्रेस ही कांग्रेस को हराता है, इस कहावत को गलत साबित करें : गुलाम अहमद मीर

रांची (हि.स.)। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में संवाद विधानसभा चुनाव 2024 का आयोजन सोमवार को ललगुटवा में हुआ। मुख्य मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि संवाद आपके साथ कार्यक्रम के कारण पूरे झारखंड के लोगों और जमीनी हकीकत से संघटन रूबरू हुआ, यह समय की जरूरत थी। कभी-कभी चुनावी रणनीति और समीकरण अपने पक्ष में होने के बाद भी बूथ स्तर पर कार्य नहीं होने से चुनाव में हार हो सकती है, एक प्रतिशत मत भी सरकार बना विवाद सकते हैं। कांग्रेस को कांग्रेस ही हराती है, इस मुहावरे को गलत साबित करना। पार्टी जिसे उम्मीदवार बनाये उसकी जीत तय करें। मीर ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पिछले चुनाव में भाजपा ने सीएए और एनआर सी को मुद्दा बनाया, लेकिन आज वह मुद्दे हवा हो गए हैं। पिछले चुनाव में झारखंडी जनता ने भाजपा के मुद्दों को करारा जवाब दिया और यहां की सत्ता बदल दी। मोदी सरकार में ऐसी कोई



बात करेगी। कांग्रेस ही कांग्रेस को हराता है, इस कहावत को गलत साबित करना है। पार्टी जिसे उम्मीदवार बनाये उसकी जीत तय करें। मीर ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि पिछले चुनाव में भाजपा ने सीएए और एनआर सी को मुद्दा बनाया, लेकिन आज वह मुद्दे हवा हो गए हैं। पिछले चुनाव में झारखंडी जनता ने भाजपा के मुद्दों को करारा जवाब दिया और यहां की सत्ता बदल दी। मोदी सरकार में ऐसी कोई

खड़ा नहीं हो पाएगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि अंग्रेजों को भगाने के लिए बापू ने दांडी यात्रा की सांप्रदायिक और विध्वंसकारी ताकतों को भगाने के लिए राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर और मणिपुर से मुंबई तक यात्रा की। इसका फल है कि मजबूत विपक्ष के रूप में हम देश में उभरे हैं। चुनाव के लिए बहुत से लोगों ने आवेदन दिया। लेकिन टिकट किसी एक को मिलेगा बाकी लोगों को उस उम्मीदवार को जिताना है। उन्होंने कहा कि जिस तरह आवेदन निष्ठा के साथ दिया, उसी निष्ठा के साथ कार्य करना है। इस दौरान कांग्रेस विधायक दल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव,कैप्टन कमिटी के अध्यक्ष सुबोधकांत सहाय, मेनिफेस्टो कमिटी के अध्यक्ष बंधु तिकी सहित अन्य कार्यक्रम को संबोधित किया।

सरकार आंदोलनकारियों को हक और अधिकार देने के लिए प्रतिबद्ध : सीएम



रांची (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सोमवार को झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री को अपनी मांगों से संबंधित एक जापन सौंपकर अपनी भावनाओं से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य एक लंबे संघर्ष के बाद मिला है। इसके लिए एक लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी थी। कई आंदोलनकारियों ने अपनी शहादत भी दी थी। हम सभी झारखंड

संक्षिप्त खबरें

हेमंत सरकार ने झारखंड की जनता को सिर्फ हसीन सपने दिखाए: संजय सेठ

रांची। भाजपा की परिवर्तन यात्रा सोमवार को तमाड़ पहुंची। इस दौरान केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ भी मौजूद थे। इस दौरान बुटू में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी ने हेमंत सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने झारखंड की जनता को सिर्फ हसीन सपने दिखाए। 5 वर्षों में झारखंड सरकार ने कोई काम नहीं किया। जेएमएम कांग्रेस की गठबंधन सरकार ने घोषणा पत्र में चुके हुए एक भी वादे पूरे नहीं किए। उन्होंने कहा कि राज्य हेमंत सरकार ने बेरोजगार युवाओं को नौकरी नहीं दी और न ही बेरोजगारी भत्ता दिया। उन्होंने हेमंत सरकार को घेरते हुए कहा कि राज्य सरकार ने 25-25 लाख रुपये लेकर परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक कराया गया। साथ ही झारखंड में आदिवासी बेटियों के साथ कलेशम हुआ। इस दौरान उन्होंने आदिवासी बेटी रूपा तिकी और संघ्या टोपों मर्डर केस का भी उदाहरण दिया।



भ्रष्टाचार और पेपर लीक की सरकार को बेनकाब करेंगे :अमर कुमार बाउरी

रांची। तमाड़ विधानसभा में आयोजित परिवर्तन सभा को नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य राज्य की जनता को झंडिया गठबंधन सरकार की झूठ के खिलाफ जागरूक करना है। यह बात अब सिद्ध हो चुकी है कि हेमंत सरकार युवा विरोधी है। राज्य की नौकरियों बेच दी गई हैं। भाजपा की सरकार आएगी और सभी अनियमितताओं की जांच कराई जाएगी, युवाओं को उनका हक व अधिकार बहुत जल्द मिलेगा। झारखंड की जनता-जनार्दन ने परिवर्तन यात्रा के दौरान जिस तरह से भाजपा के प्रति प्रेम और विश्वास जताया है उससे साफ झलक रहा है कि इस बार झारखंडवासी प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार बनाने जा रहे हैं। पूरा झारखंड भाजपापन है, प्रदेश में इस बार कमल खिलाना तय है।

झामुमो का झूठ और छल-कपट अब पूरी तरीके से ध्वस्त होगा : डॉ सूरज मंडल

रांची। पूर्व सांसद डॉ सूरज मंडल ने कहा है कि झारखण्ड मुक्ति मोर्चा का झूठ और छल-कपट अब पूरी तरह से बेनकाब हो गया है। 2024 के विधानसभा चुनाव में आम जनता उसे ध्वस्त कर देगी। डॉ मंडल ने कहा कि न केवल झारखण्ड मुक्ति मोर्चा बल्कि कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल भी राजनीतिक दल के नाम पर केवल और केवल झारखण्ड की पहचान, इसकी अस्मिता और विकास के साथ खिलवाड़ करते हुए भ्रष्टाचार में समाहित हो चुके हैं जिसे प्रदेश के सवा तीन करोड़ लोग खुली आँखों से देख रहे हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि कोल्हान के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी यात्रा के दौरान विधायक कल्पना सोरेन ने फिर से झूठ और छलावा का एक तीर छोड़ा है। उन्होंने कहा है कि झारखण्ड गठन के तत्काल बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने जिस (ओबीसी) आरक्षण की सीमा को 27 प्रतिशत से घटाकर 14 प्रतिशत कर दिया था उसे झारखण्ड मुक्ति मोर्चा सत्ता में लौटते ही पुनः 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत कर देगी।



आर्ट 81 कार्यक्रम से मतदाताओं को किया जायेगा जागरूक



रांची (हि.स.)। निर्वाचन सदन में सोमवार को आर्ट 81 कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के लिए जिला एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के साथ बैठक हुई, जिसमें मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि झारखंड के युवा एवं शहरी मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के लिए आर्ट 81 कार्यक्रम 18 से 19 अक्टूबर को रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में मतदाताओं को झारखंड की कलाकृति, संस्कृति एवं चित्रकारी के माध्यम से मतदान के प्रति ज्ञानवर्धन एवं सजग करने का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय कला महोत्सव का जनसंपर्क

के विभिन्न माध्यमों से मतदाताओं के बीच वृहत प्रचार प्रसार करें। बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी प्रदीप सिंह, डॉ. नेहा अरोड़ा, प्रमंडलीय आयुक्त रक्षिणी छोटानाथपुर अंजनी कुमार मिश्रा, रांची डीसी राहुल कुमार, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार सहित रांची जिला एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी तथा प्रख्यात चित्रकार प्रवीण कर्मकार उपस्थित थे।

सामूहिक प्रयास से ही कुपोषण का उन्मूलन संभव : राज्यपाल

रांची (हि.स.)। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने सोमवार को 11,000 सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों का रांची से ऑनलाइन उद्घाटन किया। डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में आयोजित सातवें राष्ट्रीय पोषण माह के समापन कार्यक्रम में झारखंड सहित देशभर में पोषण अभियान को जन आंदोलन का रूप देने की अपील की गई। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कुपोषण के खिलाफ इस अभियान को एक सतत प्रक्रिया बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। कहा कि यह जागरूकता अभियान केवल एक माह तक सीमित न रहे, बल्कि निरंतर चलता रहे, ताकि देश से कुपोषण की समस्या का जड़ से उन्मूलन हो सके। वहीं, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि बापू की धरती गुजरात से पोषण अभियान का शुभारंभ हुआ था और अब भगवान बिस्वा की धरती पर इसका समापन हो रहा है। इस अभियान का उद्देश्य कुपोषण रूपी



दानव को समाप्त करना है। मीर ने महिला, बाल विकास विभाग, केंद्र सरकार के सचिव अनिल कुमार मल्लिक, विभागीय सचिव मनोज कुमार, निदेशक शशि प्रकाश झा सहित केंद्र एवं राज्य सरकार के कई पदाधिकारी उपस्थित थे। अंत में महिला, बाल विकास विभाग, झारखंड सरकार के निदेशक ने सभी का आभार प्रकट किया। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह का उद्देश्य केवल जागरूकता बढ़ाना ही नहीं है, बल्कि इसे एक जन आंदोलन का रूप भी देना है। कुपोषण के खिलाफ सामूहिक प्रयास से ही यह संभव है। हर व्यक्ति, विशेषकर

कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को सशक्त बना रहे हैं : राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय पोषण माह का थीम- एनीमिया, विकास निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, प्रौद्योगिकी और एक पेड़ मां के नाम जैसे विषयों पर केन्द्रित रहा। इन विषयों के माध्यम से कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को और अधिक सशक्त बनाया जा रहा है। पोषण केवल शारीरिक स्वास्थ्य का नहीं, हौं बल्कि मानसिक और सामाजिक विकास का भी आधार है। पीएम मोदी के दृढ़ संकल्प और दूरदर्शी सोच के कारण पोषण योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने पीएम के ईट लोकल, थिंक ग्लोबल के आह्वान का उल्लेख करते हुए लोगों से मोटा अनाज, साग-सब्जियां जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करने का आह्वान किया। स्थानीय खाद्य पदार्थों को अपने आहार का हिस्सा बनाने पर भी जोर दिया।



सीएम हेमंत सोरेन की बड़ी पहल

कौशल सम्मेलन : 36996 लाभुकों को मुख्यमंत्री ने दिया नियुक्ति पत्र

नवीन मेल डेस्क

धनबाद। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को धनबाद के बलियापुर एरोड्रम ग्राउंड में झारखंड कौशल सम्मेलन व जॉब ऑफर लेटर सह रोजगार प्रोत्साहन एवं परिवहन भत्ता वितरण समारोह में 36996 लाभुकों को जॉब ऑफर लेटर सौंपा। इसमें 22399 महिला, 14593 पुरुष तथा 4 ट्रांसजेंडर शामिल रहे। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश के नौजवानों के लिए बेहद खास दिन है। इस ऐतिहासिक पल में जॉब ऑफर लेटर प्राप्त करने वाले युवक-युवतियों से यही कहेंगे कि अब आप खुले आसमान में उड़ने को तैयार हैं। सोरेन ने कहा कि देश-विदेश से आए विभिन्न कंपनियों के माध्यम से आज आपको जॉब ऑफर लेटर प्रदान किया जा रहा है। अब आपके पास भरपूर मौका है कि आप अपने आप को तराशकर रोजगार अर्जित करें। विभिन्न कंपनियों के सीईओ तथा एमडी अब राज्य सरकार के साथ एमओयू कर आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर रही है। मेरी ओर से भी आप सभी को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के नौजवानों को हमारी सरकार ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से स्वरोजगार से जोड़ने का काम किया है। आने वाले दिनों में हमारी सरकार विशेष कर युवाओं का मार्ग प्रशस्त करने में सफल रहेगी। श्रम विभाग के माध्यम से राज्य में श्रम आवासीय स्कूल खुलेंगे। विशेष कर गरीब व मजदूर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी।



श्रम विभाग के माध्यम से राज्य में श्रम आवासीय स्कूल खोले जाएंगे

129 करोड़ 30 लाख रुपये की 133 योजनाओं का शिलान्यास किया।

इन योजनाओं का हुआ उद्घाटन-शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने 129 करोड़ 30 लाख 29 हजार 63 रुपये की 133 योजनाओं का शिलान्यास किया। साथ ही 48 करोड़ 81 लाख 90 हजार 836 रुपये की 84 योजनाओं का उद्घाटन भी किया। इसमें धनबाद नगर निगम की 44 करोड़ से अधिक की 83, ग्रामीण कार्य विभाग की 52.73 करोड़ की 20, पेयजल एवं स्वच्छता (यांत्रिक प्रमंडल) की 3.85 करोड़ की 10, झारखंड शिक्षा परियोजना की 9.93 करोड़ की 8,

कल्याण विभाग की 1.29 करोड़ की 7, भवन प्रमंडल की 91 लाख की 3, पथ निर्माण विभाग की 5.50 करोड़ की एक एवं जे.एस. वी.सी.सी.एल. पी.आई.यू. की 11 करोड़ की एक योजना का शिलान्यास किया। इसके अलावा धनबाद नगर निगम की 46.27 करोड़ की 76, भवन प्रमंडल की 2.09 करोड़ की 7 तथा पेयजल एवं स्वच्छता (यांत्रिक) प्रमंडल की 44.93 लाख की एक योजना का उद्घाटन किया।

चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री करेंगे कांटाटोली फ्लाईओवर का उद्घाटन

रांची। बहुप्रतीक्षित कांटा टोली फ्लाईओवर का उद्घाटन चार अक्टूबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। सिरम टोली स्थित संत पॉल कैथेड्रल मैदान में आयोजित एक समारोह में सीएम इसका उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ट्रांसपोर्ट नगर सुकरहुट फेज वन का उद्घाटन एवं फेज दो का शिलान्यास तीन अक्टूबर को आईटीबीपी कैम्प के निकट रिंग रोड पर करेंगे। बता दें कि 2017 में तत्कालीन रघुवर सरकार ने 900 मीटर फ्लाईओवर के लिए 2017 में काम शुरू कराया था।

रांची के नये उपायुक्त बने मंजूनाथ भजंत्री



रांची। राज्य सरकार ने छह आईएस अफसरों का तबादला किया है। मंजूनाथ भजंत्री को रांची जिले के उपायुक्त बनाया गया है। जबकि शशि प्रकाश सिंह को जामताड़ा, उत्कर्ष गुप्ता को लातेहार और मनीष कुमार को पाकुड़ का उपायुक्त बनाया गया है। इसके अलावा पवन कुमार को उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल का प्रमंडलीय आयुक्त बनाया गया है। साथ ही रंजीत कुमार लाल को उर्जा उत्पादन निगम के एमडी बनाया गया है। इस संबंध में सोमवार रात कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

खुशखबरी : राज्य के बिजली उपभोक्ताओं को मिली बड़ी राहत

नवीन मेल संवाददाता



रांची। त्योहारी मौसम में राज्य सरकार ने झारखंड के बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। झारखंड स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने बिजली की दरें बढ़ाने से जुड़े झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) की ओर से दिए गए प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। जेबीवीएनएल ने घरेलू बिजली की कीमत प्रति यूनिट 2.85 रुपये बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था। कमीशन ने माना है कि एक साल में राज्य में बिजली की सप्लाई और आधारभूत संरचना में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है, जिससे कीमतें बढ़ाने के प्रस्ताव को उचित माना जाए। झारखंड स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने प्रस्ताव पर 23 अगस्त से 2 सितंबर तक राज्य के सभी पांच प्रमंडलों

में जनसुनवाई की थी, जिसमें उपभोक्ताओं ने किसी भी तरह की वृद्धि को अतार्किक बताया था। झारखंड के फेडरेशन ऑफ चैंबर ऑफ कॉमर्स ने भी इस प्रस्ताव का जोरदार विरोध करते हुए कहा था कि बिजली की कीमतें बढ़ने से राज्य में उद्योग और व्यवसाय पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। कमीशन ने सभी पक्षों की सुनवाई के बाद सामने आए तथ्यों, मौजूदा बिजली टैरिफ और विगत एक वर्ष के दौरान बिजली वितरण निगम लिमिटेड के प्रस्ताव पर विचार के बाद किसी तरह की बढ़ोतरी को मंजूरी देने से इनकार कर दिया।

मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के सम्मान

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में अपने डासिंग स्किल का लोहा मनवा चुके मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को इसकी घोषणा की। एक्स पोस्ट में उन्होंने लिखा, यह ऐलान करते हुए गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ कि दादा साहब फाल्के चयन जूरी ने दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए यह पुरस्कार देने का फैसला किया है। 8 अक्टूबर को 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में यह पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। शेष पेज 13 पर

वैवाहिक दुष्कर्म में पति को 10 साल की सजा

रांची। रांची की सिविल कोर्ट ने पत्नी के विरोध के बावजूद उसके साथ बार-बार जबरन शारीरिक संबंध बनाने के मामले में दोषी रणधीर वर्मा नामक शख्स को 10 साल के कारावास की सजा सुनाई है। उस पर आर्थिक जुमाना भी लगाया गया है, जिसे नहीं चुकाने पर अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ेगी। अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव को अदालत ने इस मामले में सुनवाई पूरी करने के बाद 26 सितंबर को अभियुक्त को दोषी करार दिया था। इसके तुरंत बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। सोमवार को अदालत ने सजा के बिंदु पर फैसला सुनाया। शेष पेज 13 पर

हेमन्त सरकार का संवेदनशील प्रयास

जीवन रक्षा की उड़ान अब हुई और आसान

झारखण्ड की जनता के लिए एयर एम्बुलेंस सेवा रियायती दरों में

आपातकालीन उपकरणों सहित चिकित्सक के साथ सेवा होगी उपलब्ध

REVISED RATE	RANCHI-NEW DELHI	RANCHI-MUMBAI	RANCHI-CHENNAI
	5 LAKH	7 LAKH	8 LAKH
	3.3 LAKH	4.4 LAKH	3.85 LAKH
	RANCHI-KOLKATA	RANCHI-HYDERABAD	RANCHI-VARANASI
	3 LAKH	7 LAKH	3.3 LAKH
	1.10 LAKH	3.02 LAKH	1.37 LAKH
RANCHI-LUCKNOW	RANCHI-TIRUPATI		
5 LAKH	8 LAKH		
2.20 LAKH	3.85 LAKH		

अन्य गंतव्य स्थानों पर मरीजों को ले जाने की आवश्यकता होने पर ₹1,10,000/- के जगह ₹55,000/- प्रति घंटे

***विशेष परिस्थितियों में बीपीएल या वंचित परिवारों को राज्य सरकार एयर एंबुलेंस की सेवा निःशुल्क उपलब्ध कराएगी।**

नागर विमानन प्रभाग से संपर्क करें

+91 82105 94073 ☎ 0651-4665515

civilaviation.jhr@gmail.com ; govtflyops@gmail.com

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, झारखण्ड सरकार

गांधी जयंती पर हजारीबाग से जनजातीय ग्राम उन्नत अभियान लांच करेंगे पीएम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 दिनों के अंदर दूसरी बार उपहारों के साथ झारखंड आ रहे हैं। महात्मा गांधी की जयंती (02 अक्टूबर) को प्रधानमंत्री झारखंड में रहेंगे। इस मौके पर वह हजारीबाग की धरती से 'प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान' लांच करेंगे। इसके अलावा वह झारखंड में भाजपा की ओर से निकाली जा रही परिवर्तन यात्रा की समापन रैली को संबोधित करेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर में होने वाले कार्यक्रम में केंद्रीय योजना की लांचिंग के बाद प्रधानमंत्री देश के 33 जनजातीय समूहों के प्रतिनिधियों से संवाद भी करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री मटवारी स्थित गांधी मैदान में भाजपा की परिवर्तन यात्रा की समापन रैली को संबोधित करेंगे। यह यात्रा 15 सितंबर को जमशेदपुर में प्रधानमंत्री की रैली के पांच दिन बाद 20 सितंबर से शुरू हुई थी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साहिबगंज जिले के भोगनाडीह गांव से इस यात्रा की शुरुआत की थी। उसके बाद से यह यात्रा अब तक यह राज्य के 81 में से 76 विधानसभा क्षेत्रों को कवर कर चुकी है।



मटवारी स्थित गांधी मैदान में भाजपा की परिवर्तन रैली को भी करेंगे संबोधित

कई परियोजना का करेंगे उद्घाटन और शिलान्यास

जनजातीय समुदायों के लिए शैक्षिक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री 40 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का उद्घाटन करेंगे और 2,800 करोड़ रुपये से अधिक लागत के 25 ईएमआरएस की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) के तहत 1360 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसमें 1380 किलोमीटर से अधिक सड़कें, 120 आंगनवाड़ी, 250 बहुउद्देश्यीय केंद्र और 10 स्कूल छात्रावास शामिल हैं। इसके अलावा, वह पीएम जनमन के तहत कई ऐतिहासिक उपलब्धियों का भी अनावरण करेंगे, जिसमें लगभग 3,000 गांवों में 75,800 से अधिक विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूहों (पीवीटीजी) के घरों का विद्युतीकरण, 275 मोबाइल मेडिकल इकाइयों का संचालन, 500 आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन, 250 वन घन विकास केंद्रों की स्थापना और 5,550 से अधिक पीवीटीजी गांवों को नल से जल पहुंचाना शामिल है।

चौथी बार झारखंड से महत्वपूर्ण केंद्रीय योजना की होगी लांचिंग

2018: आयुष्मान योजना
2019: किसान मानधन योजना, खुदरा व्यापार एवं स्वरोजगार पैशन योजना, एकलव्य मॉडल स्कूल
2023: नवंबर में विकसित भारत संकल्प यात्रा एवं पीएम जन मन योजना
योजना, 02 अक्टूबर 2024 : प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान

क्या है प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान

यह योजना देश के आदिवासी बहुल गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और जनजातीय आबादी को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य के साथ लांच की जा रही है। इसके तहत भारत सरकार के विभिन्न 17 मंत्रालयों और विभागों की ओर से कार्यान्वित 25 कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका में अंतर को कम करना है।

- ▶ 18 सितंबर को इस योजना को केंद्रीय मंत्रिपरिषद ने मंजूरी दी थी।
- ▶ 79,156 करोड़ रुपये अभियान के लिए प्रारंभिक तौर पर प्रस्तावित।
- ▶ 30 राज्यों व यूपी के 549 जिलों 2,740 ब्लॉक में लागू होगी योजना।
- ▶ 63,000 आदिवासी बहुल गांवों को कवर करेगी यह योजना।
- ▶ 05 करोड़ से अधिक जनजातीय आबादी लाभान्वित होगी।
- ▶ 20 लाख आवास अभियान के तहत आदिवासी गांवों में बनेंगे।
- ▶ 25 हजार किमी ग्रामीण सड़कों और पुलों का होगा निर्माण।
- ▶ 100 आदिवासी मार्केट सेंटर, आश्रम एवं स्कूल भी बनेंगे।
- ▶ हर घर को स्वच्छ पेयजल, गैस और बिजली कनेक्शन देने का लक्ष्य है।
- ▶ चलित स्वास्थ्य केंद्र, कौशल विकास केंद्र की स्थापना की जाती है।
- ▶ जनजातीय समूहों की आय बढ़ाने के लिए कृषि, बागवानी को प्रोत्साहित करना है।
- ▶ जनजातीय संस्कृति, विरासत एवं परंपराओं को संरक्षित करने का लक्ष्य।

मेला परिसर में खाने के बाद हाथ धोने तक का पानी खरीदने को विवश हैं लोग

ऊंची दुकान फीका पकवान, यही बन गई है जेसीआई की पहचान

मेला के प्रचार-प्रसार करने में की गई कमी

फ्लॉप साबित हो रहा है जेसीआई एक्सपो मेला

नवीन मेल संवाददाता। रांची जेसीआई एक्सपो का एक पहचान हुआ करता था। इस मेले में स्टॉल लगाने की अनुमति लेने के लिए लोगों को कभी लाइन लगानी पड़ती थी। स्टॉल लगाने वालों को भी भरपूर रहता था कि इस मेले से उनकी कमाई और जगह की अपेक्षा अधिक होगी, उनके प्रोडक्ट का प्रमोशन अच्छा होगा। लेकिन, अब जेसीआई लोगों का भरोसा और अपनी पहचान खो रहा है। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में जेसीआई एक्सपो मेला चार दिनों से लगा हुआ है। अनेक तरह के प्रोडक्ट इस मेले में मिल रहे हैं। यहां लोग अधिकतर घूमने आ रहे हैं। सूत्रों से पता चला है कि जेसीआई एक्सपो ने मेले का सही ढंग से प्रचार-प्रसार नहीं किया है। राजधानीवासियों को मेला लगाने की जानकारी नहीं है। लोगों ने यहां तक कहा कि बगल में युनिवर्सिटी है और वहीं के बच्चों का ग्रुप मुख्य रूप से मेला में अधिक आ रहा है। इस मेले में लगभग 300 स्टॉल लगाए गए हैं। मेला परिसर में स्टॉल लगाने के लिए प्रत्येक दुकानदारों ने 45,000 रुपये से लेकर 90,000 रुपये तक की राशि दी है। इतनी ऊंची रेट होने के बावजूद जेसीआई ने मेला घूमने



विकास कुमार, रांची



रीमा जायसवाल, दिल्ली

मोहम्मद नावेद, राजस्थान

वालों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था भी नहीं की है। खाने के स्टॉल तो लगे हैं, मगर खाना खाने के बाद हाथ धाने के लिए पानी नहीं है। हाथ धाने के लिए भी पैसे देकर पानी खरीदना पड़ रहा है। महिलाओं ने कहा कि वांछित की बहुत समस्या है। लोगों ने कहा कि गर्मी बहुत है, गर्मी से बचाव के साधन सही नहीं हैं। मेले की व्यवस्था बहुत खराब है। वहीं, स्टॉल लगाने वालों ने बताया कि ग्राहकों की भारी कमी है। नुकसान पहुंचने की पूरी संभावना है।



राजू कुमार, कोलकाता



परवेज, दिल्ली

मईयां सम्मान योजना महिला सशक्तीकरण का प्रतीक : विधायक

अड़की। जय मां दुर्गा आजीविका महिला संगठन की वार्षिक आम सभा सोमवार को अड़की प्रखंड परिसर के सांस्कृतिक भवन में आयोजित की गई। इस अवसर पर तमाड़ विधायक विकास मुंडा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधायक विकास मुंडा ने कार्यक्रमतां दीर्घियों से मिलकर सरकार की महत्वाकांक्षी मईयां सम्मान योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के सशक्तीकरण और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है इस मौके पर उन्होंने दीर्घियों के कार्य क्षेत्र में होने वाली परेशानियों को सुना। इस दौरान, कार्यक्रमतां दीर्घियों ने विधायक से जर्जर हो रहे भवन की मरम्मत कराने का आग्रह किया, जिस पर विधायक ने मदद करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे को सरकार के समक्ष उठाएंगे और जल्द ही इसका समाधान निकलेंगे। एवं इस कार्यक्रम में महिला संगठन की गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी विधायक को दी गई। सीएलएफ संगठन की अध्यक्ष सीरी देवी ने सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है। कार्यक्रम के इस अवसर पर मुख्य रूप से अड़की बीडीओ गणेश महतो, विधायक प्रतिनिधि मनोज मंडल एवं सैकड़ों महिलाएं उपस्थित रही।

शाखा स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का हुआ समापन

बच्चे भारतीय संस्कृति को अपनाएं व माता-पिता का करें आदर : डॉ गोपाल



नवीन मेल संवाददाता। रांची शाखा-स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता -2024 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सरला बिरला विश्वविद्यालय के डायरेक्टर जनरल डॉ गोपाल पाठक एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व आईएसए आयुक्त जटाशंकर चौधरी ने किया। उक्त कार्यक्रम में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया प्रभारी सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल हुए।

मौके पर डॉ गोपाल पाठक ने बच्चों से कहा कि भारतीय संस्कृति को अपनाएं व माता-पिता का आदर करें। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को सफलता की अग्रिम बधाई दी। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जटाशंकर चौधरी ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों के बीच प्रतिस्पर्धा होती है और बच्चे और अच्छे करने का प्रयास करते हैं। दक्षिण झारखंड प्रान्त के पालक ई. जीपी सिंह ने बच्चों को संस्कार पर विकसित जानकारी दिए एवं परिषद के पूर्वी क्षेत्र के संरक्षक डॉ. जी एन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों में संस्कार विकसित करने का प्रयास है। कार्यक्रम में मध्य एवं महानगर शाखा से कुल 9 विद्यालयों ने भाग लिया। शाखा-स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता -2024 में प्रथम स्थान पर डीपीएस के विद्यार्थी रहे। द्वितीय स्थान पर ब्रिजफोर्ड स्कूल के विद्यार्थी व तिसरे स्थान सरला बिरला स्कूल के विद्यार्थी रहे। आगे प्रांत स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता-2024 में मध्य शाखा की तरफ से डीपीएस के विद्यार्थी और महानगर शाखा से ब्रिजफोर्ड स्कूल के विद्यार्थी भाग लेंगे।

अनुमंडल स्तरीय समिति ने डीएसआर का किया अनुमोदन

नवीन मेल संवाददाता। रांची उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में सोमवार को पत्थर लघु खनिज के बावत डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट (डीएसआर) के अनुमोदन को लेकर बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि अनुमंडल स्तरीय समिति द्वारा रांची जिला के पत्थर लघु खनिज (बालू छोड़कर) के ड्राफ्ट डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट (डीएसआर) को 12 जून को रांची जिला के एनआईसी पोर्टल पर अपलोड किया गया। 21 दिनों की अवधि के



पश्चात आम जनता से आपत्ति/सुझाव के पश्चात ड्राफ्ट डिस्ट्रिक्ट सर्वे रिपोर्ट (डीएसआर) को संशोधित भी किया गया। विचार-विमर्श के बाद अनुमंडल स्तरीय समिति द्वारा तैयार किये गये डीएसआर का अनुमोदन किया गया। बैठक में वन प्रमण्डल

पदाधिकारी, रांची, अनुमंडल पदाधिकारी, सदर/बुध्द, कार्यपालक अभियंता, सिचाई विभाग, रांची, जिला खनन पदाधिकारी, सहायक निदेशक, भूतत्व, क्षेत्रीय पदाधिकारी, झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पण्ड, रांची उपस्थित थे।

योगावतार लाहिड़ी महाशय की 196वीं जयंती मनी

नवीन मेल संवाददाता। रांची योगदा आश्रम में लाहिड़ी महाशय के आधिभाव का स्मरणोत्सव मनाया गया। स्मरणोत्सव सुबह, स्वामी स्वरूपानंद द्वारा संचालित एक विशेष ऑनलाइन सामूहिक ध्यान के साथ आरंभ हुई, जिसमें पूरे भारत से भक्तों ने भाग लिया। इसके बाद सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक गुरु पूजा हुआ। भजन-संकीर्तन के बाद वहां उपस्थित भक्तों और संन्यासियों को प्रसाद वितरित किया गया। योगदा सत्संग परंपरा के परमगुरुओं में से एक, योगावतार लाहिड़ी महाशय, हिमालय के महान अमर योगी महावतार बाबाजी के शिष्य थे।



स्पेनिन ने की साहित्यिक पुरस्कारों की घोषणा

नवीन मेल संवाददाता। रांची साहित्य और संस्कृति को समर्पित संस्था स्पेनिन ने 2024 के लिए अपने प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कारों की घोषणा कर दी है। स्पेनिन पिछले 18 वर्षों से साहित्यिक योगदान के लिए यह पुरस्कार दे रही है, और इस बार भी चार उत्कृष्ट साहित्यकारों को उनके समग्र लेखन के लिए सम्मानित किया जाएगा।

स्वर्गीय डॉ. सिद्धनाथ कुमार की स्मृति में दिया जाने वाला 'डॉ. सिद्धनाथ कुमार स्मृति सम्मान' इस वर्ष विशिष्ट साहित्यकार नीरज नीर को प्रदान किया जाएगा। नीरज नीर ने अपने लेखन में गहरी सामाजिक समझ और संवेदनशीलता का अद्भुत समन्वय किया है। उनकी रचनाएं न केवल भावनाओं को झकझोरती हैं, बल्कि समाज को आईना भी दिखाती हैं। उनके साहित्य में यथार्थ और कलात्मकता का अनूठा मेल मिलता है।

'स्पेनिन साहित्य गौरव सम्मान' के अंतर्गत तीन प्रतिष्ठित लेखकों को भी सम्मानित किया जाएगा। गीता चौबे 'जुंज' ने अपने लेखन में समाज की जटिलताओं को सरल भाषा में प्रस्तुत किया है, उनकी रचनाएं आम जनमानस के दिलों को छूती हैं। वहीं शिरोमणि राम महतो की कविताओं में अद्भुत संवेदनशीलता और सौंदर्य झलकता है। वीना श्रीवास्तव की लेखनी में जीवन के विविध रंगों की अभिव्यक्ति देखने को मिलती है, अपनी विविधता और गहराई से उन्होंने अलग पहचान बनाई है। स्पेनिन के निदेशक कुमार संजय ने

यह जानकारी देते हुए बताया कि सम्मान समारोह का आयोजन 26 अक्टूबर 2024 को पुरलिया रोड स्थित उसुलाइन इंटर कॉलेज के सभागार में होगा। यह समारोह अपनी समय पावंदी और बेहद रोचक योजना के लिए प्रसिद्ध है। इसमें साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है, जो इसे और भी खास बनाता है। निर्णायक मंडल के प्रमुख श्री अशोक प्रियदर्शी ने सभी साहित्यकारों को उनकी उत्कृष्ट कृतियों और साहित्य में अमूल्य योगदान के लिए हार्दिक बधाई दी है।



नीरज नीर



गीता चौबे



वीना श्रीवास्तव



शिरोमणि राम महतो

इंडिया

काम कम ढोल ज्यादा की नई राजनीति

कभी कहावत थी कि आपका काम ही आपका नाम बन जाएगा पर तरह तरह के हथकंडे अपनाकर प्रॉडक्ट से लेकर ब्रांड बनते कुछ नेता काम करने के बजाय चुनावी रणनीति बनाने वाली पीआर एजेंसियों के निर्देश पर प्रचार युद्ध से जनता का दिल जीतना चाहते हैं। वैसे तो इस नई दौड़ में कोई किसी से कम नहीं पर इसमें अग्रणी बने हुए हैं आप पार्टी के नेता और मामला बहुत दिलचस्प है। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने अपना लक्ष्य मॉडिया को बताया कि दिवाली से पहले राजधानी दिल्ली की सड़कें गूढ़ा मुक्त होगी। सोमवार से अधिकारियों के साथ मंत्री व विधायक सड़कों पर उतरे और खराब सड़कों का जायजा लिया। इसके बाद सड़कों की मरम्मत होगी। पिछले सप्ताह पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री आतिशी के साथ दो अलग-अलग सड़कों का दौरा किया था। इसके बाद टूटी सड़कों को लेकर सीएम को पत्र लिखा था इस संबंध में मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक में सड़कों की स्थिति सुधारने को लेकर मंथन किया।



सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

दिल्ली सचिवालय में सभी मंत्रियों और पीडब्ल्यूडी के साथ बैठक में सीएम ने निर्णय लिया कि सोमवार से पूरी कैबिनेट स्थानीय विधायकों और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के साथ सड़कों पर उतरेगी। मंत्री एक-एक सड़क का मूल्यांकन करेंगे। इस दौरान देखा जाएगा कि किस सड़क की मरम्मत करनी है या दोबारा बनानी है। एक सप्ताह में मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी होगी। इस पूरे इवेंट को जब भरपूर कवरेज मिल जाएगा तब अगले सप्ताह से सड़कों को ठीक का काम शुरू हो जाएगा। मुख्यमंत्री आतिशी ने बताया कि दीपावली से पहले पीडब्ल्यूडी की 1400 किमी लंबी सड़कों को दुरुस्त करने का लक्ष्य रखा है। दो दिन केजरीवाल के साथ सड़कों का निरीक्षण करने पर पता चला कि बरसात की वजह से गड्ढे हो गए हैं। जल बोर्ड, बीएसईएस और टाटा पावर ने अलग-अलग कारणों से अपने काम किए हैं, लेकिन सड़कों की मरम्मत नहीं की गई। आतिशी ने कहा कि सभी मंत्रियों के साथ उन्होंने खुद दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने दक्षिणी दिल्ली और दक्षिण-पूर्वी दिल्ली की जिम्मेदारी उठाई है। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पूर्वी दिल्ली, मंत्री गोपाल राय ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली, मंत्री केल्लाश गहलोत ने



पश्चिमी दिल्ली व दक्षिणी-पश्चिमी दिल्ली, मंत्री इमरान हुसैन ने नई दिल्ली की जिम्मेदारी ली है और मंत्री मुकेश अहलावत ने नार्थ व नार्थ वेस्ट दिल्ली की जिम्मेदारी ली है। मुख्यमंत्री आतिशी की घोषणाप्रसार सोमवार सुबह 6 बजे से सभी मंत्री सड़कों का निरीक्षण करेंगे। इस दौरान स्थानीय विधायक भी साथ रहेंगे। साथ ही, पीडब्ल्यूडी के चीफ इंजीनियर, सुपरिटेण्डेंट इंजीनियर, एक्सईएन, ईई, जेई भी मौजूद रहेंगे। कभी गांव देहात में

कहावत थी हांका लगाकर शिकार करना। समाचारों की सुर्खियों में बने रहने के लिए मामूली कार्यों को सरकार नाम की संस्था ऐसे तमाशा बनाएगी तो जितने में गड्ढे भरे जा सकते थे उससे चार गुना खर्च वित्तापन और वीआईपी प्रबंधन में खर्च होगा। जनता की गाढ़ी कमाई के पैसे से ऐसे प्रयोग कितने उचित हैं इसपर बहस होनी चाहिए क्योंकि सरकारों का काम नीतियां बनाना और उसपर नजर रखना होना चाहिए न कि भीड़ इकट्ठी कर लोगों को और परेशान करना। क्या किसी संस्थान के प्रमुख को परिणाम, सेनानायक को युद्ध की स्थिति और मुख्यमंत्री को विकास कार्यों या जनसुविधाओं की प्रगति की निगरानी करनी चाहिए या सभी बड़े अधिकारियों के सारे कार्यों को स्थगित कर भीड़ दिखाना चाहिए ? इससे कितने मतदाता प्रभावित होंगे यह कुछ दिनों बाद के चुनाव परिणाम बताएंगे इतना निश्चित है कि जो होगा राष्ट्रीय होगा क्योंकि दिल्ली की हर छोटी गतिविधि राष्ट्रीय बन जाती है और राज्यों की बड़ी उपलब्धियां भी क्षेत्रीय बन कर रह जाती हैं। इस ढोल राजनीति की चर्चा हो रही है जो चुनावी रणनीति बनाने वाली पीआर एजेंसी के मुसकराने का कारण है और सफलता भी। शेष तो तमाशाई है।

सड़क दुर्घटना में घायल को पहुंचाएं अस्पताल

मददगार को पुलिस नहीं बनाती है गवाह



रांची। मोटर दुर्घटना एवं बीमा दावा पर सोमवार को सिविल कोर्ट के 40 कोर्ट बिल्डिंग सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन डालसा की ओर से किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसटी) जज मनीष ने कहा कि सड़क दुर्घटना की सूचना 48 घंटे के अंदर संबंधित पुलिस थाने को न्यायाधिकरण में प्रस्तुत करना है। दुर्घटना होने पर वहां मौजूद लोग पुलिस को सूचित करें एवं तत्काल घायल व्यक्ति को नजदीकी अस्पताल पहुंचाने में सहायता करें। किसी घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को पुलिस गवाह नहीं बनाती है। इस भय को निकाल कर सहायता करें। डीटीओ रांची अखिलेश कुमार ने कहा कि दुर्घटना होने के बाद समय पर दुर्घटना से संबंधित कामजात संबंधित स्थान पर सुपुर्द करें। डालसा की पहल पर अब थाने से रिपोर्ट ससमय पर आने लगी है। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि नशे में गाड़ी चलाने से दुर्घटना होती है तो उसमें मल्टीऑर्गन फेल्युअर के कारण मौत हो जाती है। लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। कार्यशाला में पोक्सो जज आसिफ इकबाल, डालसा सचिव कमलेश बेहरा, पैनल वकील विनोद कुमार सिंह, पीके श्रीवास्तव, वीरेंद्र प्रताप, सौरभ कुमार पांडे, सभी थाने के पुलिस अधिकारी, ट्रैफिक थाने के पदाधिकारी, बीमा कंपनी के प्रतिनिधि समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

एक नजर

देवेन्द्रनाथ महतो ने किया आंदोलन का समर्थन

सिल्ली। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा संचालित सीजीएल परीक्षा का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। राज्य के छात्रों में भारी नाराजगी है। सोमवार को कड़ी धूप में भी दिनभर जेएसएससी कार्यालय के समक्ष डटे रहे। आंदोलन का सशरीर समर्थन देने छत्र नेता देवेन्द्रनाथ महतो आंदोलन स्थल पहुंचे। और आंदोलनरत छात्रों का मनोबल बढ़ाया। सरकार और आयोग के गलत कर्मों पर खूब बोले। और कहा कि जब राज्यपाल के द्वारा सरकार को प्रश्नपत्र लिंक आउट का जांच करने को आदेश दिया है। तो फिर मनमाने तरीके से आनन-फानन में आंसर की जारी करना गलत है। परीक्षा में इंटरनेट सेवा बंद करना और आंदोलन स्थल में छात्रों को डराने के लिए निबंधाज्ञा लागू करना तुलात्की फरमान का संकेत है।

सिल्ली-मुरी लोकल कमिटी का 13वां सम्मेलन

सिल्ली। सिल्ली मुरी लोकल कमिटी का सम्मेलन कारमेड संतोष कुम्हार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। पूर्ववर्ष के तौर पर कारमेड रामधन मछुआ एवं कारमेड उमेश महतो उपस्थित रहे। सम्मेलन की शुरुआत झंडातोहन से हुई, वरिष्ठ कारमेड ब्रिन्दानारायण साहू द्वारा झंडातोहन किया गया। शोकसभा संदेश सदानंद सोनार ने पढ़ा। आगे सम्मेलन का उद्घाटन भाषण उमेश महतो ने दिया। उन्होंने कहा कि सिल्ली जनवादी शक्ति का केन्द्र था और सिल्ली का विकास जनवाद पसंद लोग ही कर सकते हैं। इसी क्रम में सचिव द्वारा रिपोर्ट रखी गई रिपोर्ट निर्विरोध रूप से पास हो गयी। रिपोर्ट पर बहस के पश्चात पुरानी कमिटी भंग की गई तथा नई कमिटी का गठन कर अमर कुमार महली को निर्विरोध रूप से सचिव चुन लिया गया।

भाजपा के परिवर्तन

यात्रा के दौरान पूर्व

केंद्रीय मंत्री पहुंचे सिल्ली

सिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के परिवर्तन यात्रा के दौरान सोमवार के दिन पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत एवं उनके साथ गणेश मिश्रा एवं विनय लाल भी सिल्ली पहुंचे। यात्रा का नेतृत्व प्रताप कुशवाहा कर रहे थे। यह यात्रा सिल्ली बुंदू चौक होते हुए झारखंड मोड़ पहुंची जहां शहीद निर्मल महतो की आदमकद प्रतिमा पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुदर्शन भगत ने मल्यार्पण किया। आम जनो को संबोधित करते हुए कहा कि हेमंत सरकार जनता को धोखा दे रही है। 4 वर्षों में जो काम करना था वह नहीं कर पाई। वर्तमान सरकार में महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनते ही महिलाओं को सम्मान के साथ स्वावलंबी बनाने का काम करेगी। युवाओं को 5 लाख नौकरियां देने का सरकार ने वादा किया था परंतु अपने वादे के अनुसार नौकरी न देकर पूरी तरह से युवाओं को ठगने का काम किया।

‘कॉफी एट चैंबर’ उद्योग सचिव संग किया संवाद रांची में फार्मा पार्क, ट्रांसपोर्ट नगर का हो रहा है निर्माण : उद्योग सचिव

नवीन मेल संवाददाता रांची। फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्रीज की पहल ‘कॉफी एट चैंबर’ के तहत सोमवार को चैंबर भवन में उद्योग सचिव जितेंद्र कुमार सिंह के साथ राज्य के औद्योगिक विकास पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन चैंबर उपाध्यक्ष राहुल साबू और ज्योति कुमारी ने किया। उन्होंने उद्योगों की ओर से उद्योग सचिव से बारी-बारी से प्रश्न भी पूछे जिसका उद्योग सचिव ने संतोषप्रद जवाब दिया। उपाध्यक्ष राहुल साबू और ज्योति कुमारी ने झारखण्ड के औद्योगिक विकास के प्रोत्साहन हेतु सरकार द्वारा उठाये जानेवाले कदम, विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए सरकार की योजना, कारोबार को आसान बनाने के लिए सरकार के उपाय, उद्योगों के लिए बिजली आपूर्ति और लॉजिस्टिक्स से संबंधित

महादानी मैदान में जनता दल यूनाइटेड का कार्यकर्ता सम्मेलन

खनिज संपदा से संपन्न झारखंड आज भी पिछड़ा : श्याम रजक

बेड़ो। जब बिहार से झारखंड अलग हुआ तब झारखंड के हिस्से में यहां का खनिज संपदा, यहां के उद्योग धंधे, यहां के हरे-भरे जंगल, पठारी इलाके आई जबकि बिहार के हिस्से में सिर्फ नदियों का पानी और बालू मिला था। नीतीश कुमार ने अपनी काबिलियत से अपनी नेतृत्व क्षमता से बिहार में विकास की क्रांतिकारी प्रगतिशील योजनाओं को लाकर पूरे देश में बिहार को एक मॉडल राज्य बना दिया। वहीं झारखंड में आदिवासियों के नाम पर एक ही परिवार ने गलत नेतृत्व के कारण झारखंड को पिछले पायदान पर धकेल दिया। बिहार को जहां कुशल नेतृत्व मिला वहीं झारखंड में सिर्फ अपने परिवार की चिंता करने वाला गलत नेतृत्व के कारण झारखंड से धीरे-धीरे कोयला खत्म हो गई। जैसे-जैसे कोयला खत्म



हुई परिवार की सम्पत्ति बढ़ती गई। कभी झारखंड सभी क्षेत्रों में कितना आगे था खेलकूद में पूरे देश में अव्वल था, खनिज संपदा में नंबर वन था लेकिन परिवार आगे बढ़ता गया और राज्य पिछड़ा चला गया। आज झारखंड क्यों पिछड़ा चला जा रहा है यह इसका मंथन करने की जरूरत है। उक्त बातें बेड़ो के महादानी मैदान में जनता दल यूनाइटेड के तत्वावधान में आयोजित मांडर विधानसभा

झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ तीन से हड़ताल पर, होगा ब्लैक आउट तैयारी को लेकर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय का रामगढ़ दौरा

रांची। झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के हजारों सदस्य 03 अक्टूबर से हड़ताल पर जा रहे हैं। इस वाक्य तैयारी को लेकर झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय सोमवार को रामगढ़ सर्किल में बैठक कर तैयारी का जायजा लिया। बैठक की अध्यक्षता संघ के सर्कल अध्यक्ष परशुराम सिंह यादव ने की। इस अवसर पर संघ के केंद्रीय अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पूरे राज्य में आउटसोर्स अधिशाप के रूप में देखा जा सकता है। हर जगह लूट खसोट चरम पर है और सरकार कुंभकरनी निद्रा में सोए हुए हैं। ऐसे में हड़ताल के अलावा हमारे पास कोई दूसरा विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य के विद्युत कर्मों आक्रोश में है और सरकार से आर पार की लड़ाई



लड़ने के लिए तैयार हैं इसी को लेकर रामगढ़ सर्किल की बैठक में हड़ताल की तैयारी का जायजा लिया। अजय राय ने दावा किया कि हड़ताल में लगभग 7000 विद्युत कर्मों शामिल हो रहे हैं और ऐसे में पूरे राज्य को ब्लैकआउट होने से कोई बचा नहीं सकता। उन्होंने कहा कि ऊर्जा निगम के अंदर एक संगठित सिंडिकेट काम कर रहा है जिससे नियमित कर्मचारियों से लेकर मानव दिवस कमी परेशान है। एक

पत्रकार सुबोध कुमार सिन्हा को दी गई श्रद्धांजलि



इटकी। पत्रकारिता तो एक बहाना था, असली मकसद तो समाज को उठाना था, और इस कारनामा को अंजाम दिया पत्रकार स्व सुबोध कुमार सिन्हा ने। उक्त बातों को ऑर्डिनेट स्टेट यूथ कांग्रेस ऑफि रजा ने सोमवार को स्व सिन्हा के पहली बरसी पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में कही। इटकी एकता नगर में प्रभात खबर के वरीय पत्रकार स्व सुबोध कुमार सिन्हा की याद में आयोजित सभा में इटकी के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं प्रबुद्धजनों द्वारा स्व सिन्हा के प्रति पुष्प अर्पित कर

श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके प्रति उदार व्यक्त किए गए। ज्ञात हो की गत वर्ष 24 सितंबर को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद इलाज के दौरान 30 सितंबर को उनका निधन हुआ था। श्रद्धांजलि सभा में जिय सदस्य रीना देवी, प्रमुख किरण उरांव, उप प्रमुख परवेज राजा, मसूद आलम, पूर्व विधायक गंगोत्री कुन्नु, जोहर पार्टी के विजय कुमार कुशवाहा, अंजुम जमाल, बलराम गोप, पेंशनर और बुद्धिजीवी मंच के सदस्य, क्षेत्र के सभी पत्रकार सहित दर्जनों लोग उपस्थित थे।

सीसीएल में सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई



नवीन मेल संवाददाता। रांची सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) मुख्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत कुल 6 कर्मों चंद्र भूषण सहाय, राकेश कुमार, डॉ जगमल सिंह, अभय कुमार सिंह, सफरुद्दीन अंसारी, जयनाथ मुंडा को सीसीएल परिवार की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन कर उनके सेवानिवृत्त पर भावभीनी विदाई दी गई। ज्ञात हो कि सितंबर 2024 में मुख्यालय सहित पूरे सीसीएल से 78 कर्मों सेवानिवृत्त हुए। अवसर विशेष पर सीसीएल मुख्यालय में पदस्थापित महाप्रबंधक (अधिकारी स्थापना) संजय कुमार ठाकुर, महाप्रबंधक (पी एंड आईआर) नवनीत कुमार, महाप्रबंधक (नगर

संवाद कार्यक्रम में शामिल हुई कांग्रेस नेत्री इंदिरा



नवीन मेल संवाददाता। खलारी खलारी की कांग्रेस नेत्री इंदिरा देवी झारखंड विधानसभा चुनाव 2024 के चुनाव को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी, पीसीसी डेलीगेट और प्रखंड अध्यक्ष के साथ संवाद कार्यक्रम में कांके विधानसभा क्षेत्र के साथियों के साथ उपस्थित रही। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सह प्रभारी, सप्तगिरि उलका व डॉ

बाला प्रसाद ने अपनी बातों से कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। कार्यक्रम को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री रामेश्वर उरांव, कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिकी व पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय संबोधित किए। कांके विधानसभा क्षेत्र से इंदिरा देवी डेलीगेट, जाकिर अंसारी, सुमन देवी, अनिता देवी, गुलजार अहमद, मदन महतो, संजय खान, रीता चौधरी आदि उपस्थित थे।

चान्हे बीडीओ शिकायत के बावजूद गड़बड़ी की जांच नहीं करेंगे पंचायत फंड की रेवड़ियां बांटेंगे बीडीओ

गड़बड़ी की जांच में मूकदर्शक बनें जबतक डीडीसी पत्र नहीं लिखते

प्रखंड विकास पदाधिकारी पंचायत फंड के मालिक : डीडीसी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चान्हे प्रखंड के चतुर्वल पंचायत के मन्नामों गांव में पंचायत के फंड से बनी सड़क महीने भर भी नहीं चली और दरारें आ गई हैं। लाखों की लागत से बने सड़क पुरानी जर्जर अवस्था में पहुंच गयी हैं। बताया जा रहा है कि सड़क के दोनों ओर मिट्टी नहीं भरी गई थी। चौकाने वाली बात यह हुई जब खुले तौर पर ठेकेदार ने ग्रामीणों से कहा कि उसे आधा पैसा ही मिला है। भ्रष्टाचार की बात सामने आने पर राष्ट्रीय नवीन मेल संवाददाता ने डीडीसी रांची दिनेश कुमार यादव से बात की। उन्होंने कहा कि

पंचायत फंड के मालिक प्रखंड विकास पदाधिकारी हैं, उनसे मिलिए। जब चान्हे प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि मैं जांच नहीं करूंगा। डीडीसी लिख कर देंगे तब जांच करेंगे। मतलब कि गड़बड़ी होने देंगे, जबतक डीडीसी नहीं रोकेंगे। उनकी कोई जिम्मेवारी नहीं। बीडीओ साहब पंचायत फंड की रेवड़ियां बांटेंगे। गड़बड़ी होने पर मूकदर्शक तबतक बने रहेंगे जब तक कि डीडीसी रांची जांच करने के लिए पत्र नहीं लिखते।

उठते सवाल

भ्रष्टाचार की बात सामने आने के बावजूद कारवाई करने से क्यों इंकार कर रहे हैं, चान्हे बीडीओ अशोक कुमार ? डीडीसी रांची दिनेश कुमार यादव मामले का स्वयं संज्ञान लेने के बजाय शिकायतकर्ता को बीडीओ से मिलने क्यों कहते हैं ?

न्यूज बॉक्स

कथकुंवारी जितिया जतरा में खोड़हा नृत्य दल ने बांधा समा



लापुंग। लापुंग प्रखंड के कथकुंवारी में जितिया जतरा का भव्य आयोजन किया गया। समाजसेवी भूलन सिंह एवं नंदकिशोर सिंह की देखरेख एवं अगुवाई में जितिया जतरा के दौरान खोड़हा नृत्य दलों की अलग-अलग प्रदर्शन, गीत एवं नृत्य से खूब समां बांधा गया। इस मौके पर झोरा टोली, ससन टोली, कथकुंवारी बरटोली, जरिया मंगरा टोली, जरिया पतरा टोली सहित विभिन्न गांवों के अलग-अलग खोड़हा नृत्य दलों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान ढोल और नगाडो, एवं मांडर की थाप पर जनसमूह उमड़ पड़ा। खोड़हा नृत्य दलों के साथ जतरा के आयोजक पाहन शंकर हारो, पुजार दुमा हारो, ग्राम प्रधान अजीत हारो, पूर्व उप मुखिया सुरेश हारो, ग्राम सभापति राजू लोहरा, जोलन हारो, जयमसीह धान, बहुहन बरला सहित अन्य लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विशाल जोड़ा खरसी फुटबॉल टूर्नामेंट का विजेता बना कदम टोली



खलारी। जय सरना मैदान बगड़ा टोली चोड़ा में खेला गया पांच दिवसीय विशाल जोड़ा खरसी फुटबॉल टूर्नामेंट कदमटोली की टीम ने अपने नाम कर लिया। सोमवार को खेले गए फाइनल व बालिका वर्ग के विजेता व उप विजेता टीम को समिति द्वारा निर्धारित पुरस्कार खरसी दिया। इस अवसर पर बिरू उरांव, संजय उरांव, इब्राहिम अंसारी, सोमनाथ उरांव, श्यामसुन्दर उरांव, प्रेम उरांव, प्रधान उरांव, मंगरा भगत, शकुनी भगत, नारायण भगत, बोलको उरांव, चामा पंचायत के अनिल, अली हसन, मुस्ताज अंसारी सहित कमेटी के अन्य सदस्य व काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित थे।

डीएवी खलारी की मालती को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई



खलारी। डीएवी स्कूल खलारी की मालती खलखो को उनके सेवानिवृत्त होने पर समारोहपूर्वक विदाई दी गई। मालती खलखो डीएवी खलारी में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी थीं। इस अवसर पर आयोजित एक विशेष विदाई समारोह में विद्यालय के प्राचार्य डा कमलेश कुमार ने मालती खलखो के साथ संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके समारोह की शुरुआत की। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने मालती खलखो के सम्मान में अपने विचार व्यक्त किए। कहा कि विद्यालय में की गई निस्वार्थ सेवा के लिए मालती देवी को हमेशा याद किया जाएगा। प्राचार्य ने उनके आगे के जीवन की मंगल कामना करते हुए कहा कि मालती खलखो ने ईमानदारी से अपनी संस्था की सेवा की। उन्होंने उनके समर्पण भाव की तारीफ की। मालती खलखो ने अपने विचार व्यक्त करते हुए विद्यालय में बताए गए यादगार पत्तों के रूप में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने 32 वर्ष 10 माह तक विद्यालय की सेवा की। विद्यालय के सभी कर्मचारियों का उनके काम में सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया। समारोह के अंत में प्राचार्य ने मालती खलखो को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

सीएमपीडीआई में सेवानिवृत्त सदस्य को किया गया सम्मानित



रांची। सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक (पीएडी) मानवेन्द्र कुमार की सेवानिवृत्ति पर विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स मौके पर सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार एवं निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री सतीश झा ने सेवानिवृत्त हो रहे श्री कुमार को पौधा, प्रतीक चिह्न व शॉल देकर कम्पनी की ओर से सम्मानित किया और उनके योगदान की प्रशंसा की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर निदेशक अच्युत शेटक ने सेवानिवृत्त हो रहे श्री कुमार के

कार्यों की प्रशंसा की और उनके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मौके पर सीएमपीडीआई के महाप्रबंधक / विभागाध्यक्षगण ने श्री कुमार एवं उनके परिवारजनों के लिए मंगल कामना की। इस अवसर पर यूनियन के प्रतिनिधि सतीश कुमार केशरी, प्रलय भट्टाचार्य, टुकलाल एवं सौविक मुखर्जी तथा सीएमओआई के प्रतिनिधि रामेश्वर खिलेरी ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक संजय कादम्बर तथा मंच का संचालन उप प्रबंधक (राजभाषा) अभय मिश्र ने किया।

पूजा पंडालों में उदंडता करने वाले पर प्रशासन विशेष नजर रखेगी : दिनेश

नवीन मेल संवाददाता। सिल्ली सिल्ली थाना के प्रांगण में सोमवार के दिन संख्या 4 बजे से आगामी दुर्गा पूजा को देखते हुए शांति समिति की बैठक बुलाई गई। बैठक का संचालन मोहम्मद फारूख ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी ने कहा कि हम लोगों को दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण, हर्षोल्लास एवं सीधार्थपूर्ण और आपसी भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। प्रशासन पूजा पंडालों में उदंडता करने वाले और असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखेगी। पंडालों में पॉलिस्टीक्स की संख्या पर्याप्त मात्रा में हो ताकि आप हुए श्रद्धालुओं पर नजर रख सके कि उन्हें आराधना करने पर किसी प्रकार का परेशानी ना हो। साउंड सिस्टम में नियंत्रण भी रखेंगे साथ ही साथ सोशल मीडिया पर भ्रामक खबर फैलाने से बचे। थाना प्रभारी ने लोगों से अपील किया कि पंडाल में किसी तरह का



गड़बड़ी होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। प्रखंड विकास पदाधिकारी रेनु बाला ने प्रांगण में उपस्थित पूजा पंडालों के कमेटीयों से अनुरोध किया कि अपने-अपने किसी प्रकार की सौसीटीवी कैमरा जरूर लगाएं। बैठक में आए हुए लोगों ने बिजली और सड़क को दुरुस्त करने को लेकर भी अपनी बातों को रखा। मौके पर ही प्रखंड विकास पदाधिकारी ने

अधिकारियों से बात कर समस्या को जल्द समाधान करवाने का आश्वासन दिया। मौके पर थाना के अवर निरीक्षक मुकेश कुशवाहा, रामदेव यादव, मुखिया सीमा गोंडू, शर्मिला कुमारी, लालू राम उरांव, नरोत्तम गोरई, नागेन्द्र नाथ गोकवामी, विनोद चौधरी, गोपाल केडिया, अरविंद कुशवाहा, कार्तिक चंद्र महतो, फकरुद्दीन राय समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

घर की दहलीज के भीतर भी सुरक्षित नहीं महिलाएं

सदियों से हो रही घरेलू हिंसा का शिकार

काजल मेहता
रांची। महिलाएं घर के बाहर जितनी असुरक्षित हैं, उससे कहीं ज्यादा खतरों का सामना घर के अंदर करती हैं। प्राचीन काल से ही महिलाओं के खिलाफ शारीरिक एवं मानसिक हिंसा का सिलसिला जारी है। कई लेखकों, फिल्म निमाताओं और संपादकों ने महिला के खिलाफ होने वाली घरेलू हिंसा पर किताबें लिखीं और फिल्में बनाई हैं। जब किसी महिला के साथ उसका पति, प्रेमी या कोई दूसरा करीबी मारपीट, दुर्व्यवहार या दुष्कर्म जैसी घटनाओं को अंजाम देता है, तो

यह उसके लिए सबसे अपमानजनक अनुभव होता है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह कि इसे वास्तविक हिंसा नहीं माना जाता है, लेकिन इस तरह के दुर्व्यवहार प्रत्येक संस्कृति में अनगिनत महिलाएं रोज अनुभव करती हैं।
थानों में या राज्यों के महिला आयोग में घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं की शिकायतें सुनी जाती हैं। जल्द से जल्द इन मामलों को हल भी किया जाने का प्रयास किया जाता है। महिलाओं की सुरक्षा घर के बाहर और भीतर कायम रहे, इसे लेकर आए दिन जागरूकता

अभियान भी चलाये जाते हैं। लेकिन, हालातों और आकड़ों के देख कर कहा जा सकता है कि घरेलू हिंसा रोकना या इस पर पूर्ण विराम लगाना इतना आसान नहीं है।

वया कहते हैं आंकड़े :
राष्ट्रीय महिला आयोग के वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार, पूरे भारत में सबसे अधिक शिकायतें सम्मान के अधिकार की श्रेणी में प्राप्त हुई हैं। इसमें घरेलू हिंसा के अलावा अन्य उत्पीड़न शामिल हैं और यह संख्या 8,540 थी। इसके बाद घरेलू हिंसा की 6,274 शिकायतें थीं। आंकड़ों के अनुसार, दहेज उत्पीड़न की शिकायतें 4,797, छेड़छाड़ की शिकायतें 2,349, महिलाओं के

बच्चियों को घरेलू हिंसा, गुड टच, बैड टच के संबंध में बताया जाए : रिंकु भगत

घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं के विषय पर अधिवक्ता रिंकु भगत ने कहा- परिवार की खराब आर्थिक स्थिति या शिक्षा की कमी ही इसके लिए जिम्मेदार नहीं है। सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं घरेलू शोषण से पीड़ित नहीं हैं। कई पढ़े-लिखे और आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों में भी महिलाओं को हिंसक घटनाओं से गुजरना पड़ता है। कई मामले बड़े प्रशासनिक अधिकारियों के घरों से भी निकल कर आते हैं। यह समस्या सभी संस्कृतियों, जातियों, व्यवसायों, आय स्तरों और उम्र में पाई जाती है। दुनिया के किसी न किसी हिस्से में हर 15 सेकेंड में एक महिला से शारीरिक दुर्व्यवहार किया जाता है। इसके लिए जिम्मेदार एक तिहाई पुरुष शराबी या मनोरोगी नहीं पाए गए, बल्कि वे समाज के सम्मानित कहे जाने वाले लोग हैं। रिंकु भगत का मानना है कि बचपन से ही बच्चियों को घरेलू हिंसा, गुड टच, बैड टच, छेड़छाड़ जैसी चीजों का मतलब पढ़ाया जाए, जिससे बच्चियां बचपन से सावधान रहेंगी।



रिंकु भगत अधिवक्ता

प्रति पुलिस की उदासीनता की शिकायतें 1,618 तथा बलात्कार और बलात्कार के प्रयास की शिकायतें 1,537 रहीं।

शौचालय की स्थिति बेहद खराब, सरकार और नगर निगम दोनों मौन पुरा नहीं हुआ रांची में मांड्यूलर शौचालय बनाने का उद्देश्य

नवीन मेल संवाददाता
रांची। राजधानी में कामकाजी महिलाओं और पुरुषों के लिए मांड्यूलर शौचालय रांची नगर निगम द्वारा बनवाए गए हैं। मांड्यूलर शौचालय इसलिए भी बनाए गए, ताकि शहर में जहां-तहां शौच करने की प्रवृत्ति पर लगाम लगे और शहर को स्वच्छ रखा जा सके। लेकिन, मांड्यूलर शौचालय बनाने का उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। रांची में 150 मांड्यूलर शौचालय हैं। इसमें लगभग 124 शौचालय सुलभ इंटरनेशनल के जिम्मे हैं। अन्य मांड्यूलर शौचालय दूसरे संस्थानों के जिम्मे हैं। हालांकि, सभी शौचालयों की स्थिति लगभग एक जैसी है। राजधानी रांची के 150 महिला/पुरुष मांड्यूलर शौचालय में से 50 प्रतिशत महिला शौचालय हैं। सूत्रों की मानें, तो प्रतिमाह निगम की ओर से सुलभ इंटरनेशनल संगठन

को मांड्यूलर शौचालय के रख-रखाव के लिए 5000 रुपये प्रति यूनिट प्रतिमाह दिए जाते हैं। इस तरह 124 शौचालय के लिए सालाना तकरीबन 74 लाख 40 हजार की राशि का भुगतान किया जाता है। इधर, राष्ट्रीय नवीन मेल के सर्वे में राजधानी के शहरी इलाकों में बनाए गए लगभग सभी मांड्यूलर शौचालयों में नुटि मिली। कहीं शौचालय की कुंडी खराब है, कहीं पानी नहीं है, तो कहीं कमोड टूटा हुआ है। लेकिन रांची नगर निगम का ध्यान इस ओर नहीं है। नगर निगम की इस लापरवाही का शिकार सबसे अधिक चौक-चौराहों पर तेनात टैफिक महिला पुलिस कर्मी होती हैं। पुरुष शौचालयों की स्थिति भी अच्छी नहीं है। कायदे से सुलभ इंटरनेशनल की यह जिम्मेदारी है कि सभी शौचालयों को साफ व रख-रखाव का ख्याल रखे।

सुलभ इंटरनेशनल के मैनेजर ने कहा, सफाई का रखते हैं ख्याल

राष्ट्रीय नवीन मेल की संवाददाता ने राजधानी के मांड्यूलर शौचालयों का जायजा लिया। इसमें हर दिन कुछ न कुछ खामियां मिलीं। राजधानी के शहरी इलाकों में स्थित मांड्यूलर शौचालय का इस्तेमाल करने वाली कामकाजी महिलाओं, छात्राओं और अन्य वर्ग की महिलाओं ने मांड्यूलर शौचालय की खराब व्यवस्था और स्थिति पर नाराजगी जाहिर की। इसी क्रम में मांड्यूलर शौचालय का रख-रखाव कर रहे सुलभ इंटरनेशनल के मैनेजर आनंद शेखर ने बताया, सभी शौचालयों का विशेष ख्याल रखा जाता है। प्रतिदिन दिन में तीन बार सफाई की जाती है। उन्होंने कहा कि शौचालय की साफ-सफाई की जिम्मेदारी उनकी है। साथ ही, टूटी-फूटी कुंडी, दरवाजे इत्यादि की जानकारी निगम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी सुलभ इंटरनेशनल की है।



आनंद शेखर



सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने कनेक्ट-यूईएम 2024 में मारी बाजी

रांची। रांची में आयोजित कनेक्ट-यूईएम तकनीकी बोनांजा 2024 में सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय का नाम रोशन किया। कार्यक्रम के 'पाइथागोरस स्टार' कार्यक्रम का नाम रोशन किया। कार्यक्रम के 'पाइथागोरस स्टार' प्रतियोगिता में कक्षा दसवीं के निश्चय रतन ने पहला स्थान प्राप्त कर 7000 रुपये की नगद पुरस्कार राशि जीती। कक्षा दसवीं के ही अमन राज ने दूसरा स्थान प्राप्त कर 4000 रुपये का नगद पुरस्कार जीता, जबकि कक्षा दसवीं के श्रीहरष दास को प्रथम प्रशंसा पुरस्कार मिला। 'पाइथागोरस प्रो' प्रतियोगिता में

कक्षा ग्यारहवीं की जाह्नवी सिन्हा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 7000 रुपये का नगद पुरस्कार जीता और कक्षा बारहवीं के सक्षम गोयल ने दूसरा स्थान प्राप्त कर 4000 रुपये की नगद पुरस्कार राशि जीती। 'क्यूरियोसिटी' विजय प्रतियोगिता में वैष्णव सिंह कश्यप ने तीसरा स्थान प्राप्त कर 3000 रुपये का नगद पुरस्कार प्राप्त किया। विद्यालय को ओवर ऑल दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्राचार्यापरमजीत कौर ने छात्रों की इस अद्वितीय सफलता पर टीम को बधाई दी और उनके रचनात्मक कोशल की सराहना की।

'विकसित भारत एंबेसडर-युवा कनेक्ट कार्यक्रम' झारखंड में एमिटी विवि से हुआ शुरू युवा 'माई भारत पोर्टल' पर पंजीकरण करें : डॉ मनसुख मांडविया

युवा भविष्य की प्रेरणा शक्ति हैं : डॉ अशोक
केंद्रीय मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने एमिटी विश्वविद्यालय के छात्रों से संवाद किया



कनेक्ट कार्यक्रम - झारखंड चैप्टर की शुरुआत झारखंड में एमिटी विश्वविद्यालय से की गई। इस पहल के तहत छात्रों के साथ संवाद किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने की जिम्मेदारी के प्रति मार्गदर्शन देना है। छात्रों से संवाद के दौरान, डॉ मांडविया ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को विकसित बनाने के लिए युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत के लिए सुनिश्चित



योजना बनाई है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बजट में युवा केंद्रित निर्णय भी लिए गए हैं। डॉ मांडविया ने सभी छात्रों से 'माई भारत पोर्टल' पर पंजीकरण करने की अपील की, ताकि वे विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं, और माई भारत पोर्टल के माध्यम से उन्हें राष्ट्र की सेवा करने का एक शानदार अवसर मिलेगा। डॉ. मांडविया ने विश्वास व्यक्त किया कि हर छात्र छोटे लेकिन सार्थक कदमों के माध्यम से

जेएसएलपीएस की रिक्तियां पड़ी हैं ठंडे बस्ते में

नवीन मेल संवाददाता
रांची। झारखंड सरकार एक ओर नौकरी और रोजगार देने का दावा कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर ग्रामीण विकास विभाग को इससे कोई मतलब नहीं है। दरअसल, झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग ने वर्ष 2021 में झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) में विभिन्न पदों के लिए रिक्तियां निकाली थीं। जेएसएलपीएस में 300 पोस्ट थे। इसकी परीक्षा हुई, रिजल्ट आया, इंटरव्यू हुआ उसके बाद उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अभ्यर्थियों ने बताया कि वे कई बार अधिकारियों के कार्यालय का चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन कोई कुछ स्पष्ट कहता ही नहीं। अभ्यर्थी इस बात को लेकर काफी परेशान हैं। अभ्यर्थियों में यह डर

कब क्या हुआ

- ▶ वर्ष 2021 में विज्ञापन आया
 - ▶ वर्ष 2022 में परीक्षा हुई।
 - ▶ वर्ष 2023 में परीक्षा का परिणाम आया।
 - ▶ वर्ष 2024 जून में इंटरव्यू हुआ।
 - ▶ अब तक बहाली पेंडिंग।
- इन पदों पर होनी थी बहाली**
- ▶ स्टेट प्रोग्राम मैनेजर
 - ▶ रिजल्ट प्रोग्राम ऑफिसर
 - ▶ जिला के ऑर्डिनेटर
 - ▶ जिला प्रोग्राम मैनेजर
 - ▶ प्रखंड प्रोग्राम मैनेजर

है कि अगर रिजल्ट से पहले आचार संहिता लग जाता है, तो उनका क्या होगा।

श्री श्याम महोत्सव की हुई समीक्षा

रांची। श्री श्याम मण्डल के द्वारा सम्पन्न हुए चार दिवसीय श्री श्याम महोत्सव को लेकर मन्दिर सभागार में समीक्षा सभा आयोजित की गई। मण्डल के अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश बागला ने सभी सदस्यों का स्वागत किया। मण्डल के कोषाध्यक्ष राजेश सारस्वत ने श्री श्याम महोत्सव का आय - व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसे सर्व सम्मति से पारित किया गया। मण्डल के सदस्यों ने मण्डल की भावी प्रगति के लिए अपने सुझाव रखे। मण्डल के मंत्री धीरज बंका ने मण्डल द्वारा किए जा रहे धार्मिक व सामाजिक कार्यों का विवरण सभा को बताया। धन्यवाद ज्ञापन मण्डल के रमेश धरणीधरका ने दिया।



'विकसित भारत एंबेसडर-युवा कनेक्ट कार्यक्रम' झारखंड में एमिटी विवि से हुआ शुरू युवा 'माई भारत पोर्टल' पर पंजीकरण करें : डॉ मनसुख मांडविया

युवा भविष्य की प्रेरणा शक्ति हैं : डॉ अशोक
केंद्रीय मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने एमिटी विश्वविद्यालय के छात्रों से संवाद किया



योजना बनाई है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए बजट में युवा केंद्रित निर्णय भी लिए गए हैं। डॉ मांडविया ने सभी छात्रों से 'माई भारत पोर्टल' पर पंजीकरण करने की अपील की, ताकि वे विकसित भारत के निर्माण में योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि छात्र देश का भविष्य हैं, और माई भारत पोर्टल के माध्यम से उन्हें राष्ट्र की सेवा करने का एक शानदार अवसर मिलेगा। डॉ. मांडविया ने विश्वास व्यक्त किया कि हर छात्र छोटे लेकिन सार्थक कदमों के माध्यम से



से इस महत्वपूर्ण कार्य में भाग ले सकते हैं। एमिटी विश्वविद्यालय झारखंड के कुलपति डॉ अशोक के. श्रीवास्तव, पद्मश्री मधु मंसूरी, नेहरू युवा केंद्र के अधिकारी, कला, संस्कृति, लोक परंपराओं, साहित्य, सोशल मीडिया इम्प्लूमेंटेशन सहित विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें माननीय मंत्री डॉ. मांडविया ने छात्रों के सवालों के जवाब दिए।

वकीलों पर राजनीति कर रहे हैं महाधिवक्ता: भाजपा

रांची। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने कहा है कि महाधिवक्ता वकीलों पर राजनीति कर रहे हैं। राज्य सरकार दवारा लायी गयी वकीलों की योजना पर जिस तरह वे प्रचार प्रसार कर रहे हैं उससे साफ जाहिर है कि महाधिवक्ता फिर से अपना स्थान पक्का करना चाह रहे हैं। महाधिवक्ता यो तो बता रहे हैं की वकीलों को भविष्य में क्या मिलने वाला है। पर ये नहीं बता रहे हैं कि अब तक वकीलों को मिलने वाले लाभ का आदेश क्यों नहीं जारी हुआ? महाधिवक्ता को यह भी बताना चाहिए कि अगर वर्तमान सरकार नहीं रही तो वकीलों को मिलने वाला लाभ मिलता रहेगा या बंद हो जायेगा? सुधीर ने कहा कि सरकार द्वारा कोर्ट फीस में भारी वृद्धि की गयी थी तब वकीलों ने भारी विरोध किया था। कई दिनों तक कार्य बहिष्कार किया था तब महाधिवक्ता ने उस विरोध को समाप्त करने के लिए वकीलों के एक वर्ग को लेकर मुख्यमंत्री आवास पहुंच गए थे।

न्यूज बॉक्स

लॉटरी से कियोस्क आवंटित की गई

रांची। उपयुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में अल्पसंख्यक चयन समिति द्वारा अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ चयनित लाभुकों को लॉटरी के माध्यम से कियोस्क आवंटित की गई। इसमें कुल-09 चयनित लाभुकों को लॉटरी के माध्यम से कियोस्क आवंटित की गई। इस दौरान जिला कल्याण पदाधिकारी सह पीडीआईडीए संजय कुमार भगत, 15 सूत्री सदस्य सुजीत कुजूर एवं सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।



जलसहिया का प्रशिक्षण कार्यक्रम आज

रांची। जलसहिया को एकदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम धुर्वा स्थित प्रभात तारा मैदान में मंगलवार को आयोजित की गई है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री की उपस्थिति में सम्पन्न होगी। उक्त कार्यक्रम में राज्यभर की जलसहिया को एकदिवसीय प्रशिक्षण में भाग लेने हेतु अनुमानित संख्या 20000 से 25000 होगी तथा उनके आवागमन के लिए लगभग 500 से अधिक बसों का उपयोग होने की संभावना है। उक्त कार्यक्रम के मद्देनजर विभिन्न जिलों से कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आने वाली बसों/अन्य वाहनों का रूट लाईन एवं पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर नो पलाइंग जोन व रेड जोन घोषित

रांची। 02 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रांची में भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। इस क्रम में प्रधानमंत्री बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर उतरेंगे। सुरक्षा की दृष्टिकोण से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन, पारा ग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून पूर्णतः वर्जित एवं अन्य संबंधित गतिविधियों पर रोक लगाते हुए सदर अनुमंडल दंडाधिकारी ने नो ड्रोन जोन घोषित किया है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से अनुमंडल दंडाधिकारी ने बीएनएसएस की धारा-163 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न प्रकार की निषेधाज्ञा जारी की गयी है। दो अक्टूबर को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के 200 मीटर की परिधि को ड्रोन, पारा ग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून के संदर्भ में नो फ्लाईंग जोन घोषित किया गया है, साथ ही उक्त क्षेत्र में तथा उसके ऊपर ड्रोन, पारा ग्लाइडिंग और हॉट एयर बैलून पूर्णतः वर्जित रहेंगे। यह निषेधाज्ञा सुबह 05:00 बजे से रात्रि 11:00 बजे तक के लिए लागू रहेगी।

स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान

दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करें : राजकिशोर



रांची/धनबाद। स्वच्छता भारत अभियान 2024 के तहत स्वयं, अपने परिवेश व देश को साफ सुथरा व स्वच्छ व सुन्दर बनाए रखने हेतु केंद्रीय संचार ब्यूरो धनबाद के द्वारा स्वच्छता ही सेवा-2024 अभियान के तहत धनबाद जिला के गोविंदपुर प्रखंड में प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय गोविंदपुर में, विजय प्रतियोगिता , स्वच्छता शपथ एवं एक पेड़ मां के नाम आभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विजय प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी को विभाग द्वारा पुरस्कृत किया गया विभाग के सहायक अधिकारी राजकिशोर पासवान ने लोगों को बताया कि अपने जीवन में स्वच्छता अपनाने के साथ-साथ दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करें, ना तो गंदगी करें और ना ही दूसरों को गंदगी करने दें इस अवसर पर प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय गोविंदपुर के प्राचार्या अस्थ्या सिंह, शिक्षक अशोक कुमार श्रीवास्तव, महारानी मराठी, प्रतिभा आर्य एवं पवित्रा सोलंकी का सराहनीय योगदान रहा।

टाटानगर रेलवे स्टेशन पर चला स्वच्छता अभियान, हुआ पौधरोपण



रांची। सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला ने रेलवे प्राधिकरण के सहयोग से टाटानगर रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता अभियान और पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रेलवे अधिकारियों की एक टीम के साथ एनएमएल की एक टीम शामिल हुई, जिसमें डॉ एस शिवप्रसाद, डॉ रघुवीर सिंह, डॉ बी रवि कुमार, डॉ मनोज कुमार हुमने, ब्योमकेश दाश, विप्लव विशाल, भोला आजाद, चंद्रशेखर कुमार, उदय भास्कर राव, वाई उपा और कई अन्य लोग शामिल हुए। रेलवे स्टेशन परिसर की सफाई के अलावा निर्धारित स्थानों पर 10 पौधे लगाए गए। सीएसआईआर-एनएमएल के निदेशक डॉ. संदीप घोष चौधरी ने दो पौधे टाटानगर के एरिया मैनेजर को सौंपे।

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

रांची। नागा बाबा खटाल में जन आरोग्य केंद्र, सीसीएल द्वारा सच्ची एवं फल विक्रेताओं के बीच एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में विशेष चिकित्सकों द्वारा 206 लोगों की जांच की गयी और उन्हें चिकित्सीय सलाह दी गई। ज्ञात हो कि सीसीएल देश की ऊर्जा जस्वरतों को पूरा करने के लिए कोयला उत्पादन के साथ-साथ अपने कर्मियों एवं हितधारकों के स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए इस तरह का निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन समय-समय पर करते रहती है। शिविर के सफल आयोजन में सीएमएस, सीसीएल, डॉ रवेश जैन, महाप्रबंधक (सामान्य प्रशासन) तुषिता कुमार गोस्वामी, सीएमओ, सीएसआर, डॉ प्रीती सुजाता, डॉ शशिकांत प्रसाद, डॉ अनीता होरो, डॉ अम्बरीश कुमार, डॉ शिखा एवं पारा मेडिकल स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।

एक नजर

धर्म, आस्था और संस्कृति पर चोट है धर्मांतरण

मोदी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए भाजपा ने चलाया जनसंपर्क अभियान

डायरिया से आठ वर्षीया बच्ची की हुई मौत, कई लोग बीमार

सतगावां। सतगावां प्रखंड की शिवपुर पंचायत के ग्राम सिहास में रविवार की देर रात डायरिया से एक बच्ची की मौत हो गई। जबकि डायरिया से 14 लोग बीमार हैं। डायरिया के प्रकोप से लोग डरे हुए हैं और लोग गांव छोड़ने पर विवश हैं। मृतक बच्ची की पहचान सियास निवासी रह. करकु मांझी की आठ वर्षीय बच्ची दुर्गा कुमारी के रूप में की गई है। बच्ची को रविवार देर रात से दस्त होना शुरू हो गया था। परिजन उसे स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। मालूम हो सिहास गांव के मांझी टोला में डायरिया फैला हुआ है। दो दिन से कई लोग डायरिया की चपेट में आ गए हैं। लगभग पूरा गांव डायरिया का प्रकोप देखने को मिल रहा

विधायक ने सोबा नदी पर पुल निर्माण का किया शिलान्यास

सतगावां। विधायक डॉ. नीरा यादव ने प्रखंड की उग्रवाद प्रभावित सुदूरवर्ती क्षेत्र कोटियार पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत के सोबा नदी पर बहुप्रतीक्षित पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास सोमवार को किया। मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना अंतर्गत इसका निर्माण किया जाएगा। इसके बनने से कोटियार पंचायत के साथ-साथ कोडरमा जाने वाले लोगों को आवागमन में लाभ मिलेगा। इस दौरान विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि पूरे क्षेत्र में विकास का कार्य किया जा रहा है। पुल निर्माण सतगावां के साथ-साथ पूरे कोडरमा जिला में सड़क, बिजली, पुल-पुलिया, पेयजल आदि कार्यों का चौमुखी विकास लगातार किया जा रहा है। यह पुल एक करोड़ 80 लाख को लागत में 54 मीटर लंबा निर्माण होगा।

अभद्रता को लेकर डॉक्टरों ने किया कार्य बहिष्कार

सतगावां। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर से अभद्रता को लेकर दिनभर सोमवार को ओपीडी सेवा बंद रही। इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आशीष कुमार ने बताया कि पिछले 29 सितंबर को दिन के 2.20 बजे और रात 9 बजे इलाज कराने आए कुछ लोगों ने डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ अभद्रता, गाली-गलौज और बदतमीजी को लेकर दिनभर सेवा बंद रहा। इससे ओपीडी में दिनभर लाला लटका रहा। दर्जनों लोग इलाज के लिए पहुंचे, लेकिन ओपीडी में तालुका बंद देखकर बैरंग वापस लौट गए। डॉक्टर इमरजेंसी सेवा दे रहे थे। बाकी सभी प्रकार की सेवाएं बाधित रही। सेवा में कार्य कर रहे डॉक्टर ने डीसी से सुरक्षा की मांग की है। जब तक सुरक्षा मुहैया नहीं होगी, सेवा बाधित रहेगी।

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने किया पोशाक का वितरण

जरूरतमंदों की सेवा करना हमारी प्राथमिकता : शेफाली गुप्ता

वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान व देखभाल करना हमारा कर्तव्य है, ताकि लोगों की जिंदगी सही रूप से चल सके

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग दिग्गदा स्थित ओल्ड एज होम में निवास कर रहे वृद्धजनों के बीच भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने दिन सोमवार को दुर्गा पूजा से पूर्व नए पोशाक का वितरण किया। साथ ही वृद्धाश्रम में वृद्धजनों से मुलाकात कर सुख-दुख में शामिल होने का प्रयास किया। वरिष्ठ नागरिकों के बीच सम्यक वितरण अपनत्व का भाव जागृत किया। पोशाक पाकर वृद्धजनों के चेहरे पर आत्मीय खुशी झलकी। वृद्धजनों ने संयुक्त रूप से भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता को अपना शुभ आशीर्वाद दिया। भाजपा नेत्री

तीन वर्ष पूर्व बनी लघु फिल्म 'धर्मांतरण' अब हो रही है चरितार्थ : प्रो राजेंद्र यादव



नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग तेजी से फैल रहे धर्मांतरण को लेकर क्षेत्र के स्थानीय कलाकारों ने वर्षों पहले ही इस पर लघु फिल्म बनाकर समाज को जागरूक करने का सार्थक प्रयास किया था। वर्षों पहले ही धर्मांतरण को भाषणकर प्रोफेसर राजेंद्र यादव ने अपनी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए ऐसी पटकथा लिखी जो आज सच साबित हो रहा है। बताते चलें कि प्रोफेसर यादव की पटकथा धर्मांतरण को उनके ही शिष्य सुशांत सोनी के निर्देशन में

एसएस स्टूडियो फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले 30 मिनट का लघु फिल्म बनाया गया था। जिसमें मुख्य भूमिका प्रोफेसर राजेंद्र यादव, विजय कुमार, विशाल कुमार, मुकेश कुमार, बटेश्वर प्रसाद मेहता, अभिषेक कुमार, पवन, गोपी, पंकज, रंजीत, वीरेंद्र हेब्रम, अनिकेत, बादल, संजय, संदीप आदि कलाकारों ने अपनी भूमिका निभाई थी। वर्तमान में हजारीबाग जिले के विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से धर्मांतरण का खेल हो रहा है। लोग लालच और चुंगी के नाम

पर भोले भाले सनातनी का धर्म परिवर्तन कर रहे हैं। इस वास्तविकता को 3 वर्ष पहले ही अनुमान लगा लिया गया था कि भविष्य क्या होने वाला है। इसी को लेकर गुरु-शिष्य की जोड़ी ने 30 मिनट का लघु फिल्म बनाया था। हिंदुस्तान की संस्कृति और सभ्यता पर धर्मांतरण के नाम पर सनातन धर्म को तोड़ने की गहरी साजिश रची जा रही है। वर्तमान समय में धर्म, संस्कार और संस्कृति पर गहरा चोट किया जा रहा है।

सांसद की अध्यक्षता में 'दिशा' की बैठक आयोजित

सखी मंडलों को रोजगार से जोड़ने का दिया दिशा निर्देश

नवीन मेल संवाददाता। रामगढ़ जिला समाहरणालय सभाकक्ष में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में सोमवार को डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट को-ऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमिटी डीडीसीएमसी/ दिशा की बैठक संपन्न हुई। बैठक में रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी, उपतुलक चंदन कुमार, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा देवी सहित अन्य उपस्थित हुए। सर्वप्रथम बैठक में पूर्व में हुई दिशा की बैठक में दिए गए निर्देश के आलोक में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। दिशा में आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया। जेएसएलपीएस के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए सांसद द्वारा वर्तमान में जिले में संचालित सखी मंडलों एवं उन्हें मिल



संचालित पोर्टो हो खेल मैदान की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया साथ ही उनके द्वारा खेल मैदान का उपयोग कर ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को खेल की दिशा में आगे बढ़ाने का निर्देश दिया गया। जेएसएलपीएस के तहत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए सांसद द्वारा वर्तमान में जिले में संचालित सखी मंडलों एवं उन्हें मिल

रहे लाभ की जानकारी ली गई। मौके पर विभिन्न उपायों से जेएसएलपीएस के संगठनों को मजबूत करने, रोजगार से अधिक से अधिक जोड़ने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। विद्युत संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए सांसद द्वारा वर्तमान में विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मर की मरम्मत आदि की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

कृषि क्षेत्र में महिलाओं का योगदान सराहनीय : ललिता



नवीन मेल संवाददाता। विष्णुगढ़ फार्म प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का वार्षिक साधारण बैठक एफपीओ कार्यालय, नवादा में किया गया। जिसकी अध्यक्षता जया अहमद और संचालन राहुल कुमार ने की। कार्यक्रम में वतौर मुख्य अतिथि के रूप में मांडू के पूर्व विधायक जेपी पटेल की पत्नी ललिता देवी, मांडू विधानसभा के भावी प्रत्याशी डा. नजीर अंसारी एवं उप प्रमुख सरयु साव उपस्थित रहे। ललिता देवी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस कंपनी से जुड़कर हमारी विष्णुगढ़ की महिलाएं सशक्त हो रही हैं और

आत्मनिर्भर बन रही हैं। ये हम गृहणियों के लिए बहुत ही सुनेहरा मौका है कि हम इस कंपनी के माध्यम से लोगों को कृषि के क्षेत्र में जागरूक करें। और आगे बढ़ें। डॉ. नजीर अंसारी ने कहा कि मुझे बहुत अच्छा लगा कि यहां आई सैकड़ों महिलाएं जो इस कंपनी से जुड़ी हैं और इस कंपनी के माध्यम से बीज से लेकर फसल को मंडी पहुंचने तक कहीं भी बिचौलियों का सहारा नहीं लेना पड़ता है। क्योंकि गोरिया करमा से अच्छी गुणवत्ता वाली बीज उपलब्ध हो जाती है। जिसकी खेती करती हैं और दूसरों को भी प्रेरित करती हैं।

अग्रवाल युवा मंच ने लगाया रक्तदान शिविर



हजारीबाग। अग्रसेन जयंती के अवसर पर अग्रवाल युवा मंच, वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन एवं शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज के सहयोग से अग्रसेन भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। जिसका उद्घाटन मारवाड़ी अग्रवाल समाज के अध्यक्ष पारस अग्रवाल, मंत्री विनोद झुनुनुवाला एवं अग्रवाल युवा मंच के कोषाध्यक्ष शुभम रामरायका एवं वॉलंटरी ब्लड डोनर एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन एवं कोषाध्यक्ष विनीत मुनका द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अध्यक्ष

पारस अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान महान दान है, जिससे लोगों की जान बचाई जाती है। शिविर का शुभारंभ विनीत अग्रवाल द्वारा 52वीं बार रक्तदान कर के किया गया तत्पश्चात् अमित बुबुना, विकास अग्रवा, शुभम रामरायका, आदर्श अग्रवाल, देवांश खंडेलवाल, आनंद कुमार अग्रवाल, अमन कुमार अग्रवाल, हैप्पी गर्ग, मनोज अग्रवाल, श्वेता अग्रवाल, ऋषभ अग्रवाल, राहुल महेश्वरी, कशिश अग्रवाल, राज अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, कविता अग्रवाल,

ममता अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, रंजन कुमार मिश्रा, कुशल मुन्का, पवन कुमार सराफ, अजय बंसल, रवि अग्रवाल, निशांत अग्रवाल, योगेश अग्रवाल देवांश खंडेलवालआदि 31 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता परिचय दिया। साथ ही साथ इस कार्यक्रम में महिलाओं ने भी बंधू चढ़ के हिस्सा लिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने समस्त रक्त दाताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया।

कटकमदाग थाना परिसर में शांति समिति की हुई बैठक

उच्च न्यायालय के आदेशानुसार डीजे पर पूर्णतः पाबंदी : थाना प्रभारी



हजारीबाग। कटकमदाग थाना परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक की गई। बैठक में मुख्यरूप से थाना प्रभारी पंकज कुमार, बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष सुनील ओझा, प्रमुख कुमारी विनीता, उप प्रमुख विमल कुमार आदि शामिल थे। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी पंकज कुमार ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार डीजे पर पूर्णतः पाबंदी कर दी गयी है। उन्होंने कहा की मूर्ति विनयन

में स्टूट चार्ट का पालन किया जाएगा तथा अलमार्जिक तत्वों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी। उन्होंने लोगों से शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में दुर्गा पूजा मनाने की अपील की। थाना प्रभारी ने कहा की जितने भी पुजारी पंडाल है उसके पदाधिकारी जरूरी सभी ऐहतियात बरते हुए जैसे फायर सेफ्टी कीट, सीसीटीवी, सहित बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा की सोशल मीडिया पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी।

आईसेक्ट विवि में हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन

हिंदी केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारा अस्तित्व : डॉ. मुनीष

नवीन मेल संवाददाता। हजारीबाग आईसेक्ट विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं हिंदी विभाग के सहयोग से एनएसएस इकाई की ओर से आयोजित हिंदी पखवाड़ा समापन समारोह का आयोजन विश्वविद्यालय के मुख्य कैम्पस के प्रशासनिक भवन परिसर में सोमवार को किया गया। बता दें कि हिंदी पखवाड़ा की शुरुआत बीते 14 सितंबर को की गई थी, जिसमें श्लोक वाचन, चित्रकला, निबंध, वाद-विवाद, कविता पर आधारित गायन, स्वरचित कविता पाठन सहित अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी। सोमवार को समापन समारोह में सभी प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इससे पूर्व आईसेक्ट

न्यूज बॉक्स

दीनमठ सारथी ट्रस्ट ने आयोजित किया स्वरोजगार प्रशिक्षण शिविर



विष्णुगढ़। दीनमठ सारथी ट्रस्ट ने स्वरोजगार के लिए एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर मध्य विद्यालय अचलजामो में आयोजित कर 50 से अधिक महिला-पुरुष को सफल बनाने प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व मुखिया हरीश पटेल और वार्ड सदस्य शारदा देवी और अध्यक्ष माही पटेल ने संयुक्त रूप से किया। पूर्व मुखिया हरीश पटेल ने कहा कि दीनमठ सारथी ट्रस्ट का प्रशिक्षण कार्यक्रम क्षेत्र में स्वरोजगार की दिशा में अच्छी पहल है, इस स्वरोजगार प्रशिक्षण से महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होंगी। वार्ड सदस्य शारदा देवी ने कहा कि वर्तमान समय में महिला पुरुष सभी कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रहे हैं। महिलाएं भी खुद को स्वरोजगार से जोड़ना चाहती हैं उनको संस्था के द्वारा अवसर मिलेगा। मुख्य रूप से प्रशिक्षक सह कोडरमा जिला सदस्य राजेश कुमार और सूरज कुमार, ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल के डॉक्टर डुमरचंद महतो, शिक्षक विनय कुमार, चमेली गोस्वामी समेत संस्था के अन्य की अहम भूमिका रही।

झारखंड राज्य पेंशनर्स समाज अनुमंडल शाखा ने आयोजित की श्रद्धांजलि सभा



बरही। सोमवार को पूर्वी पंचायत भवन बरही में झारखंड राज्य पेंशनर्स समाज अनुमंडल शाखा बरही की ओर से श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। संगठन के कई कई पेंशनर्स साथी शामिल हुए। उपस्थित लोगों ने पेंशनर्स समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व संरक्षक स्व परमेश्वर प्रसाद के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। सबों ने उनके किए कार्यों की चर्चा कर उन्हें याद किया। बताया गया कि सेवानिवृत्ति के बाद स्व प्रसाद ने वरिष्ठ नागरिक परिषद एवं बरही विकास मंच का गठन किया। जिसके अध्यक्ष भी रहे। साथ ही

समाज को अच्छा संदेश देते रहे। उनके कार्य समाज के लिए प्रेरणा के स्रोत रहे हैं, जिसे भुलाया नहीं जा सकता है। अंत में सबों ने उनके चित्र पर पुष्पांचन कर श्रद्धांजलि दिया। साथ ही दो मिनट का मौन रखकर मृतत्वा की शांति के साथ ईश्वर से दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना किया गया। बैठक में सदस्य राजेंद्र प्रसाद रूखरियार, तोखन प्रजापति, छात्रधारी ठाकुर, सुधीर कुमार चौधरी, संजय सिंह, राधानाथ भगत, भगवान प्रसाद, देवधारी प्रजापति, अरुण कुमार आदि मौजूद थे।

प्रखंड 20 सूत्री की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर की गई चर्चा



बरकट्टा। प्रखंड कार्यालय के सभागार में प्रखंड 20 सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता 20 सूत्री अध्यक्ष प्रदीप कुमार प्रसाद और संचालन उपाध्यक्ष कुदुश अंसारी ने किया। बैठक में सभी विभाग के पदाधिकारियों ने प्रखंड क्षेत्र में चल रहे विकास योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही विकास कार्यों के बेहतर संपादन होने और समय पर उसका अनुश्रवण करने पर चर्चा हुई। वहीं सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में भाग नहीं लेने पर सीडीपीओ से स्पष्टीकरण मांगा गया। प्रखंड क्षेत्र में रहे अतिक्रमण पर चर्चा करते हुए अतिशोषित अतिक्रमण मुक्त कराने की बात कही गई। वहीं सरकार द्वारा बिजली माफी योजना के तहत माफ की उपभोक्ताओं की सूची प्रत्येक पंचायत भवन के बाहर लगाने का आदेश दिया गया। बैठक में अंचलाधिकारी श्रवण कुमार झा, बीडीओ रोशमा डुंगुंगु, बीईओ किशोर कुमार, एमओ मिंटू रजक, पशुपालन पदाधिकारी श्री नाथ होरहोणा, बीईओ अशोक ठाकुर, प्रधान सहायक फनी भुषण प्रसाद, सदस्य बासुदेव प्रसाद, राजाराम मांझी, राधा देवी, स्वास्थ्य प्रबंधक पंकज कुमार शर्मा, महिला पर्यवेक्षिका कुमारी निभा, बीटीएम चिंताहरण पाठक, मनरेगा सहायक महेश कुमार, सोनी दास समेत आदि लोग मौजूद थे।

ममता अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, शुभम अग्रवाल, रंजन कुमार मिश्रा, कुशल मुन्का, पवन कुमार सराफ, अजय बंसल, रवि अग्रवाल, निशांत अग्रवाल, योगेश अग्रवाल देवांश खंडेलवालआदि 31 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानवता परिचय दिया। साथ ही साथ इस कार्यक्रम में महिलाओं ने भी बंधू चढ़ के हिस्सा लिया। एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल जैन ने समस्त रक्त दाताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके इस नेक कार्य के लिए बहुत-बहुत साधुवाद किया।

गलत स्थान पर स्वास्थ्य उपकेंद्र का ग्रामीणों ने किया विरोध

डीसी से मुख्य पथ के किनारे स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन बनवाने की रखी मांग



कहते हुए दूसरे जगह सड़क किनारे बनवाने की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि सात पोपक क्षेत्र बरबेड़ा

कोनबेगी तेलीटोली में स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन बनाया जा रहा है। कोनबेगी तेलीटोली तक जाने के लिए कोई सुविधा नहीं है। स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन निर्माण करने से पूर्व एक बार भी ग्रामीणों के साथ बैठक कर इस संबंध में राय नहीं ली गई। साथ ही गलत स्थान पर बना दिया जा रहा है।

अगर स्वास्थ्य उपकेंद्र भवन निर्माण को अलग स्थान पर नहीं बनाया जाता है तो इस उपकेंद्र भवन की उपयोगिता समाप्त हो जाएगी और इसका लाभ भी ग्रामीणों

को नहीं मिल पाएगा। ग्रामीणों ने अस्पताल भवन को कोनबेगी में ही मुख्य पथ के किनारे में बनवाने की मांग की है।

ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। आवेदन देने वालों में उप मुखिया प्रवीण बड़ाईक, विनोद साहू, अवधेश बड़ाईक, सिप्रियन किडो, नवल बड़ाईक, जोसेफ मिंज, दशरथ साहू, नवीन मिंज, विजय लकड़ा, रोता मिंज, मिराज सिंह, ओबेदे टेटे सहित सैकड़ों ग्रामीण समाहरणालय पहुंचे थे।

नेशनल खो खो चैंपियनशिप में बन रहे खाने की खाद्य सुरक्षा विभाग ने की जांच

नवीन मेल संवाददाता सिमडेगा। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा सिमडेगा जिला में आयोजित 34 वीं राष्ट्रीय सब जूनियर खो खो चैंपियनशिप 2024 के मद्देनजर विभिन्न राज्यों से आगंतुक खिलाड़ियों को खिलाया जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जाँच की गई। जाँच के क्रम में खोखो संघ के प्रदेश महासचिव एवं प्रदेश महासचिव एवं रसोईया से खाद्य अनुज्ञापि मांगे जाने पर उक्त के द्वारा खाद्य अनुज्ञापि प्रदर्शित नहीं किया गया। झारखंड राज्य



खोखो संघ के प्रदेश महासचिव संतोष प्रसाद, के द्वारा ये तर्क दिया गया कि हमारे संघ ने स्वयं यह कार्यक्रम आयोजित किया है। जिसके निमित्त खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी के द्वारा खाद्य पदार्थों का

नमूना संग्रह कर खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया गया। साथ ही सभी खाद्य पदार्थों का एक्सपयरी डेटे जांचा गया सभी खाद्य पदार्थों की एक्सपयरी तिथि सही पायी गई एवं खिलाड़ियों को ब्रांडेड खाद्य पदार्थ उपभोग कराया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि दैनिक स्तर पर सभी कर्मी एयरान, मास्क एवं गलब्स पहन कर पकवान बनाये साथ ही खिलाड़ियों को भोजन कराने से तीस मिनट पूर्व रसोईयां स्वयं भोजन कर लें।

सिमडेगा उपायुक्त ने जिला खनन टास्क फोर्स के साथ की बैठक, कहा जिले में अवैध खनन, भंडारण और परिवहन पर लगे रोक



नवीन मेल संवाददाता सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई। बैठक में पथर, बालू के अवैध खनन, परिवहन व भंडारण आदि की गहन समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिया। उपायुक्त ने अवैध पथर, अवैध बालू उठाव के रोकथाम के लिए पूर्व के बैठक में लिए गए निर्णय के अनुपालन की बिन्दुवार समीक्षा करते हुए जिला खनन पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देशित किया कि जिले में अवैध खनन भंडारण एवं परिवहन नहीं हो इसे सुनिश्चित करने की बात कही। उन्होंने जिले के बॉर्डर इलाकों की छापेमारी करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान जिला खनन

पदाधिकारी ने बताया कि सितंबर माह में अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण से संबंधित कुल 02 मामलों पर कार्रवाई की गई है, तथा दो वाहनों को जब्त कर प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही लगभग 145000 रुपए जुर्माना राशि की वसूली की गई। उपायुक्त ने प्रखंड वार विस्तृत समीक्षा करते हुए जिला के अंचल अन्तर्गत अवैध उत्खनन, प्रेषण के रोकथाम हेतु लगातार स्थलीय निरीक्षण छापेमारी करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहार्ता ज्ञानेन्द्र, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पवन कुमार, जिला खनन पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी एवं अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

डीसी ने जनता दरबार आयोजित कर लोगों की सुनी समस्याएं

सिमडेगा। आम जनमानस के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त अजय कुमार सिंह के द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में आकर अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। इस दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनी एवं आवश्यक किया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की

जांच कराते हुए जल्द से जल्द समाधान किया जाएगा। उपायुक्त के जनता दरबार में राशि का बैंक से अवैध निकाली, जमीन विवाद, पथ निर्माण कराने, प्रधामंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों के मामले आये। उपायुक्त ने जनता दरबार में शिकायतकार्ताओं की समस्याओं को सुनने के पश्चात सभी संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु अग्रसारित किया।



विस चुनाव के बाद सिमडेगा क्षेत्र का होगा समुचित विकास : सोनू एक्का



नवीन मेल संवाददाता सिमडेगा। विधानसभा क्षेत्र के कुदडेग प्रखंड अंतर्गत कुटमाकच्छर गांव और कसडेगा गांव में सोमवार को भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता सोनू एक्का ने परिवर्तन पदयात्रा के दौरान चलाया जनसंपर्क अभियान इस अवसर पर महिला-पुरुष युवक-युवतियां ग्रामीण लोग भारी संख्या में मौजूद थे। जनसंपर्क अभियान के निमित्त सोनू एक्का ने कुटमाकच्छर गांव और कसडेगा गांव की सारी समस्याओं से अवगत हुये इस अवसर पर लोगों ने सोनू एक्का को बताया की गांव में बेरोजगारी का आलम है। लोग रोजगार के अभाव में अन्य राज्यों में पलायन कर रहे हैं। सड़क की व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को आने-जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गांव तक जाने के लिये सड़क की उचित व्यवस्था नहीं है। लोग वर्षों से इसकी परेशानी झेल

रहे हैं। मौजूद ग्रामीणों की सारी समस्याओं से अवगत होने के बाद भाजपा की सक्रिय कार्यकर्ता सोनू एक्का ने कहा कि इस बार के विधानसभा चुनाव के दौरान आप सभी सिमडेगा विधानसभा से सभी ग्रामीण भरपूर तरीके से भाजपा का सहयोग करें। एक निष्पक्ष, निष्ठावान, आज्ञाकारी एवं ईमानदार विधायक का चयन करें। ताकि कुदडेग प्रखंड क्षेत्रों का बेहतर तरीके से विकास हो सके। लोगों को रोजगार मिले। जिससे गांव का बेरोजगारी दूर हो। और लोग खुशहालियों का जीवन व्यतीत कर सकें। सोनू एक्का ने कहा कि आप सभी की सड़क की मुख्य समस्या के साथ-साथ जितनी सारी समस्याएं हैं। वह विधानसभा चुनाव के बाद सारी समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगे। इस, अवसर पर बालमकुंद महतो, सुबोध लकड़ा, अवधेश साहू आदी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप की तैयारी पूरी : तौकीर

सिमडेगा। 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वाधान में तीसरा ओपन सिमडेगा बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 का आयोजन किया जा रहा है। जानकारी देते हुए संघ के तौकीर उस्मानी ने बताया कि उद्घाटन 2 अक्टूबर को अपराह्न तीन बजे किया जाएगा। जिसमें सिमडेगा विधायक भूषण बाडा कोलेबिरा विधायक नमन विस्सल कोगाड़ी उपस्थित होंगे। वहीं 4 अक्टूबर को अपराह्न 2:30 बजे टूर्नामेंट का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह में कृपि एवं पशुपालन विभाग के सचिव अबु बकर सिद्दीक, सिमडेगा उपायुक्त अजय कुमार सिंह, एसपी सौरभ सिमडेगा अतिथि होंगे कार्यक्रम के संदर्भ में मो तौकीर ने कहा कि टूर्नामेंट की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

आस्था और उत्साह के साथ शारदीय नवरात्र का त्योहार मनाने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता सिमडेगा। जिला दुगापूजा समन्वय समिति की बैठक सोमवार को आनंद भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता ओमप्रकाश साहू ने की। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों के कई पूजा समिति के पदधारी शामिल हुए थे। बैठक में पूरे जिले में सौहादपूर्ण और शांतिपूर्ण माहौल में पूरे आस्था और उत्साह के साथ शारदीय नवरात्र का त्योहार मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में समन्वय समिति के माध्यम से सरना सनातन संस्कृति, संस्कार, पूजा पाठ, धार्मिक कार्यक्रम की मॉनिटरिंग करने का निर्णय हुआ। दुगापूजा के मौके पर अफवाहों से बचने, असमाजिक तत्वों पर नजर रखने, नशापान के खिलाफ अभियान चलाने की भी अपील की गई। शोभा यात्रा के क्रम में जुलूस



में नशा का सेवन किए हुए व्यक्तियों को शामिल नहीं करने, लॉडस्पीकर के माध्यम से धार्मिक भजन ही बजाने का निर्देश दिया गया। प्रशासन एवं दुसरे सभी धर्म के लोगों की भावना का भी ख्याल रखने का निर्देश देते हुए समाज के सभी लोगों के साथ समन्वय बनाने की अपील की गई। इसके अलावे अन्य कई विंदुओं पर भी चर्चा करते हुए समाजिक एकजुटता पर बल देने की बात कही गई। बैठक का समापन अनूप

केसरी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। मौके पर मंच संचालन दीपक रिंकू ने किया। मौके पर डीडी सिंह, श्यामलाल शर्मा, गुरारी केसरी, नरेश शर्मा, विकास साहू, श्रद्धानंद बेसरा, अनुज गुप्ता, अजय कुमार, विरेंद्र प्रसाद, विनय केसरी, बजरंग प्रसाद, गौरीशंकर सिंह, संजय केसरी, सुभाष साहू, सुनील साहू, मुकेश पंडा, रवि गुप्ता, संजय प्रसाद, पिंटू कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

राजनीति ऐसी हो कि धर्म के साथ कर्म की भी हो जय जयकार : आईरीन एक्का

नवीन मेल संवाददाता कुदडेगा। झापा नेत्री आईरीन एक्का ने सोमवार को प्रखंड के कुटमाकच्छर, डूमरडीह आदि गांव का भ्रमण किया। मौके पर आईरीन एक्का ने ग्रामीणों के साथ बैठक करते हुए उनकी समस्या सुनी। आईरीन एक्का ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सिमडेगा विस क्षेत्र में अब तक भाजपा और कांग्रेस ने ही शासन किया है, लेकिन दोनों ही पार्टी जनता की समस्या को दूर करने में नाकाम साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड पार्टी माटी की पार्टी है और लोगों के दुख दर्द को समझती है। उन्होंने कहा कि झारखंड पार्टी हर लोगों के सुख-दुख में भागीदार बनना चाहती है, और लोगों के समर्थन से क्षेत्र की सभी समस्या को भी दूर करना चाहती है। आईरीन एक्का ने इस बार विधानसभा चुनाव में अपनी अपनी धार्मिक मान्यताओं का पूरी आस्था के साथ पालन करते हुए विकास के लिए झारखंड पार्टी को



आशवासन देने वाला नहीं, सुशासन देने वाला नेता चाहिए : आईरीन एक्का

केरसाई। झापा के केंद्रीय अध्यक्ष एनोस एक्का और झापा नेत्री आईरीन एक्का के प्रयास से सागजोर धवईटोली गांव में बिजली आपूर्ति बहाल हुई। गांव में पिछले कई दिनों से जले ट्रांसफार्मर की मरम्मत होने के बाद गांव में बिजली आने पर लोगों ने झापा नेताओं के प्रति दिल से आभार व्यक्त किया। लोगों ने कहा कि गांव का ट्रांसफार्मर कई दिनों से जला पड़ा था, लेकिन किसी ने भी सुध नहीं ली। उन्होंने बताया कि एनोस एक्का और आईरीन एक्का को समस्या की जानकारी होती ही उन्होंने तुरंत पहल करते हुए ट्रांसफार्मर को मरम्मत कराने का काम किया। ग्रामीणों ने आईरीन एक्का का गांव में स्वागत करते हुए कहा कि अब आशवासन देने वाला नेता नहीं अब सुशासन देने वाले नेता का चयन किया जाएगा। मौके पर अमन खेस, गजेधर प्रधान, प्रभाकर तिवारी, धीरज बेक, सतीश प्रधान, किशोर मांझी सहित कई लोग उपस्थित थे।

एक्का के काम को देखा है। अब समय है कि एनोस एक्का और जिले के अन्य जनप्रतिनिधियों के कार्यों की तुलना की जाए। उन्होंने कहा कि राजनीति ऐसी होनी चाहिए कि धर्म की भी जय जयकार हो। झारखंड पार्टी सभी धर्म का आदर और सत्कार करता है। साथ ही साथ यह विश्वास दिलाता है कि सभी व्यक्ति को अपने-अपने धर्म, संस्कार, संस्कृति के साथ रहने की पूर्ण स्वतंत्रता मिलेगी। मौके पर सभी लोगों ने इस बार झारखंड पार्टी को समर्थन देने की बात कही। ग्रामीणों ने कहा कि इस बार उन्हें धर्म के नाम पर कोई नहीं ठग सकता है, जो जनता का काम करेगा उसी को वोट दिया जाएगा। मौके पर विनोद बरला, आमन खेस, आनंद एंड्रयुस, नंदू, पवन साय, अनीता बिलुंग, अनुपमा मिंज, रंजिता खेस, विनीता, विमल, सुनील, नंदकिशोर साय, सावित्री देवी सहित कई लोग उपस्थित थे।



द्वारा अभी तक संज्ञान नहीं लिया गया है। श्री बेसरा को उरफोर्क संबंध में विभाग के अधिकारियों से बात चीत कर खराब ट्रांसफार्मर को जल्द से जल्द दुरुस्त कर विद्युत बहाल

दुर्गा पूजा से पहले जिले के सभी खराब ट्रांसफार्मर बदले जाएं : श्रद्धानंद बेसरा

नवीन मेल संवाददाता सिमडेगा। नगर परिषद क्षेत्र गोंसाईं मुहल्ला खैरन टोली वासियों के सुचना पर भाजपा नेता श्रद्धानंद बेसरा गोंसाईं मुहल्ला पहुंचे। लोगों ने श्री बेसरा को बताया कि गिगत सप्ताह पूर्व मुहल्ला का ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से सम्पूर्ण मुहल्ला अंधेरे में डाल गुजार रहे है, बच्चों को पढ़ाई लिखाई में परेशानी हो रही है। इस संबंध में लिखित आवेदन विद्युत विभाग सिमडेगा को दिया गया था परन्तु विद्युत विभाग सिमडेगा के

नगर परिषद में मल कीचड़ प्रबंधन पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन



नवीन मेल संवाददाता सिमडेगा। नगर परिषद में मल कीचड़ प्रबंधन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें कार्यपालक पदारीकरी समीर बोदरा, सिटी मैनेजर आकाश सिंह, कनीय अभियंता उत्पला सरकार, युनिसेफ और नीड्स से राज्य सलाहकार अजय सिंह, और प्रोजेक्ट मैनेजर सूरज कुमार उपस्थित थे। 02 अक्टूबर तक चलने वाली इस कार्यशाला में नगर परिषद कर्मचारी, महिला समूह, और सफाई कर्मचारी शामिल होंगे। कार्यशाला में मल कीचड़ प्रबंधन, सिमडेगा में बने एफ.एस.टी.पी के उपयोग और खरखराव पर विस्तृत चर्चा किया गया। कार्यशाला के दौरान

स्वच्छता शपथ लिया गया और स्वच्छता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो अगले कुछ दिनों में नगर परिषद के हर बाड़ में प्रचार-प्रसार करेगा। यह नगरवासियों को हर 3 साल में अपने सेप्टिक टैंक की सफाई के लिए नगर परिषद के हेल्पलाइन नंबर से संपर्क करने की जानकारी देता। स्वच्छता ही सेवा के तहत नगरवासियों को जागरूक किया जाएगा। यह 15 दिन का कार्यक्रम है, जिसमें स्कूल प्रोग्राम, बच्चों के माध्यम से जागरूकता, दीवार लेखन, महिला समूह द्वारा डोर-टू-डोर विजिट, सफाई मित्रों को नमस्ते स्कीम और सरकारी बीमा का लाभ लेने की जानकारी, और स्वास्थ्य जांच शिविर शामिल है।

न्यूज बॉक्स

कलिसिया सीएनआई चर्च कोहीपाठ के 109 वर्ष पूरा होने पर कार्यक्रम आयोजित



बानो। बानो प्रखंड के कोहीपाठ में उतर भारत की कलिसिया सीएनआई चर्च के 109 वर्ष पुरा होने पर वार्षिक वर्षगांठ मनाया गया इस अवसर पर मुख्य रूप में जिला परिषद विरजो कर्दुलना उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलित कर किया। पादरी रेव्ह मनोहर किम्बो ने विनती अराधना संपन्न कराया। ईश्वर शर्मा विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न मंडली ने गीत व नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्यारक सुलेमान बरला, नमन बरला, विजय बरला, अयुब जोजो, सयुन बरला, सत्यानंद बरला, कुनल जोजो, नीलाय जोजो, मरियम बरला, सुमन जोजो, विश्वासी कुडारी की अहम भूमिका रही।

अग्रवाल सभा के उत्सव मेला में विजेता प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

सिमडेगा। श्री अग्रसेन उत्सव मेला में रेट्रो एवं सोलो ड्रांस ग्रुप ए का आयोजन किया गया। रेट्रो में मनेज सिन्हा, रविकंत साहू, प्रदीप मित्तल एवं सोलो ड्रांस ग्रुप ए में प्रदीप मित्तल, डॉ सत्यनारायण एवं साधना गुप्ता जज के रूप में उपस्थित थे। मौके पर अग्रवाल



समाज की महिलाओं, बच्चों एवं नवयुवकों ने लजीज व्यंजनों एवं छोटे-छोटे गेम का भी स्टॉल लगाया। इस दौरान अब तक हुए प्रतियोगिता के विजेताओं एवं उप विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मोमवती जलाओ प्रतियोगिता में गीता मित्तल और हेमा बोदिया, रंग भरो में पीहू अग्रवाल और साँची अग्रवाल, चित्रकला ग्रुप ए में प्रजा मित्तल और देवांश बंसल, चित्रकला ग्रुप बी में यशोता अग्रवाल और ओजस मित्तल, मटका फोटों ग्रुप ए में काजल मित्तल और देव कुल्लुकेरिया विजेता बने। इसी तरह मटका फोटों ग्रुप बी में मयंक बंसल और लक्ष्य अग्रवाल, अंतर खोज में पवी अग्रवाल और रचित अग्रवाल, रूबिक क्यूब में आशुतोष राज और पारस जैन, बकेट एंड बॉल में देव कुल्लुकेरिया और वरुण सैत, इन और आउट में कविता अग्रवाल और बरखा अग्रवाल, बलून उड़ाओ सिक्का उठाओ में ममता जैन और श्वेता अग्रवाल एवं पंकी अग्रवाल, क्रिसस रस में तनीषा एवं पार्टनर, कैडल में चूड़ी डालें में ममता जैन और पूजा अग्रवाल, स्लो साइकिल रेस ग्रुप ए में कार्तिक अग्रवाल और गर्वित अग्रवाल, स्लो साइकिल रेस ग्रुप बी में चिराग अग्रवाल और हर्षित अग्रवाल सफल रहे। वहीं स्लो साइकिल रेस ग्रुप सी में केशव अग्रवाल और हर्षित अग्रवाल, स्लो साइकिल रेस ग्रुप डी में निक्की अग्रवाल, म्यूजिकल चेर ग्रुप ए में साँची अग्रवाल और देवांशी अग्रवाल, म्यूजिकल चेर ग्रुप बी में गर्वित अग्रवाल और प्रजा मित्तल, म्यूजिकल चेर ग्रुप सी में चिराग अग्रवाल और हर्षित अग्रवाल, म्यूजिकल चेर महिला में संजू देवी और पायल धर्मानिया, शांटेपुट ग्रुप ए में यश गोंयल और नमन अग्रवाल, शांटेपुट ग्रुप बी में रिषभ अग्रवाल और महेश गोंयल विजयी हुए।

मासांत बैठक में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर चर्चा



कोलेबिरा। विवेकानन्द शिशु-विद्या मन्दिर लचरागढ़ में सोमवार को प्रधानाचार्य राजेन्द्र साहू के अध्यक्षता में मासांत बैठक की गई। इस बैठक में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा बच्चों को मिले इस पर चिंतन हुआ। साथ ही संस्कार पक्ष मजबूत हो इसलिए प्रतिदिन कक्षा में चर्चा हो। आगामी सभागत स्तरीय प्रधानाचार्य बैठक हेतु प्रत्येक विभाग के आवश्यक सामग्री की सूची बनी। अधिभावक सम्पर्क विद्यालय विकास का आधार है इसे बल देने हुए 1 अक्टूबर 2024 से 30 नवम्बर 2024 तक अधिभावक सम्पर्क महाअभियान चलेगा। जिसमें कक्षाचार्य अपने कक्षा के बच्चों के घर जाकर अधिभावक से वार्ता करेंगे और शिशु के सर्वांगीण विकास पर चिंतन-मंथन होगा। 127,28 अक्टूबर 2024 को आयोजित शिशु शिविर की तैयारी की योजना बनी। अंत में सुभकामना मंत्र के साथ बैठक की समाप्ति की गई। इस बैठक में आचार्य प्रमोद पाणिग्रही, विमल टेटे, जगेश्वर सिंह, गणेश सिंह, सुदर्शन कुमार, अर्जुन महतो, आचार्या लक्ष्मी देवी, विमला देवी, प्रगति सिंह, दीक्षित कुमारी, रेखा देवी, सुनीति कुमारी उपस्थित थे।

आदिवासी मुंडा समाज एकता मंच ने की हॉकी व फुटबॉल टूर्नामेंट की शुरुआत



बानो। प्रखंड के हुरदा थाना मैदान छः पंचायत स्तरीय आदिवासी मुण्डा समाज एकता मंच के द्वारा हॉकी, फुटबॉल टूर्नामेंट खेल का शुभारंभ किया गया। जिसमें पुरुष वर्ग फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रायकेरा पंचायत बनाम गेनेमर पंचायत के बीच खेला गया। जिसमें रायकेरा पंचायत ने गेनेमर पंचायत को 2-0 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। हॉकी टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच डुमरिया नवाटोली बनाम जोजो फाइट क्लब जामताई महिला टीम के बीच खेला गया जिसमें जोजो फाइट क्लब जामताई ने 1-0 से जीत कर अगले चक्र में प्रवेश किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधायक की पत्नी अनीता सुरिन उपस्थित रहीं। अवसर पर कामिटी सदस्य जोन कर्दुलना, कामिल डॉंग, जोलेन जोजो, तुरतन गुडिया, आम्सरेन गुडिया, सुलेमान बरला, प्रधान लुगुन, ग्लेडशन तोपनो, जसुआ टुडू, फुलचंद जोजो आदि लोग उपस्थित रहे। एम्पायर की भूमिका आदम लुगुन एवं जोनसन तोपनो ने किया।

राधा गोविंद विश्वविद्यालय प्रांगण में एलुमनाई मीट का हुआ आयोजन

रामगढ़। सोमवार को राधा गोविंद विश्वविद्यालय के प्रांगण में विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य एवं मार्गदर्शन के लिए एलुमनाई मीट-2024 एवं मोटिवेशनल सह कैरियर परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम देश के विभिन्न राज्यों से आए मोटिवेशनल वक्ताओं को एनसीसी कैडेट्स एवं विश्वविद्यालय के छात्रों ने झारखंड की संस्कृति पर आधारित संगीत व नृत्य द्वारा जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलाधिपति वी एन साह के साथ सम्मानित अतिथियों ने संस्था के संस्थापक स्व राधा देवी एवं स्व गोविंद साह के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत किया। इसके बाद सभी अतिथियों को पुष्पचूड़, प्रतीक चिन्ह एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल ने सभी सम्मानित अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।

पौराणिक बूढ़ा महादेव मंदिर व गांव तक जाने के लिए रोड नहीं आरकेडी कंस्ट्रक्शन व एनएचएआई पर वादा खिलाफी करने के लगे आरोप



नवीन मेल संवाददाता। सिसई आरकेडी कंस्ट्रक्शन और एनएचएआई के द्वारा पलमा से गुमला तक फोरलेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें सिसई प्रखंड के अंतर्गत पोटरो गांव के पौराणिक बूढ़ा महादेव मंदिर तक पहुंच पथ नहीं बनाने का मामला फिर से तुल पकड़ने लगा है। कंपनी और एनएचएआई पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने गुमला उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों का कहना है कि पलमा से गुमला तक राष्ट्रीय राजमार्ग -43 चौड़ीकरण का काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में सिसई महुआडोपा गुरुगांव से भदौली, पोटरो, लकेया, पंडरिया होते हुए रेडवा

जवाहर नवोदय विद्यालय गुमला में प्रबंधन समिति की बैठक हुई विद्यालय में सौर ऊर्जा व अन्य विकास कार्यों की मांग पर डीसी ने की चर्चा

बालिका सदन में पेबर ब्लॉक निर्माण, जालीदार स्लाइडर खिड़की और अतिरिक्त डीप बोरिंग की भी आवश्यकता जताई गई

नवीन मेल संवाददाता। गुमला जवाहर नवोदय विद्यालय गुमला में उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्यालय के कई प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई और उपायुक्त ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विद्यालय की ओर से सौर ऊर्जा से चलने वाले वाटर हीटर, इनवर्टर, वाटर कुलेर और 50 सोलर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की गई। साथ ही, दिव्यांग छात्रों के लिए रैंप निर्माण, वर्षा जल संग्रहण के लिए सोक पिट और कैनाल, खेल मैदान में दर्शक दीर्घा, बालिका सदन में



पेबर ब्लॉक निर्माण, जालीदार स्लाइडर खिड़की और अतिरिक्त डीप बोरिंग की भी आवश्यकता जताई गई। तानाखुदी से विद्यालय के मुख्य द्वार तक सड़क मरम्मत का मुद्दा भी प्रमुख चर्चा में रहा। इसके अलावा, उपायुक्त ने विद्यालय की उपलब्धियों की समीक्षा पीपीटी के माध्यम से की और शैक्षणिक भवन का भ्रमण कर लेक्स का निरीक्षण किया। उन्होंने

खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने खाद्य पदार्थों का सैंपल संग्रह किया



नवीन मेल संवाददाता। गुमला दुर्गा पूजा के मधे-नरर सोमवार को चैनपुर प्रखंड मुख्यालय के कई मिठाई व अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच अभियान चलाकर किया गया। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लव कुमार गुप्ता के द्वारा चैनपुर के विभिन्न प्रतिष्ठान में जांच करते हुए खाद्य पदार्थों का सैंपल संग्रह किया गया। जांच के क्रम में उन्होंने प्रतिष्ठान में स्वच्छता और सफाई रखने का निर्देश दिया खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी लव कुमार गुप्ता ने बताया कि वर्षोंहोतों के दौरान बाजार में मिठाईयों की मांग बढ़ जाती

जन विकास केंद्र हजारीबाग ने गोरहर में किया कानूनी प्रशिक्षण का आयोजन

बर्कड्डा। प्रखंड क्षेत्र के गोरहर पंचायत सचिवालय में जन विकास केंद्र हजारीबाग द्वारा एक दिवसीय कानूनी प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित जिला कॉर्डिनेटर सुरेश कुमार, एडवोकेट नर्मिस शाहीन ने बताया कि मानव तस्करी बहुत बड़ा संगठित अपराध है। इस प्रकार के अपराधों में बहुत से लोग शामिल होते हैं जो आस पड़ोस और जन परिचय वाले ही होते हैं। वैसे लोगों को पहचान कर सतर्क रहने की आवश्यकता है। अधिवक्ता ने कहा कि मानव तस्करी में अधिकतर महिला और लड़कियां ही शिकार होती हैं। जिसके लिए सरकार ने विभिन्न तरह के कानून बनाए हैं। साथ ही वार्ड सदस्य कुंजलाल महतो, मुखिया प्रेमिका कुमारी ने कहा कि प्रवासी मजदूर को पंचायत में श्रम निबंधन अवश्य करा लेना चाहिए ताकि किसी भी तरह के अनहोनी होने पर सरकार द्वारा सहयोग प्राप्त बचाया जा सके।

सीओ ने की पूजा शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील

बर्कड्डा। गोरहर थाना में दुर्गापूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में थाना क्षेत्र के प्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी शामिल हुए। अध्यक्षता अंचल अधिकारी श्रवण कुमार झा व संचालन कुंज लाल महतो ने किया। वहीं अंचल अधिकारी ने गोरहर थाना क्षेत्र के लोगों से पूजा शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। कहा पूजा पंडालों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से सौंपीटीकी कैमरा अवश्य लगाएं। डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। पूजा पंडालों में डीजे का प्रयोग न करें। कहा कि माहोल खराब करने वाले मामले नहीं होने चाहिए। अन्यथा दोषों को चिन्हित कर कर्वाही की जाएगी। कमिटी के लोग यह प्रयास करें कि कहीं चूक न हो। शराब दुकान पूजा के दिन खुलने पर रोक रहेगी। प्रशासन की दरफ से हर संभव सहयोग किया जाएगा। मूर्ति विकर्जन शाम 6: बजे तक तथा पूर्व निर्धारित रूट से ही करने का प्रयास करें। इस बैठक में अंचल अधिकारी श्रवण कुमार झा, कुंज लाल महतो, थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह, बीएस सुनील अक्षय प्रदीप प्रसाद, उपाध्यक्ष कुदुश अंसारी, आदि लोग उपस्थित थे।

जेएसएससी-सीजीएल प्रश्नपत्र लीक मामले में अभ्यर्थियों को संजय का मिला समर्थन



नवीन मेल संवाददाता। बरही झारखण्ड बचाओ क्रांति सेना समिति (जेबीकेएसएस) के सुप्रिमा संजय मेहता ने जेएसएससी सीजीएल परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले में अभ्यर्थियों के आंदोलन को जापज बताने हुए पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने रांची में आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों से मुलाकात किया। उन्होंने परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों का समर्थन करते हुए मामले को सीबीआई जांच करवाने की मांग किया। कानून के जानकार व वकील श्री मेहता ने अभ्यर्थियों के सभी साक्ष्यों को बारीकी से परख कर

कई कानूनी सलाह भी दिया। उन्होंने कहा कि झारखंडी बेरोजगारों का दुर्भाग्य है कि हमारे राज्य में एक भी नियुक्ति की परीक्षा पूर्ण पारदर्शिता एवं बिना गड़बड़ी के नहीं हो सकी है। एक के बाद एक पेपर लीक एवं परीक्षाओं का रद्द होना हमारे लिए चिंता का विषय है। श्री मेहता ने परीक्षाओं में गड़बड़ी के साथ निवोजन नीति, परीक्षाओं का रद्द होना, स्थानीयता जैसे मुद्दों पर भी सरकार को जमकर लताड़ा। इतना ही नहीं राज्य में इंटरनेट सेवा बंद कर सरकार ने अदृष्टदर्शिता का परिचय दिया है।

सिसई प्रखंड कार्यालय में आधार सुधार केंद्र बंद, आम नागरिक हो रहे परेशान



सिसई (गुमला)। प्रखंड कार्यालय में आधार सुधार केन्द्र पिछले कई दिनों से बंद रहने के कारण आम नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हर दिन कई सारे लोग नया आधार कार्ड बनवाने तो कई सारे लोग आधार अपडेट कराने के लिए आते हैं। दिनभर कार्यालय में केन्द्र खुलने का इंतजार करते हैं। और शाम को निराश होकर वापस लौट जाते हैं। आधार कार्ड का काम न हो पाने के कारण लोग काफी परेशान हो गए हैं। कई लोगों

का बैंकों का काम एवं सरकारी काम आधार के वगैर रुका हुआ है, वहीं छात्र- छात्राओं का भी जाति- आवासीय, और शिक्षा से संबंधित कार्य बाधित हो गया है। आम लोगों एवं छात्र- छात्राओं की परेशानियों को देखते हुए, प्रखंड विकास पदाधिकारी जी को तत्काल आधार सुधार केन्द्र को सुचारु रूप से चालू करा देना चाहिए। ताकि आम लोगों की परेशानियाँ दूर हो सकें और उनके सारे रुके हुए काम समय पर पुरा हो सकें।

उज्ज्वला फाउंडेशन में 50 नए सदस्य जुड़े

रामगढ़। मोतीराम कॉम्प्लेक्स बोंगावार में उज्ज्वला फाउंडेशन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता फाउंडेशन अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति व संचालन मनसरी देवी ने किया। बैठक के दौरान सदस्यों ने लेखा-जोखा प्रस्तुति कर फाउंडेशन का उद्योग पर विचार विमर्श किया। साथ ही, पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से फाउंडेशन में नए सदस्यों को जोड़ने का निर्णय लिया गया। जिसमें पहले चरण के तहत 50 नए सदस्यों को संस्था में जोड़ा गया। साथ ही, उनका स्वागत किया गया। इस दौरान संस्था अध्यक्ष जगेश्वर प्रजापति ने सदस्यों को शपथ दिलाते हुए संस्था के प्रति निष्ठावान होकर कार्य करने की बात कही। वहीं, मौजूद सभी सदस्यों से किसी के बहकावे में न आकर संस्था के प्रति कार्य करने की बात कही। उन्होंने कहा कि जल्द ही सिलाई एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाएगा। मौके पर सुखदेव सोनी, वीणा कुमारी, शांति देवी, सुमन देवी, सुनीता देवी, अर्चना देवी, सुपमा देवी, फुल कुमारी, काजल, चिंता, दीपू, गुंडिया, आशा, आरती देवी, बेबी देवी, कौशल्या देवी आदि मौजूद रहे।

सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र बरवेनगर में 7वें पोषण माह का हुआ समापन

झारखंड सरकार पोषण विषय पर निरंतर कार्य कर रही है : अंजलि वर्मा

नवीन मेल संवाददाता। चैनपुर प्रखंड अंतर्गत बरवेनगर पंचायत के सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र बरवेनगर में 7वां राष्ट्रीय पोषण माह (1-30 सितंबर 2024) का समापन किया गया। साथ ही पूरा सभागार रांची में सातवां राष्ट्रीय पोषण माह 2024 का समापन समारोह का आयोजन किया गया था जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल संतोष गंगवार और विशिष्ट अतिथि अन्नपूर्णा देवी शामिल हुई थी। जिसका लाइव प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्र बरवेनगर में बच्चों, गर्भवती माता, धात्री माता के बीच दिखाया गया। कार्यक्रम में पोषण माह से संबंधित कई कार्यक्रम जैसे अन्नप्रश्न गोद भलाई आओ तोड़े कुपोषण चक्र से संबंधित लघु फिल्म सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन राज्य द्वारा कुपोषण मिटाने के क्रम में अच्छे कार्यों का प्रस्तुतिकरण किया जा रहा था उन्हें प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया।



जिसे देखने में बच्चों ने काफी उत्साह दिखाया साथ ही बरवेनगर की पंचायत की सभी सेविका सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र बरवेनगर को बहुत ही अच्छे तरीके से सजाई हुई थी और बच्चे भी काफी साफ सुथरा और अनुशासन में नजर आ रहे थे। वहीं महिला पर्यवेक्षिका अंजलि वर्मा ने कहा कि झारखंड सरकार पोषण विषय पर निरंतर अच्छे कार्य कर रही है और झारखंड को कुपोषण मुक्त बनाने के दृढ़ संकल्प को साकार करने का प्रयास कर रही है। हाल

ही में सभी आंगनबाड़ी केंद्र के लिए पूरक पोषाहार कार्यक्रम अन्तर्गत आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को गर्म एवं ताजा पका हुआ भोजन देने के लिए बर्तन उपलब्ध कराये गये हैं। आने वाले समय में झारखंड सरकार द्वारा सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों में टेलीविजन, जिसमें बच्चों के लिए अंग्रेजी एवं हिन्दी में होंगे। सभी केंद्रों के लिए दोषार चढ़ी, और बच्चों के पोषण भी पढ़ाई भी तहत नये कदम, पाठ्यक्रम भी उपलब्ध कराया जाएगा।

लायंस क्लब में आजसू पार्टी मिलन समारोह आयोजित

रामगढ़। लायंस क्लब रामगढ़ में रविवार को आजसू पार्टी द्वारा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय सचिव मनोज कुमार महतो उपस्थित थे। कार्यक्रम कई अध्यक्षता नेपाल विश्वकर्मा एवं संचालन छोट्टू करमाली ने किया। मिलन समारोह में कांस्रिस के नगर सचिव सोनू नायक के नेतृत्व में उनके कई समर्थकों ने आजसू पार्टी की सदस्यता प्रहण की, जिनका मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। मौके पर सोनू नायक ने कहा कि वे आजसू के नीति और सिद्धांतों के कारण पार्टी में शामिल हुए हैं और पार्टी संगठन को मजबूत बनाने का कार्य करेंगे।

सेवानिवृत्त पंचायत सचिव को दी गई भावभीनी विदाई



नवीन मेल संवाददाता। गुमला प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में सोमवार को विदाई समारोह आयोजित कर सेवानिवृत्त पंचायत सचिव कुंवर राम मोची को भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में उपस्थित पदाधिकारी व सहकर्मियों ने उन्हें फूल माला पहनाकर एवं उपहार देकर विदाई दी। मौके पर वीडोओ श्री यादव बैठा ने कहा कि सरकारी कर्मियों को जिस दिन सरकारी सेवा के लिए पदभार मिलता

है उसी दिन सेवानिवृत्त का दिन भी तय हो जाता है। कुंवर राम मोची एक कर्मट, ईमानदार व्यक्तित्व के कर्मी रहे हैं। इनसे हमलोगों को काफी कुछ सीखने को मिला। इस अवसर पर कुंवर राम मोची को माला पहना कर सम्मानित किया गया। वही उपस्थित सभी प्रखंड एवं अंचल कर्मी ने पंचायत सचिव के कार्यों की सराहना की। कहा कि इनके रहते पंचायत का कार्य सुचारू ढंग से चला। पंचायत के ग्रामीण खुश थे।

कार्यालय उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची
(जिला नजारात शाखा)
अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला नजारात शाखा, रांची में कार्यालय कार्य/विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों के लिए (विडियोग्राफी/फोटोग्राफी) एवं ड्रॉन कैमरा इत्यादि कार्य हेतु वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अतिअल्पकालिन निविदा आमंत्रित की जाती है। इस संबंध में इच्छुक फर्म/मेसर्स प्रकाशन की तिथि से निविदा का हार्ड कॉपी जिला नजारात शाखा, रांची से प्राप्त कर दिनांक 09.10.2024 (दिन-बुधवार) को अपराह्न 3:00 बजे तक निविदा मुरबंद लिफाफे में जिला नजारात शाखा, रांची में जमा किया जा सकता है।

निविदा निविदादाताओं अथवा उनके प्रतिनिधि की उपस्थिति में दिनांक 09.10.2024 (दिन-मंगलवार) को अपराह्न 4.00 बजे समाहरणालय ब्लॉक 'ए' का कमरा संख्या 207 में खोली जायगी।

नोट:- निविदा के शर्तें www.prdjharkhand.in एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची।
PR.NO.337691 Ranchi(24-25):D

कार्यालय, जिला परिषद, रांची
(अभियंत्रण शाखा)
अति अल्पकालीन पुनः ई-निविदा आमंत्रण सूचना

टेंडर रिफ्रेन्स नम्बर-DOPR/DE/Ranchi/Retender/16/2024-25, PR No.-334985

S. No	योजना का नाम	स्वीकृत राशि (रुपये में)	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6
01	Development of Gate shed and mandap at Lagam Khelgong Akhra, Silli Block	53,63,900.00	1,07,500.00	10,000.00	06 माह

नोट:-केवल ई-टेंडर ही स्वीकार होंगे।
1.अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट jarkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।
2. बेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि-04.10.2024
3. ई-निविदा की प्राप्ति की तिथि एवं समय-05.10.2024 से 15.10.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा खोलने की तिथि-16.10.2024 को 3.00 बजे अपराह्न।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता-जिला अभियंता, जिला परिषद, रांची।
ई-निविदा प्रकोष्ठ का दुरभाष नं०- 7739519093
6.परिमाण विपत्र की राशि घट बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
7. निविदा शुरू एवं अग्रधन की राशि का ई-मुग्तान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
8. Form of Bid एवं Bill of Quantity में दर भिन्न रहने पर संबंधित निविदादाता का निविदा अमान्य समझा जाएगा।
9. निविदा डबल बीड प्रवृत्ति से होगा।
10. इस निविदा में जिला परिषद, रांची झारखण्ड रांची में निबंधित समुचित श्रेणी के संवेदक ही माग लेंगे।

जिला अभियंता, जिला परिषद, रांची
PR 337639 Panchayati Raj(24-25)#D

Office of the Civil Surgeon cum Chief Medical Officer, Gumla
SHORT NOTICE INVITING e TENDER
Bidding Document No:3060 **Dated:- 30.09.2024**

1. Civil Surgeon-cum-Chief Medical Officer, Gumla invites sealed Bids in two bid systems for "Rate Contract for Supply of Medicine & Consumables in the Health Units of the Gumla Surgency through e-tender as detailed in the Bidding Document under section Scope of work".

2. Brief Scope of Work:-
The aim and objective is to Supply of Medicine & Supplies in the Health Units of the Gumla Surgency of Gumla District.

3. Award Methodology:- Bidder shall be awarded considering least cost, Gumla i.e. L1 (Lowest Bidder). Bidder qualifying Technical bid and meeting the pre-Qualifying criteria shall only be considered for opening of Price Bids.

4. Salient Features of Bidding Document:-

Sl. No.	Details	Timelines/otherParticulars
a.	Bidding Document Fee(Non- Refundable)	Rs. 1000/- (Rupees One Thousand) should be deposited through online mode (www.jharkhandtenders.gov.in) before uploading the bid in the e-procurement portal of the Tender Inviting Authority.
b.	Bid Security/Earnest Money Deposit (EMD)	Rs 1,00,000/- (Rupees One Lakh) should be deposited through online mode (www.jharkhandtenders.gov.in) before uploading the bid in the e-procurement portal of the Tender Inviting Authority.
c.	Date of Publication on Website	05.10.2024, 11:30 A.M.
d.	Date of Start of Online Bid Submission	14.10.2024, 11:30 A.M.
e.	Last Date and time for submission of Bids	21.10.2024 upto 5 P.M.
f.	Opening of Technical Bid- PART A	23.10.2024 at 11.A.M. in the office of the Tender Inviting Authority

Note:- If any of the cut-off date identified above happens to be holiday, the next working day shall be implied.
5. The complete Bidding Document is available on the website www.jharkhandtenders.gov.in. The tender should be submitted through e-procurement system only.

PR 337703 Health Med Edu and Family Welfare(24-25)D **CS CUM CMO Gumla**

कार्यालय अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमंडल, खूँटी
ई. निविदा अन्तर्गत अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण
(2nd Call)
निविदा आमंत्रण सूचना संख्या-MID/KHUNTI/F₂-9/2024-25 दिनांक-30.09.2024
कार्य का नाम-

युप सं०	योजना का नाम	जिला	प्रखंड	प्राक्कलित राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (लाख में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1.	सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मुरहू के अस्पताल भवन के बाहरी भाग का आवश्यकतानुसार जीर्णोद्धार कार्य	खूँटी	मुरहू	13.548	0.025	120 दिन
2.	+2 उच्च विद्यालय, कर्मा में पुराना भवन का जीर्णोद्धार कार्य	खूँटी	कर्मा	24.991	0.05	120 दिन

नोट-केवल ई-निविदा ही स्वीकार होगा।
1. अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.jharkhandtenders.gov.in पर देखें।
2. बेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि-01.10.2024 अपराह्न 2:00 बजे
3. ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समय-07.10.2024 अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई-निविदा की परिमाण विपत्र एवं अग्रधन की राशि ऑनलाईन जमा करने अंतिम तिथि एवं समय-07.10.2024 अपराह्न 5:00 बजे तक (e-Procurement Portal-jharkhandtenders.gov.in)
5. निविदा खोलने की तिथि-09.10.2024 को अपराह्न 2:00 बजे।
6. निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम, पता, दूरभाष सं. एवं ई-मेल आई डी:-कार्यालय अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, खूँटी/7320969093 /email- midvivkhunti@gmail.com
7. स्वीकृत प्राक्कलन में उक्त निर्णित कार्यों की मात्रा/राशि घट-बढ़ सकती है। तदनुसार ही अग्रधन की राशि जमा(ऑन लाईन जमा करना होगा) एवं इस संबंध में कोई दावा मान्य नहीं होगा।

कार्यालय अभियंता, लघु सिंचाई प्रमंडल, खूँटी।
PR.NO.337665 Minor Irrigation(24-25):D



संपादकीय

विश्व का तीसरा

महाशक्तिशाली देश भारत

सलोवी इन्स्टिट्यूट थिंक टैंक, आस्ट्रेलिया ने हाल ही में एशिया में शक्तिशाली देशों की एक सूची जारी की है। 'एशिया पावर इंडेक्स 2024' इस सूची में भारत को एशिया में तीसरा सबसे बड़ा शक्तिशाली देश बताया गया है। वर्ष 2024 के इस इंडेक्स में भारत ने जापान को पीछे छोड़ा है। इस इंडेक्स में अब केवल अमेरिका एवं चीन ही भारत से आगे हैं। रूस तो पिछले से ही इस इंडेक्स में भारत से पीछे हो चुका है। इस प्रकार अब भारत की शक्ति का आभास वैश्विक स्तर पर भी महसूस किया जाने लगा है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 के प्रतिवेदन में बताया गया है कि वर्ष 2023 के इंडेक्स में भारत को 36.3 अंक प्राप्त हुए थे जो वर्ष 2024 के इंडेक्स में 2.8 अंक से बढ़कर 39.1 अंकों पर पहुंच गए हैं एवं भारत इस इंडेक्स में चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर आ गया है। एशिया पावर इंडेक्स 2024 को विकसित करने के लिए कुल 27 देशों और क्षेत्रों से प्राप्त आंकड़ों का आंकलन एवं सूक्ष्म विश्लेषण किया गया है। एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है।

एशिया में जो नए शक्ति समीकरण बन रहे हैं उनका ध्यान भी इस इंडेक्स में रखा गया है तथा विभिन्न मापदंडों पर आधारित पिछले 6 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण कर यह इंडेक्स बनाया गया है। आर्थिक क्षमता, सैन्य (मिलिटरी) क्षमता, अर्थव्यवस्था में लचीलापन, भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध एवं सांस्कृतिक प्रभाव जैसे मापदंडों पर उक्त 27 देशों एवं क्षेत्रों का आंकलन कर विभिन्न देशों को इस इंडेक्स में स्थान प्रदान किया गया है। इस इंडेक्स में अमेरिका, 81.7 अंकों के साथ प्रथम स्थान पर है। चीन 72.7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान पर है। भारत ने इस इंडेक्स में 39.1 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जापान को 38.9 अंक, आस्ट्रेलिया को 31.9 अंक एवं रूस को 31.1 अंक प्राप्त हुए हैं एवं इन देशों का क्रमशः चतुर्थ, पांचवा एवं छठवां स्थान रहा है। इस इंडेक्स में प्रथम 5 स्थानों में से 4 स्थानों पर 'क्वाड' के सदस्य देश हैं - अमेरिका, भारत, जापान एवं आस्ट्रेलिया। एशिया में अमेरिका की लगातार बढ़ती मजबूत ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि, चीन की मजबूत मिलिटरी ताकत के चलते उसे इस इंडेक्स में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। जापान के इस इंडेक्स में तीसरे से चौथे स्थान पर आने के कारणों में मुख्य कारण उसकी आर्थिक स्थिति में लगातार आ रही गिरावट है। भारत ने चौथे स्थान से तीसरे स्थान पर खलाता प्रदाई है। आर्थिक क्षमता एवं भविष्य में संसाधनों की उपलब्धता के क्षेत्र में भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही, सैन्य क्षमता, कूटनीतिक, राजनयिक एवं आर्थिक सम्बंध के क्षेत्र एवं सांस्कृतिक प्रभाव के क्षेत्र में भारत को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है। अब केवल अमेरिका और चीन ही भारत से आगे हैं एवं जापान, आस्ट्रेलिया एवं रूस भारत से पीछे हो गए हैं। जबकि, कुछ वर्ष पूर्व तक विश्व की महान शक्तियों में भारत का कहीं भी स्थान नजर नहीं आता था। केवल अमेरिका, रूस, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रान्स आदि देशों को ही विश्व में महाशक्ति के रूप में गिना जाता था। अब इस सूची में भारत तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

एग्री इंफ्रा फंड से बदल रहा किसानों का जीवन

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का किसानों के प्रति गहरा प्रेम और संवेदनशीलता, उनके द्वारा लिए गए निर्णय, नीतियों और योजनाओं में स्पष्ट नजर आती है। अनन्यदाताओं का जीवन बदलना ही उनका प्रथम लक्ष्य है और संकल्प भी। यही कारण है कि सरकार के तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में कृषि और किसान सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रहे उनके नेतृत्व में, सरकार किसानों के सशक्तीकरण और कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (एआईएफ) जैसी नीतियों में स्पष्ट रूप से झलकता है। भारत में फसल के बाद होने वाले नुकसान एक बड़ी चुनौती है, जो कृषि क्षेत्र की क्षमता और लाखों किसानों की कड़ी मेहनत को प्रभावित कर रहे हैं। हाल के अनुमानों के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष इसके कुल खाद्य उत्पादन का लगभग 16-18% नष्ट हो जाता है ' ये नुकसान कटाई, थ्रेसिंग, भंडारण, परिवहन और प्रसंस्करण सहित विभिन्न चरणों के दौरान होते हैं। उचित भंडारण की कमी, कोल्ड चैन और अर्थात् प्रसंस्करण इकाइयों, कुशल लॉजिस्टिक्स का आभाव इन बड़े नुकसानों में योगदान करते हैं, जिससे देश की समग्र खाद्य सुरक्षा प्रभावित होती है। इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए इन्हें मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार नए सिरे से काम कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में कृषि क्षेत्र के उत्थान के लिए नवाचार के नित नये उपाय किये जा रहे हैं। वैज्ञानिकों के शोध को लेब से लैंड तक पहुंचाने के लिए सरकार प्रयास कर रही है, जिससे किसानों की उत्पादन की लागत घटे और फायदा ज्यादा हो। प्रधानमंत्री जी दूरदृष्टि हैं जिनके द्वारा जुलाई 2020 में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में एग्री इंफ्रा फंड (एआईएफ) की शुरुआत की गई थी। इसका उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाने और खाद्यान्न की बर्बादी को कम करने के लिए कृषि परिसंपत्तियों के माध्यम से फसलोपरत संबंधन परियोजनाओं और नए युग की तकनीकों को बढ़ावा देकर इन चुनौतियों का समाधान करना है। एआईएफ के तहत, बैंकों और वित्तीय संस्थानों द्वारा 3% प्रति वर्ष की ब्याज छूट और सीजीडीएमएसई के तहत 2 करोड़ रुपये तक के ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी कवरेज के साथ ऋण के रूप में 1 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए जाएंगे। इस पहल के माध्यम से सरकार का उद्देश्य न केवल उपज की गुणवत्ता और मात्रा को संरक्षित करना है, बल्कि किसानों को बाजारों तक अधिक कुशलता से पहुंचाने में सक्षम बनाना है, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व के परिणामस्वरूप



अगस्त 2024 तक योजना के लाभ के लिए पात्र 35,747 करोड़ रुपये सहित इस योजना के तहत स्वीकृत राशि 47,500 करोड़ रुपये को पार कर चुकी है और 30,000 करोड़ रुपये से अधिक का वितरण हो चुका है। उल्लेखनीय रूप से, स्वीकृत परियोजनाओं में से 54% योजनाएं किसानों, सहकारी समितियों, किसान उत्पादक संगठनों और स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई हैं, जो प्रधानमंत्री जी की प्राथमिकता के अनुरूप खेत-स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में किसानों की मजबूत भागीदारी को प्रदर्शित करती हैं।

कृषि उपज का फसलोपरत नुकसान का समाधान हो सके, इस दिशा में प्रधानमंत्री मोदी जी अत्यंत गंभीर हैं। उन्होंने भंडारण (ड्राई और कोल्ड), परिवहन आदि में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी है, ताकि किसानों को फसल नुकसान से बचाया जा सके। शुष्क भंडारण के संदर्भ में, खाद्यान्न उत्पादन की तुलना में भारत में 1740 लाख मीट्रिक टन क्षमता के स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है और वर्तमान में भारत में कुल अनाज उत्पादन की भंडारण क्षमता 44% है, जो बहुत ही कम है। इसी प्रकार बागवानी उत्पादों के लिए, भारत में लगभग 441.9 लाख मीट्रिक टन भंडारण की कोल्ड चैन क्षमता है जो देश में फलों और सब्जियों के उत्पादन का केवल 15.72% है। इन पूर्ण परियोजनाओं ने क्षेत्र की भंडारण क्षमता में लगभग 500 लाख मीट्रिक टन की वृद्धि की है। परिणामस्वरूप, नई शुष्क भंडारण सुविधाएं प्रति वर्ष 18.6 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न का संरक्षण कर रही हैं, जिससे लगभग 5,700 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। साथ ही, प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में उचित कोल्ड स्टोरेज सुविधाओं के विकास से बागवानी उत्पादों के नुकसान में 10% की कमी आई है, जिससे फसलोपरत 3.5 लाख मीट्रिक टन उपज सुरक्षित हो रही है और हर साल लगभग 1,250 करोड़ रुपये की बचत हो रही है। प्रधानमंत्री जी का कृषि क्षेत्र और किसानों के प्रति यह समर्पण न केवल उनके आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में है, बल्कि उनके जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में, एआईएफ से कृषि अवसंरचनाओं के विकास को नई गति मिली है। अगस्त 2024 तक, एआईएफ के तहत देश भर में एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर से संबंधित 74,695 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन इंफ्रास्ट्रक्चर में 18,508 कस्टम हायरिंग सेंटर, 16,238 प्राथमिक प्रसंस्करण

केंद्र, 13,702 गोदाम, 3,095 छंटाई और ग्रेडिंग इकाइयां, 1901 कोल्ड स्टोर और कोल्ड चैन और 21,251 अन्य प्रकार के एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। 74,695 परियोजनाओं की मंजूरी से कृषि क्षेत्र में कुल 78,702 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है, जो एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी जी ने न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्राथमिकता दी है, बल्कि युवाओं और किसानों के बीच उद्यमशीलता को भी प्रोत्साहित किया है, जिससे लगभग 50,000 नए कृषि उद्यम स्थापित हुए हैं। सरकार के प्रयासों से युवा भी कृषि की ओर आकर्षित हो रहे हैं, जो कि कृषि के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि से कम नहीं है। यह कदम किसानों को आत्मनिर्भर बनाने और कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इन प्रयासों ने 800,000 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित किए हैं, और भविष्य में यह संख्या और भी बढ़ेगी, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2.5 मिलियन नौकरियों का सृजन होगा। प्रधानमंत्री जी की कल्याणकारी नीतियों से किसानों की कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव आया है। खेत पर उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण से किसानों को सीधे व्यापक उपभोक्ता आधार को बेचने की सुविधा मिली है, जिससे मूल्य प्राप्ति में वृद्धि हुई है और उनकी समग्र आय में वृद्धि हुई है। आधुनिक पैकेजिंग और कोल्ड स्टोरेज सिस्टम के कारण किसान अपनी बाजार बिक्री को समबद्ध ढंग से अधिक रणनीतिक रूप से कर सकते हैं, जिससे बेहतर मूल्य प्राप्ति होती है। औसतन, इस इंफ्रास्ट्रक्चर ने किसानों को अपनी उपज के लिए 11-14% अधिक मूल्य प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी जी की नीतियां न केवल एग्रीकल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को प्रोत्साहित कर रही हैं, बल्कि ऋण जोखिम को भी कम कर रही हैं। क्रेडिट गारंटी समर्थन और ब्याज छूट के माध्यम से, ऋण देने वाली संस्थाएं न्यूनतम जोखिम के साथ ऋण दे सकती हैं, जिससे उनके ग्राहक आधार और पोर्टफोलियो डाइवर्सिफिकेशन का विस्तार करने में सहायता मिलती है। विशेष रूप से, इस फंड ने नाबाई की पुनर्वित्त सुविधा के साथ मिलकर एग्रीकल्चरल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण में शामिल प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) के लिए प्रभावशील ब्याज दर को घटाकर 1% कर दिया है। इससे इन पैक्स से जुड़े हजारों किसानों को महत्वपूर्ण लाभ हुआ है। आज तक, एआईएफ के तहत 2,970 करोड़ रुपये के ऋण के साथ 9,573 पैक्स परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें नाबाई से सैद्धांतिक मंजूरी भी शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, केंद्र सरकार ने महत्वाकांक्षी एग्री इंफ्रा फंड (एआईएफ) योजना में प्रगतिशील वृद्धि की एक श्रृंखला शुरू की है, जिससे यह अधिक समावेशी और काफी हद तक अधिक प्रभावी शाली बन गई है। सरकार का प्रयास है कि कृषि लाभ का धंधा बनें और किसानों की आय बढ़े, इसके लिए हमने छह स्त्रीय रणनीति बनाई है।

देश की बात

'वन नेशन वन इलेक्शन' आज के भारत की आवश्यकता

प्रवृत्तता प्राप्ति के पश्चात भारत में लोकसभा एवं विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही होते रहे हैं। परंतु केंद्र सरकार द्वारा कुछ विधानसभाओं को 1950 एवं 1960 के दशक में इनकी अर्थात् समाप्त होने के पूर्व ही भंग करने के चलते कुछ विधानसभाओं के चुनाव लोकसभा से अलग कराने की आवश्यकता पड़ी थी, उसके बाद से लोकसभा, विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं एवं स्थानीय स्तर पर नगर निगमों, निकायों एवं पंचायतों के चुनाव अलग-अलग समय पर कराए जाने लगे। आज स्थिति यह हो गई है कि लगभग प्रत्येक सप्ताह अथवा प्रत्येक माह भारत के किसी न किसी भाग में चुनाव हो रहे होते हैं। ऐसा कहा जा रहा है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रत्येक वर्ष केवल 65 दिन ऐसे रहे हैं जब भारत के किसी स्थान पर चुनाव नहीं हुए हैं। किसी भी देश में चुनाव कराए जाने पर न केवल धन खर्च होता है बल्कि जनबल का उपयोग भी करना पड़ता है। जनबल का यह उपयोग एक तरह से अनुपादक श्रम की श्रेणी में गिना जाना चाहिए क्योंकि इस प्रकार के श्रम से किसी प्रकार का उत्पादन तो होता नहीं है परंतु एक तरह से श्रमदान जरूर करना होता है। यह श्रम यदि बचाकर किसी उत्पादक कार्य में लगाया जाय तो केवल कल्पना ही की जा सकती है कि इस श्रम से देश के सकल घरेलू उत्पाद में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की जा सकती है। अमेरिकी थिंक टैंक के एक अर्थशास्त्री के अनुसार, देश में बार बार चुनाव कराए जाने के चलते उस देश का सकल घरेलू उत्पाद लगभग एक प्रतिशत से कम हो जाता है। चुनाव करने के लिए होने वाले खर्च पर भी यदि विचार किया जाय तो भारत में केवल लोकसभा चुनाव करने के लिए ही 60,000 करोड़ रुपये का खर्च किया जाता है। आप कल्पना कर सकते हैं कि इस राशि में यदि विभिन्न प्रदेशों की विधानसभाओं, नगर निगमों, निकायों एवं ग्राम पंचायतों के चुनाव पर किए जाने वाले खर्च को भी जोड़ा जाय तो खर्च का यह आंकड़ा निश्चित ही एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़ों को पार कर जाएगा। उक्त बातों के ध्यान में आने के पश्चात केंद्र सरकार ने विचार किया है कि भारत में 'वन नेशन वन इलेक्शन' के नियम को लागू किया जाना चाहिए। इस विचार को आगे बढ़ाने एवं इस संदर्भ में नियम आदि बनाने के उद्देश्य से भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी की अध्यक्षता में विशेष समिति का गठन किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट हाल ही में राष्ट्रपति/केंद्र सरकार को सौंप दी है। इसके बाद, केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल की समिति ने इस रिपोर्ट को स्वीकृत कर लिया है एवं इसे अब लोकसभा एवं राज्यसभा के सामने विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। (ये इनके निजी विचार हैं)

काव्य कोना
मिज्जता में समानता
नगण्य और अगण्य में अंतर जरूर है
गणना है मुश्किल, समानता रही है।
सागर और नदी के जल में अंतर जरूर है
बालू की मात्रा दोनों में अथाह है।
जंगल और घर की आग में अंतर बहुत है
दोनों की निर्यात है खाक कर देना सभी को।
रेत की दीवार और अंकार की प्रकृति अलग है
उहना, रूटना-टूट कर बिखरना दोनों में निहित है।
-नाग माणिक

मां की ताबीज
मैं नहीं जानता मां तुम्हारी इस ताबीज में क्या है!
इसके नापा नुकसान के बारे में भी नहीं जानता मैं न ही चाहता हूँ जानना बाबजूद मैं पहन रहा हूँ तुम्हारा दिया ताबीज इसलिए नहीं कि तुम्हें विरवाह है इसमें बल्कि इसलिए कि इस ताबीज पर टिका है तुम्हारा विश्वास है मैं ताबीज नहीं तुम्हारा विश्वास पहन रहा हूँ मां ! पहन रहा हूँ तुम्हारा विश्वास!!
अशोक सिंह

अलिंगन
निश्चय अलिंगन की चाह नहीं, पर ज्यों ज्यों तुझ संग नेह बढ़ी। अब लग भी जाओ सुन अंक सखे, प्रभु ने तुझको मेरे लिए गढ़ी। तुझे ही हिय ने बोले वयो पुन, क्या सोचा तुमने है कभी पीये। पुष्प तो बाग में कई हैं खिले, परिहार ही मात के शीघ्र चढ़ी। मेरी धमनी मेरी मांसो में, रचती बसती सदा तुम ही सखी। जब भी टुकटे आनी बंद करूँ, आँखों में छवि तेरी ही सखी। अपित कर लाहा है खुद को भी, तेरे नेह यज्ञ की वेदी पर। आ कर लेना अब तू बौहों में, निराण अलिंगन स्वीकार सखी।
सविता सिंह नीरा

फेसबुक वॉल से
#SaveOtcGround ओटीसी मैदान ब...
हेहल क्रिकेट अकादमी के खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावक के साथ संवाद करते हुए क्लब के मुख्य कोच एवं वरीय पदा...
Binod Bakshi and 3 others
Bappa Chakraborty · Follow
Nice!

रचना भेजिए
समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप 82925 534441 -संपादक

आज का दोहा
आंखों में पहचान है, बातों में अनजान।
चेहरे पर हैं तल्लियां, होठों पर मुसकान।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

आपकी बात
श्राद्ध, श्रद्धेय और श्रद्धा सुमन

श्राद्ध कर्म का वर्णन हमारे धर्म ग्रंथों में वर्णित है। सर्व पितृ अमावस्या के दिन श्राद्ध का समापन होने जा रहा है। श्राद्ध में निहित श्रद्धा ही हमें श्रद्धा सुमन अर्पित करने की ओर प्रेरित करती है। श्राद्ध के द्वारा हमारे पितृ प्रसन्न होते हैं। आज जीवन में जो शायद प्रसन्नता के सुन्दर रंग हमें चहुँ ओर बिखरे दिखाई देते हैं, वह हमारे पिछले जन्म की मेहनत एवं आशीष का ही परिणाम है। उनके पुण्य प्रताप से ही हमें यह स्वस्थ काया एवं पुष्पित-पल्लवित मोया प्राप्त हुई है। प्रत्येक प्राणी मृत्यु से भयभीत होता है, परन्तु सृष्टि के संतुलन के लिए जन्म और मृत्यु दोनों ही आवश्यक हैं और यदि मृत्यु न हो तो बस एक का ही साम्राज्य हो जाएगा। मृत्यु ही तो हमें अंत में पीड़ा से मुक्ति प्रदान कर प्रभु के धाम में ले जा सकती है, परन्तु मृत्यु का सत्य कड़वा है। जिसे स्मृति पटल में रखना अत्यंत आवश्यक है। मृत्यु चिंता का विषय नहीं अपितु जीवन के प्रत्येक क्षण को उत्सव बनाना का विषय है और इस जीवन रूपी उत्सव में प्रभु के नाम का स्मरण ही हमें मुक्ति का मार्ग दिख सकता है। आने वाले समय में हमारी पीढ़ी श्राद्ध करेगी या नहीं, यह निश्चित नहीं है, परन्तु हम जीवित रहते हुए ही प्रभु के प्रति श्रद्धा से स्व-उद्धार का मार्ग खोज सकते हैं। धुंधुकारी ही हमें मुक्ति का मार्ग दिख नहीं थे पर श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण के पुण्य से ही उसे मुक्ति प्राप्त हो गई थी, तो आज हमारे पास उन्नत टेक्नोलॉजी एवं अनेक संसाधन उपलब्ध हैं। हमें अत्यधिक यह नहीं करना है अपने उद्धार के लिए। हम अपना कार्य सम्पन्न करके-करते भी प्रभु के नाम का श्रवण, कीर्तन, वाचन कर सकते हैं। टीवी हो या इंटरनेट की सुविधा, हम अपनी इच्छा के अनुरूप कथा का श्रवण कर सकते हैं। समय की उपलब्धता के अनुसार हम अपने संशय की निवृत्ति वेद, शास्त्रों, ग्रंथों के अध्ययन द्वारा भी कर सकते हैं। श्रवण, वाचन, ध्यान इन सभी के लिए सर्व-सुलभ साधन उपलब्ध हैं और कलयुग में मोक्ष प्राप्ति

का साधन प्रभु का नाम जप ही बताया गया है। कथा श्रवण के कारण ही हनुमानजी ने श्रीराम जी के साथ वैकुंठ जाना स्वीकार नहीं किया, अपितु पृथ्वी पर रहकर ही प्रभु के नाम की अनवरत वर्षा में भाव-भिभोर होने का निर्णय किया क्योंकि वे ईश्वर के नाम की महिमा को भली-भाँति समझते हैं। आज तीर्थ यात्रा की सुलभता बढ़ गई है। किसी भी स्तुति का गायन, वाचन, श्रवण हम आसानी से कर सकते हैं। प्रत्येक कथा अलग-अलग साधु-संतों के द्वारा समय की उपलब्धता के अनुसार सुनी जा सकती है, पर फिर भी हम सदैव आने वाले कल की प्रतीक्षा करते हैं। हमें इस मृत्यु लोक में रहते हुए ही प्रभु की आराधना द्वारा अपने कल्याण का मार्ग तय करना है। परिवर्तित परिवेश और परिस्थितियों के अनुरूप हमें स्वयं ही अपने कल्याण का मार्ग निश्चित करना होगा। जब हमारी मृत्यु होती है तब हमें 'राम नाम सत्य है', इस कथन को जन मानस सुनाते हैं और उस समय इस सत्य को समझने योग्य हम नहीं रह पाते। हम इस नश्वर शरीर और संसार की माया हो ही सत्य मानते हैं और उसी में ही लिप्त रहते हैं, पर सृष्टि के सृजनकर्ता एवं पालनकर्ता उनकी लीला और उनके अस्तित्व की महिमा की ओर हमारा ध्यान केंद्रित नहीं होता है। हमारे धर्म ग्रंथों में कहा गया है कि यदि मरते समय प्राणी को ईश्वर का स्मरण हो जाए तो उसे मोक्ष प्राप्त हो जाता है, परन्तु हमारा सामाजिक परिवेश हमें परिचरजन और रिश्तेदारों में ही उलझाए रखता है। हम मोह-माया के जाल से छूट नहीं पाते हैं। हमारे बुजुर्ग तो इसलिए परिवार के सदस्यों की नाम ही भगवान के नाम पर रखते थे, जिससे प्रतिक्षण एवं अंत समय में भी प्रभु का ही स्मरण होता रहे। हमारे धर्म ग्रंथों में पितरों के उद्धार के लिए पिण्ड-दान, तर्पण इत्यादि विधियों का उल्लेख मिलता है, पर क्यों हम स्वयं के उद्धार के चिंतनीय विषय पर नहीं सोचते। श्राद्ध में निहित श्रद्धा ही हमें अपने पूर्वजों के प्रति कुशलता के भाव का बोध कराती है। आइये हम सब इस श्राद्ध में जिन श्रद्धेय पूर्वजों ने हमें असीम प्यार, रस प्रदान किया एवं हमें आशीष देते हुए इस संसार से विदा प्राप्त की उनके प्रति हृदय से श्रद्धा सुमन अर्पित करें। (ये इनके निजी विचार हैं)

बोधि वृक्ष
यह योगियों को प्राचीनकाल से ज्ञात था। उसकी खद्यं में कोई भी पीठवर्तन करना चाहते हैं, तो आपको अपने विचार की उस प्रक्रिया को अवश्य बदलना चाहिए, जो कि पदार्थ और क्रिया के भिन्न रूपों में घेतना को नृरुद्ध देने का कारण बनती है। आने जीवन का पुनर्निर्माण करने की यही विधि है, एक मात्र विधि। अपने भीतर झाँके और अपने प्रमुख स्वभावों को जानें।

अपने भीतर से सर्वश्रेष्ठ को व्यक्त करना
व्यक्ति की वर्तमान स्थिति चाहे कैसी भी हो, वह आत्म-संयम, अनुशासन, तथा आहार एवं स्वास्थ्य के उचित नियमों का पालन करते हुए अच्छा बनने के लिए परिवर्तन ला सकता है। आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि आप बदल नहीं सकते? मानसिक आलस्य सभी कमजोरियों का गुण कारण है। प्रत्येक व्यक्ति में स्वयं को सीमित करने वाली भावनाएँ होती हैं। इनको आपके स्वभाव में ईश्वर ने नहीं डाला था, अपितु आपने ही इनकी रचना की थी। यह स्मरण रखते हुए कि आपके स्वभाव की ये विशिष्ट आदतें आपके अपने विचारों की अभिव्यक्ति के अतिरिक्त और कुछ नहीं हैं, आपको इनमें अवश्य बदल देना चाहिए। मूल अर्थ में, सभी वस्तुएँ विशुद्ध चेतना की बनी हुई हैं, इनका सीमित आकार चेतना की संपेक्षा का परिणाम है। अतः यदि आप योग सिखाता है कि सृष्टि की मौलिक संरचना ईश्वर का विचार है। जिस प्रकार भाप घनीभूत होकर पानी, तथा फिर और अधिक घनीभूत होने पर बर्फ बन जाती है, उसी प्रकार ऊर्जा और जड़ पदार्थ के समस्त रूप और प्रतिरूप चेतना की घनीभूत अवस्थाएँ हैं। जो योगियों को प्राचीनकाल से ज्ञात था। उसकी स्वयं में कोई भी परिवर्तन करना चाहते हैं, तो आपको अपने विचार को उस प्रक्रिया को अवश्य बदलना चाहिए, जो कि पदार्थ और क्रिया के भिन्न रूपों में चेतना को मूर्तरूप देने का कारण बनती है। अपने जीवन का पुनर्निर्माण करने की यही विधि है, एक मात्र विधि। अपने भीतर झाँके और अपने प्रमुख स्वभावों को जानें। आपमें जो अच्छा है उसे परिवर्तित करने की चेष्टा न करें। किन्तु जो कार्य आप अपनी इच्छा के विरुद्ध भी करते हैं, और जो आपको दुःख ही प्रदान करते हैं, आपको उनसे पीछा छुड़ाना होगा। कैसे? रात को सोने से पहले और सुबह उठने के साथ ही इस प्रतिज्ञापन को पूरे विश्वास के साथ दोहराएँ, रमैं बदल सकता हूँ। (क्रमशः)

X से
Baliyan @Baliyan_x_1d
भारत का मीडिया कुछ TRP के लिए अपने स्टूडियो में मुर्गा की लड़ाई तक दिखाने को तैयार रहता है, सारा दिन हू हा के अलावा कुछ नहीं।
उधर अमेरिकन मीडिया दुनिया को बता रहा है कि-
वर्ल्ड में भारत सुपरपावर बनने के कितने करीब है, कितनी तेजी से भारत दुनिया में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है।
Show more

भारत में बढ़ रही बुजुर्गों की आबादी



संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) और भारत इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पापुलेशन साइंसेज द्वारा जारी इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार भारत में बुजुर्गों की आबादी तेजी से बढ़ रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2050 तक हर पांच में से एक व्यक्ति वृद्ध होगा। इस सदी के अंत तक भारत की कुल आबादी में 36 प्रतिशत वृद्ध होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, देश में बुजुर्गों की आबादी बढ़ने का सिलसिला वर्ष 2010 से शुरू हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में वृद्ध पुरुषों के मुकाबले

वृद्ध महिलाओं की जनसंख्या ज्यादा होगी। 2031 तक 60 से अधिक उम्र की आबादी में 1000 पुरुषों पर 1078 महिलाएं होंगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल भारत में ही नहीं, पूरी दुनिया में वृद्धों की आबादी बढ़ रही है। वर्ष 2022 में विश्व की 7.9 अरब आबादी में बुजुर्गों की आबादी 1.1 अरब थी (60 वर्ष से अधिक उम्र के), जो विश्व की आबादी का 13.9 प्रतिशत है। वहीं, वर्ष 2050 में वैश्विक आबादी में बुजुर्गों की संख्या 2.2 अरब हो जाएगी। यह उस समय की आबादी का 22 प्रतिशत होगा।

झारखंड देश का चौथा सबसे युवा राज्य

बुजुर्गों के राष्ट्रीय औसत से कम जनसंख्या वाले 11 राज्य हैं। झारखंड 8.4 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी के साथ चौथे स्थान पर है। 7.7 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी के साथ बिहार देश का सबसे युवा राज्य है। 8.1 प्रतिशत बुजुर्ग जनसंख्या के साथ उत्तर प्रदेश दूसरा सबसे युवा राज्य है। असम 8.2 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी के साथ तीसरे स्थान पर है। राजस्थान और मध्य प्रदेश 8.5 प्रतिशत बुजुर्ग आबादी के साथ पांचवें स्थान पर हैं।

केरल सबसे बुजुर्ग राज्य

केरल 60 पर उम्र की 16.5 प्रतिशत आबादी के साथ सबसे बुजुर्ग राज्य है। सबसे बुजुर्ग पांच राज्यों में तमिलनाडु, केरल व ओंध प्रदेश दक्षिण भारत से हैं, जबकि हिमाचल और पंजाब उत्तर भारत से हैं।

भारत में बुजुर्ग आबादी

2011 में भारत में 60 साल से ज्यादा उम्र के 10.4 करोड़ लोग थे। यह कुल आबादी का 8.6 प्रतिशत था।

2024 में एक अनुमान के अनुसार बुजुर्गों की आबादी करीब 15 करोड़ है। यह कुल आबादी का 10.6 प्रतिशत है।

2050 तक भारत में बुजुर्गों की आबादी 34.7 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। तब जनसंख्या में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 20.8 प्रतिशत हो जाएगी।

(इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार)

भारत में इस कारण से बढ़ी वृद्धों की संख्या

1. प्रजनन दर में कमी
2. मृत्यु दर में कमी
3. उत्तरजीविता में वृद्धि



सबसे बुजुर्ग लोगों की आबादी वाले प्रमुख देश

1. जापान
2. इटली
3. फिनलैंड
4. प्यूर्टो रिको
5. पुर्तगाल
6. ग्रीस
7. जर्मनी
8. क्रोएशिया

भारत में वृद्ध जनसंख्या के तीन महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक पहलू

1. भारत में वृद्ध पुरुषों के मुकाबले वृद्ध महिलाओं की संख्या ज्यादा होगी।

2. ग्रामीण पृष्ठभूमि के बुजुर्गों की तादाद ज्यादा होगी।

3. 80 से ज्यादा उम्र के वृद्धों की संख्या में तेजी से वृद्धि होगी।



वृद्धावस्था में देखभाल से जुड़े कुछ कानून और नीतियां

- ▶ यह कानून 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों और उनके परिवार, दोस्तों, और देखभाल करने वालों से जुड़े कानूनी और व्यावहारिक मुद्दों को कवर करता है।
- ▶ एमडब्ल्यूपी अधिनियम, 2007
- ▶ यह अधिनियम मानसिक बीमारी से पीड़ित वृद्धों के लिए स्वास्थ्य देखभाल, आश्रय, और अन्य सुविधाओं का प्रावधान करता है।
- ▶ दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016
- ▶ यह अधिनियम मानसिक बीमारी से पीड़ित वृद्धों की देखभाल को समर्थन देता है।
- ▶ हिंदू विवाह एवं दत्तक ग्रहण अधिनियम, 1956
- ▶ इस अधिनियम की धारा 20 के मुताबिक, वृद्ध माता-पिता के भरण-पोषण का प्रावधान है।
- ▶ दंड प्रक्रिया संहिता (CrPC) की धारा 125
- ▶ इसके तहत, वृद्ध माता-पिता अपने बच्चों से भरण-पोषण का दावा कर सकते हैं।

जीवेम शरद: शतम, पश्येम शरद: शतम।

त्रिभुवन कुमार सिन्हा

भारत में वैदिक काल से 100 वर्ष तक उम्र होने का आशीर्वाद देने की परंपरा है। वेदों में कहा गया है-

- जीवेम शरद: शतम।**
पश्येम शरद: शतम।
बुध्येम शरद: शतम।
रोहेम शरद: शतम।

अर्थात्, सौ वर्ष तक जीवित रहें। सौ वर्षों तक देखते रहें। सौ वर्ष तक बुद्धि युक्त रहें। सौ वर्ष तक वृद्धि करते रहें। भारत में प्राचीन काल से बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है। वृद्धों का पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लेने की परंपरा है। वृद्धों का सम्मान करना भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। वैसे, पश्चिमी संस्कृति के संपर्क में आने से इसमें अब क्षरण हुआ है।

औद्योगीकरण से छोटे परिवार की स्थिति बनी और अपने जन्म स्थान से दूर रहने के कारण भी बुजुर्गों से दूरी बन गई। लेकिन, बुजुर्गों के संपर्क के माध्यम से ही हम अपनी संस्कृति और सभ्यता को बचा सकते हैं।

संयुक्त परिवार के छिन्न-भिन्न होने और सामाजिक ताने-बाने में क्षरण से आज बुजुर्ग, खासकर महानगरों में अकेले पड़ते जा रहे हैं। वे उपेक्षित हो चले हैं। यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि यह कमजोर हो रहे पारिवारिक ढांचे की ओर संकेत करता है। और, जब परिवार कमजोर होता है, तो समाज कमजोर हो जाता है। कमजोर समाज के सदस्य न केवल स्वकेंद्रित हो जाते हैं, बल्कि विदेशी सभ्यता और संस्कृति को भी अपनाते जाते हैं। और, फिर धीरे-धीरे देश कमजोर हो जाता है। देश की सभ्यता-संस्कृति नष्ट हो जाती है।





फोटो : राहुल कुमार

देश का इकलौता मंदिर जहां माता अंजनी की गोद में विराजमान हैं बाल हनुमान

झारखंड के गुमला जिले से 21 किलोमीटर दूर आंजन धाम हिंदू धर्मावलंबियों के लिए आस्था का केंद्र है। घने जंगल व पहाड़ इस क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाते हैं। भगवान हनुमान का जन्म यहां होने के कारण यह विश्व विख्यात है। यहां माता अंजनी के गर्भ से भगवान हनुमान का जन्म हुआ था। इस वजह से इसको ख्याति दूर-दूर तक है। यहां देखने के लिए कई प्राचीन धरोहर हैं। पहाड़ की चोटी पर भगवान हनुमान का मंदिर है। यह पूरे देश में पहला मंदिर है, जहां माता अंजनी की गोद में भगवान हनुमान बैठे हुए हैं। यहां की हसीन वादियां दिल को रोमांचित करती हैं। इस क्षेत्र के लोग आज भी खुद को हनुमान का वंशज मानते हैं। यह ऋषि-मुनियों की तपोभूमि भी रही है। पहाड़ पर स्थित मुख्य मंदिर पर चढ़ने से आसपास के गांवों का नजारा काफी सुंदर दिखता है।

आंजन धाम मंदिर का इतिहास

इतिहासकारों का माने तो आंजन धाम गुमला जिला का एक छोटे से गांव अंजनगांव में स्थित है जिसे अब बदलकर आंजन धाम कर दिया गया है यदि आप धार्मिक दृष्टिकोण से देखते हैं तो एक बहुत बड़ा महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि यहां पर माता अंजनी ने हनुमान जी को जन्म दिया कहा यह भी जाता है कि पूर्ववंशी राजा भगवान राम के सेवा करने वाले श्री राम भक्त हनुमान जी का जन्मस्थान यहीं पर है यहां के पुजारी से जब और इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि रामायण काल में माता अंजनी इसी गुफा में रहती थी और प्रतिदिन भगवान शिव की पूजा पाठ किया करती थी। इसी कारण से यहां से 360 शिवलिंग स्थापित थे परंतु आज वर्तमान में शिव लिंग नहीं है यह सच की बात थी, प्राचीन काव्य के अनुसार जब यहां का स्थानीय लोग को पता चला यहां शिवलिंग स्थापित है तो वह अपने पूजा पाठ करने के चक्कर में यहां पर एक बली देने की कोशिश किए जिससे माता अंजनी क्रोधित होकर इस गुफा में अपने आप को बंद कर ली और हमेशा के लिए अदृश्य हो गई इस तरह से यह गुफा बंद हो गया और यह एक रहस्यमयी गुफा बन गया।

यहां है इसका महत्व

अंजन धाम का महत्व का बात करें तो हर साल रामनवमी और महावीर जयंती में बहुत अधिक भीड़ होती है लोग दूर-दूर से यहां पूजा पाठ एवं धार्मिक स्थल को देखने के लिए आते हैं और दर्शन करके जाते हैं ई का जन्म स्थान होने के चलते भी या अपने आप में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है क्योंकि लोगों को एक जिज्ञासा रहती है कि आखिर हनुमान जी का जन्म कैसे हुआ इसके पीछे क्या था इस तरह से जानकारी के लिए लोग यहां पर आते हैं और यहां से जानकारी इकट्ठा करके जाते हैं गुमला से 20 किलो मीटर में स्थित अल्लंल्ल कैटलरिज जो टोटो गाँव से 12 किलो मीटर पश्चिम में है मंदिर जाने के लिए टोटो से आपको ऑटो भी मिल जाता है परन्तु आपको ऑटो को बुक करना पड़ता है चुकी वंहा जाने के लिए समय से ऑटो मिलता है इसलिए बुक करना पड़ता है।

यहां माता अंजनी की गोद में बाल रूप में वीर हनुमान बैठे हुए हैं

जी हां दोस्तों आंजन धाम भारत का एकमात्र ऐसा मंदिर है इस मंदिर में माता अंजनी की गोद में वीर हनुमान विराजमान है और यह एकमात्र मंदिर है जिसमें माता अंजनी के गोद में हनुमान जी बैठे हुए हैं आपको और भारत के किसी भी अन्य जगह माता अंजनी के गोद में हनुमान जी बैठे हुए नहीं आयेगे या एकमात्र ऐसा मंदिर है जहां पर यह दृश्य आपको देखने को मिलता है।

आप आंजन धाम मंदिर कैसे जा सकते हैं

यदि आप झारखंड से हैं तो आप बस ट्रेन या खुद की गाड़ी से भी आंजन धाम मंदिर आ सकते हैं राजधानी रांची से 115 किलोमीटर की दूरी पर स्थित अंजन धाम मंदिर स्थित है यदि आप ट्रेन से आते हैं तो आपको गुमला से नजदीकी ट्रेन स्टेशन लोहरदगा और रांची पड़ता है प्रंतु यदि अब बस के सफर से आते हैं तो आपको बहुत आसानी से बस आपको आंजन धाम जाने वाली टोटो मोड़ पे उतार देगी और वहाँ से आप ऑटो करके अंजन धाम जा सकते है।



माता अंजनी की

गोद में विराजमान हैं भगवान हनुमान

आंजन धाम मंदिर क्यों प्रसिद्ध है?

धार्मिक एवं पुरातात्विक इतिहासकारों का माने तो अंजन गांव के समीप एक छोटे से टेकरी जिसको वर्तमान में आंजन धाम के नाम से जानते हैं मान्यता यह है हनुमान जी का जन्म इसी टेकरी के एक गुफा में हुआ है माता अंजनी गुफा भी कहा जाता है और ये टोटो गांव से 12 किलोमीटर पश्चिम में मौजूद है। हनुमान जी का जन्म होने की वजह से ये स्थान धार्मिक दृष्टिकोण से काफी महत्व रखता है और ये इसी वजह से प्रसिद्ध है।



मंदिर जाने का मार्ग



मंदिर का द्वार



गुफा



मंदिर के ऊपर का नजारा



टांगीनाथ

टांगीनाथ एक जगह है जिसमें मध्यकालीन युग के प्राचीन युग के बाद से इसकी गोद में कई स्थापत्य कार्य हैं। यह छिपी नहीं है लेकिन ऐसा लगता है कि भारत के पुरातात्विक समाज की आंखों से वंचित है। यह पुरातात्विक महत्व का एक महत्वपूर्ण स्थान है और इसे अनुसंधान के विषय में लाया जाना चाहिए। यह शिवअस्थली के रूप में प्रसिद्ध है और गुमला जिले के दुमरी ब्लॉक में झूट के लोहे के टांगीनाथ के महान त्रिशूल के लिए प्रसिद्ध है। यह गुमला मुख्यालय से लगभग 50 किमी दूर और दुमरी से 8 किमी दूर है। एक आसानी से दुमरी तक पहुंचा जा सकता है लेकिन बाद में पथ आसान नहीं है। दुमरी और टांगीनाथ के बीच में कई बुक और बुकलेट हैं जो बरसात के मौसम में पानी से भर जाते हैं और पथ को मुश्किल बनाते हैं। टांगीनाथ पहाड़ पर लगभग 300 फीट ऊंचे स्थान पर स्थित है। बारिश के बाद कोई भी बिना किसी कठिनाई के यहां पहुंच सकता है।

जंगल, नदी एवं पहाड़ के अद्भुत सुरम्य संगम के अस्तित्व में आया मनोहारी दृश्य जब सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हो तो समझ जाइये आप बाघमुंडा की हसीन वादियों की गोद में है। बेखोफ हो कर दक्षिण कोयल नदी की इतराती धारा को अपने में समेटते जब पत्थरों के विशाल ढेर के बीच सात धाराओं में परिवर्तित करते तीन दिशाओं में बहने को मजबूर करता यह पिकनिक स्पॉट वाकई किसी को भी मंत्रमुग्ध करने की क्षमता रखता है। यह एक बड़ा कारण है कि गर्म, सर्दी और बरसात में से मौसम कोई भी हो। यहां सालों भर सैलानियों के तांता लगा रहता है। जबकि यह पिकनिक स्पॉट भौतिक सुख सुविधाओं की दृष्टि से यहां कुछ भी उपलब्ध कराने की स्थिति में नहीं है। इसके बावजूद यहां बड़ी संख्या में सैलानियों को अपनी ओर आकर्षित करता अपनी नैसर्गिक के कारण यूं ही यह सबकुछ उपलब्ध करा जाता है।



बाघमुंडा

बाघमुंडा



महासदाशिव मंदिर

गुमला जिले के इस सबसे भव्य महासदाशिव मंदिर इसकी ऊँचाई 85 फीट है एवं लगभग 2 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। इसकी वास्तुकला मूलतः उत्कल कला संस्कृति से ओतप्रोत है। इस मंदिर में मुख्य आराध्यदेव महासदाशिव के अतिरिक्त 84 अन्य काले पत्थर से बने देवी देवता की विराजमान हैं। परन्तु इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें मुख्य आराध्यदेव शिव अपने अनूठे विराट स्वरूप महासदाशिव के रूप में प्रतिष्ठित हैं। शिव के महासदाशिव स्वरूप का परिचय जैसा कि हमें ज्ञात है सनातन धर्म में 18 पुराण हैं, इनमें 10 पुराणों में शिव जी का वर्णन है, अन्य धर्म ग्रंथों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि शिव के 19 अवतारों में अनगिनत रूप हैं जिसमें समस्त प्रकार के मानविक गुणों जैसे, हर्ष-विषाद, क्षमा-क्रोध आदि के दर्शन समय-समय पर होते रहे हैं। शिव में 108 नाम हैं मगर कुछ लोग 160 नाम भी मानते हैं। परन्तु शिव के मुख्यतः तीन स्वरूप हैं-शिव, सदाशिव एवं महासदाशिव।

लेटेस्ट प्रतियोगी परीक्षा के लिए इतिहास काफी अहम विषय रहा है। इसलिए इतिहास से जुड़ी इन बातों को जानना जरूर है। झारखंड के गुमला जिला अंतर्गत सिसई प्रखंड में स्थित नवरत्न गढ़ में चल रही पुरातात्विक खुदाई में अद्भुत स्थापत्य वाले भूमिगत महलों की संरचनाएं मिल रही हैं। यहां अब तक प्राप्त हुए अति प्राचीन अवशेषों से 16वीं-17वीं शताब्दी के कालखंड का ऐसा इतिहास सामने आ रहा है, जो वक्त के थपड़ों के साथ जमींदोज हो गया था। बीते हफ्ते यहां जमीन के नीचे एक खुफिया दरवाजा मिला है। अभी दरवाजे का आधा हिस्सा नजर आया है। संभावना जताई जा रही है कि यह दरवाजा किसी सुरंग का हिस्सा रहा होगा। भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग यहां खुदाई के परिणामों से बेहद उत्साहित है। नवरत्नगढ़ को वर्ष 2009 में ही राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर घोषित किया जा चुका है और अब यह स्थान स्थानीय पर्यटकों, पुरातत्वविदों एवं इतिहासकारों के लिए कौतूहल और जिज्ञासा का केंद्र बन गया है।



नवरत्नगढ़

नवरत्नगढ़



हापामुनी

हापामुनी

जनजातीय बहुल क्षेत्र में शक्ति की उपासना 900 वर्षों से की जा रही है। घाघरा प्रखंड मुख्यालय से 12 किलोमीटर की दूरी हापामुनी गांव का महामाया मंदिर आस्था का केन्द्र बना हुआ है। ऐसा माना जाता है कि महामाया मंदिर में जिस भाव से पूजा की जाती है वही भाव भक्तों को वरदान के रूप में मिलता है। यही कारण है कि काफी दूर-दूर से और दूसरे राज्यों से भी माता के भक्त यहां अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए पूजा करने आते हैं। यहां ब्राह्मणों द्वारा विधि विधान से पूजा कराई जाती है। मंदिर के इतिहास के बारे में यहां के प्रबुद्ध जन बताते हैं कि 1100 साल पहले महामाया मंदिर की स्थापना हुई थी। मां महामाया की मूर्ति स्थापित की गई थी। ऐसी मान्यता है कि मां की मूर्ति टंक कर रखी जाती है। खुले आंखों से मां की मूर्ति देखने पर आंखों की रोशनी चली जाती है। इस मंदिर के पुजारी जब मां का वस्त्र बदलते हैं तो आंखों पर काली पटी बांध लेते हैं।

झारखंड के गुमला जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलो मीटर की दूरी पर गुमला रांची मुख्य पथ यानी नेशनल हाईवे 43 पर दक्षिण कोयल नदी पर स्थित है नागफेनी जलप्रपात। यहां की अद्भुत प्राकृतिक छटा, कोयल नदी की कल कल करती धारा लोगों को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करती है। नागफेनी में कोयल नदी के तट पर भगवान जगरनाथ, भाई बलभद्र एवं बहन सुभद्रा की मूर्तियों से सज्जत प्राचीन मंदिर स्थित हैं। जहां प्रत्येक वर्ष मकर संक्राति एवं रथयात्रा में भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। नववर्ष के मौके पर यहां हजारों की संख्या में लोग पिकनिक मनाने आते हैं। यहां कोयल नदी के बीच स्थित नुकीले वह ऊंचे पहाड़ की अद्भुत प्राकृतिक छटा काफी सुंदर है। अपने अंदर कई इतिहासिक वह धार्मिक धरोहर समेटे हुए हैं। नागफेनी गुमला जिला के प्रमुख दर्शनीय स्थल में एक है। नागफेनी में कोयल नदी का धारा पर खड़े हजारों चिकने पत्थर के बीच बहती धारा से बना जलप्रपात है।

नागफेनी



नागफेनी

जर्मनी, रूस, नाइजीरिया से पिंडदान करने गया पहुंचे विदेशी

एजेंसी

गया। बिहार के गया में विश्व पितृपक्ष मेला 2024 चल रहा है। यहां पर पितरों को मोक्ष दिलाने के लिए देसी ही नहीं, विदेशी भी पहुंच रहे हैं। जर्मनी, रूस, नाइजीरिया सहित कई अन्य देशों के लोग यहां आए हुए हैं। यहां आकर उन्होंने सनातन धर्म के अनुसार, अपने पूर्वजों का पिंडदान किया। इनमें कई ईसाई और मुस्लिम हैं, लेकिन सनातन धर्म से प्रभावित होकर वे पिंडदान कर रहे हैं। देव घाट पर विभिन्न देशों से आई विदेशी महिला तीर्थ यात्रियों ने पिंडदान किया। विदेशी महिलाएं भी भारतीय परिधानों में थीं। पुरुषों ने धोती पहना हुआ था। इन्हें देखकर लग नहीं रहा था कि वे विदेशी हैं। गया में पूर्वजों को पिंडदान कर सभी बेहद प्रसन्न नजर आए। स्थानीय पुरोहित लोकनाथ गौड़ ने कहा कि करीब 15 विदेशी तीर्थयात्री यहां पहुंचे हैं। देव घाट पर सभी ने पितरों का पिंडदान किया है। इन लोगों ने सनातन धर्म में विश्वास जताते हुए पिंडदान कर्मकांड किया है। कई लोगों ने अपने माता-पिता, तो कई ने बेटे और पत्नी को लेकर पिंडदान किया। सनातन धर्म में इनका विश्वास बढ़ा है।

यही वजह है कि इन लोगों ने पितृपक्ष मेला के दौरान पिंडदान किया है। नाइजीरिया के विष्णु ने बताया कि पिंडदान करने के लिए वह गया पहुंचे हैं। उनके साथ और भी कई मित्र आए हुए हैं। गया के पिंडदान के बारे में उन्होंने सुना था। ऐसी मान्यता है कि यहां पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और इसी सोच के साथ वह गया पहुंचे हैं। गया में 17 सितंबर से पितृपक्ष मेला आयोजित किया जा रहा है। यह मेला 2 अक्टूबर तक चलेगा। यहां देशभर से लोग अपने पितरों को पिंडदान करने के लिए पहुंच रहे हैं। एक आंकड़े के अनुसार, इस बार यहां पर करीब आठ लाख से ज्यादा लोग पहुंचे हैं।



पूर्व केंद्रीय मंत्री वीके सिंह ने दर्ज कराई एफआईआर, पत्रकार पर लगाया छवि खराब करने का आरोप

गाजियाबाद। पूर्व सेना प्रमुख एवं पूर्व सांसद जनरल वीके सिंह ने गाजियाबाद के कविनगर थाने में एक निजी न्यूज पोर्टल के रिपोर्टर/एडिटर इन चीफ और एक शिक्षाविद के खिलाफ अपनी छवि धूमिल करने के लिए एफआईआर दर्ज करवाई है। पुलिस को दी गई एफआईआर में जनरल वीके सिंह की तरफ से पोर्टल का नाम एबीवी न्यूज चैनल बताया गया है। उनकी इस एफआईआर में चैनल के रिपोर्टर और एडिटर इन चीफ रण सिंह और लोहा व्यापारी एवं शिक्षाविद आनंद प्रकाश पर उनके खिलाफ निराधार, भ्रामक, तथ्यहीन खबरें चलाकर, उन्हें मानसिक व शारीरिक पीड़ा पहुंचाने की बात कही गई है। उनकी एफआईआर में यह भी बताया गया है कि जो भी खबरें चैनल ने उनके खिलाफ चलाई हैं, वह बिना किसी सबूत, वीडियो और दस्तावेज के उनकी छवि को धूमिल करने के लिए यूट्यूब पर प्रसारित की गई हैं। साथ ही पूरे यूट्यूब वीडियो में कहीं भी उनके खिलाफ कोई भी दस्तावेज, सबूत नहीं दिखाया गया है।

दिल्ली में छह दिनों के लिए धारा 163 लागू, पुलिस ने जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में छह दिनों के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू कर दी गई है। पहले इसे धारा 144 के नाम से जाना जाता था। दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में नोटिस भी जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि दिल्ली की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था संवेदनशील बनी हुई है, जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है। दिल्ली पुलिस ने अपने नोटिस में कहा है कि धारा 163 लागू होने के बाद दिल्ली में किसी भी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की मनाही रहेगी। कई संगठनों ने अक्टूबर के पहले सप्ताह में दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया है, जिसे देखते हुए यह कदम उठाया गया है। नोटिस में कहा गया है कि वक्फ संशोधन अधिनियम, शाही इंदगाह, एमसीडी स्थायी समिति चुनाव जैसे मुद्दों को लेकर दिल्ली में सुरक्षा के मोर्चे पर स्थिति नाजुक बनी हुई है। इसके अलावा, डुसू के नतीजों की घोषणा भी लंबित है। ऐसे में दिल्ली में सुरक्षा-व्यवस्था में खलल पड़ने की संभावना है, जिसे देखते हुए पुलिस ने कदम कस ली है। नोटिस में कहा गया है कि दो अक्टूबर गांधी जयंती के दिन नई दिल्ली और सेंट्रल जिले में वीआईपी लोगों की आवाजाही रहेगी।

आज से बदलने वाले हैं कई नियम

सीएनजी-पीएनजी व एलपीजी की कीमतों में बड़ा बदलाव संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। सितंबर का महीना सोमवार को खत्म हो जाएगा और मंगलवार से अक्टूबर का आगाज हो जाएगा। एक अक्टूबर से कई नियमों में बदलाव होने वाला है। ऐसे में इन नियमों में होने वाले बदलाव के बारे में आपको जान लेना चाहिए कि आखिर एक अक्टूबर से क्या नए बदलाव होने जा रहे हैं। दरअसल, एक अक्टूबर से सुकन्या समृद्धि योजना, आधार कार्ड, सीएनजी-पीएनजी के दाम, एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड और एलपीजी की कीमतों में बड़ा बदलाव होने वाला है।



सुकन्या समृद्धि योजना : सुकन्या समृद्धि योजना में एक अक्टूबर से बेटियों के कानूनी अभिभावक ही, उनके खातों का संचालन कर सकेंगे। नए नियम के मुताबिक, अगर किसी शख्स द्वारा बेटों का सुकन्या समृद्धि योजना खाता खोला गया है और वह कानूनी तौर पर उसका अभिभावक नहीं है, ऐसे में उन्हें यह अकाउंट बेटों के कानूनी अभिभावक या माता-पिता को ट्रांसफर करना होगा।

एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड : एचडीएफसी के क्रेडिट कार्ड में भी एक अक्टूबर से नए नियम लागू

होंगे। अगर आप एचडीएफसी बैंक का क्रेडिट कार्ड चलाते हैं, तो स्मार्टबाय प्लेटफॉर्म पर एप्पल के प्रोडक्ट के लिए रिवाइड पॉइंट्स को रिडीम करने की सीमा निर्धारित कर दी गई है, इससे कार्डधारक महीने में केवल एक बार ही इन रिवाइड पॉइंट्स का इस्तेमाल कर पाएंगे।

आधार कार्ड : एक अक्टूबर, 2024 से पैन-आधार से जुड़े नियमों में बदलाव होने वाला है। पैन अलॉटमेंट के लिए आवेदन फॉर्म और इनकम टैक्स रिटर्न में आधार एनरोलमेंट आईडी का उल्लेख नहीं किया जा सकेगा।

सरकार ने डुप्लीकेशन को रोकने के लिए यह कदम उठाया है।

एलपीजी : एक अक्टूबर 2024 से एलपीजी सिलेंडर की नई कीमतें जारी होंगी। सरकारी तेल कंपनियों हर महीने की पहली तारीख को इसकी कीमतों में बदलाव करती है। इस बार भी ऐसी ही उम्मीद है कि एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव हो सकता है।

सोएनजी-पीएनजी : एक अक्टूबर से तेल कंपनियों एयर टर्बाइन स्पूल और सोएनजी-पीएनजी की कीमतों में बदलाव कर सकती हैं। नए टट मंगलवार सुबह छह बजे से जारी हो सकते हैं।

बंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बंगलुरु में चार पाकिस्तानी नागरिकों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए चार लोगों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। चारों पाकिस्तान के कराची और लाहौर के रहने वाले हैं। अधिकारी ने कहा, "चारों पाकिस्तानी नागरिकों ने फर्जी पहचान बताकर भारतीय पासपोर्ट बनवा लिया था और यहां धर्म प्रचार में शामिल हो गए थे। सभी आरोपियों ने खुद को हिंदू बताया था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पाकिस्तान के कराची निवासी राशिद अली सिद्दीकी उर्फ

शंकर शर्मा, पाकिस्तान के लाहौर निवासी आयाश उर्फ आशा रानी, लाहौर निवासी हनीफ मोहम्मद उर्फ रामबाबू शर्मा और लाहौर निवासी रुबीना उर्फ रानी शर्मा के रूप में हुई है। बंगलुरु पुलिस ने सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां कोर्ट ने उन्हें 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपियों के अन्य साथियों की तलाश शुरू कर दी है। पाकिस्तानी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद खुफिया ब्यूरो (आईबी) के अधिकारियों ने जिग्गी थाने का दौरा किया और आरोपियों के बारे में जानकारी हासिल की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज किया है।

आरजी कर मामला : कलकत्ता हाईकोर्ट ने विरोध रैली निकालने की दी अनुमति

एजेंसी

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने सोमवार को कुछ डॉक्टर संघों सहित लगभग 40 संगठनों को पिछले महीने एक महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के विरोध में मंगलवार शाम 5 से 8 बजे के बीच रैलियां आयोजित करने की अनुमति दे दी। एसोसिएशन ने विरोध रैली के लिए मंगलवार का दिन चुना, क्योंकि इस दिन महात्मा गांधी का जन्मदिन और महालया अमावस्या (हिंदू धर्म में पूर्वजों के सम्मान में अनुष्ठान करने का एक महत्वपूर्ण दिन) दो अवसर एक साथ पड़ते हैं। हालांकि, प्रस्तावित रैली में कुछ बाधाएं भी आईं, क्योंकि कोलकाता पुलिस ने मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड और दक्षिण कोलकाता के वॉटर सदन के बीच होने वाली रैली के लिए कुछ नियम जारी किए थे। कोलकाता पुलिस के मुताबिक, रैली में एक निश्चित संख्या में लोगों को इकट्ठा होने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद रैली आयोजकों ने अनुमति के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राजर्षि भारद्वाज की एकल पीठ से संपर्क किया। सोमवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो राज्य सरकार के वकील ने जोर देकर कहा कि रैली आयोजकों को रैली में भाग लेने वाले लोगों



की अनुमति संख्या बतानी चाहिए। इस प्रतिवाद में याचिकाकर्ता के वकील और सीपीआई (एम) के राज्यसभा सदस्य विकास रंजन भट्टाचार्य ने कहा कि चूंकि रैली का विषय व्यापक जनहित से जुड़ा था और इसमें आम लोग भी भाग ले रहे थे, इसलिए प्रतिभागियों की अनुमानित संख्या पहले से बताना असंभव था।

न्यायमूर्ति भारद्वाज ने राज्य सरकार के वकील से पूछा कि प्रशासन दस लाख लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से रैली में भाग लेने और अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करने से कैसे रोक सकता

है। न्यायमूर्ति भारद्वाज ने सवाल किया, "विरोध प्रदर्शन लोगों का लोकतांत्रिक अधिकार है। प्रशासन यातायात समस्या का हवाला देकर इस पर कैसे रोक लगा सकता है? उन्होंने प्रशासन को सलाह दी कि वह भीड़ को नियंत्रित करे, जैसा कि दुर्गा पूजा के दिनों में होता है, जब लाखों लोग पंडालों में दर्शन के लिए शहर की सड़कों पर निकलते हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या कोई दुर्गा पूजा आयोजक अपने पंडालों में आने वाले आंगुतकों की संख्या का पहले से अनुमान लगा सकता है।

नवरात्रि के पहले दिन से शुरू होगी अयोध्या में सितारों की रामलीला

अयोध्या। अयोध्या की प्रसिद्ध सितारों वाली रामलीला की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सोमवार को भूमि पूजन कर रामलीला आयोजन की तिथियों की घोषणा भी कर दी गई।

छठे वर्ष होने वाली रामलीला की शुरूआत तीन अक्टूबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से होगी, जो 12 अक्टूबर तक चलेगी।

रोम संस्कृति वाले 'एक्सिडेंटल हिंदू' को राम मंदिर बर्दाश्त नहीं : योगी

500 वर्ष का इंतजार समाप्त कर पीएम मोदी के कर-कमलों से श्रीरामलला अयोध्या धाम में विराजमान हुए

जिन लोगों को प्राण प्रतिष्ठा नाच-गाणा लगता है उनका खानदान ही जिंदगी भर नाच-गाणा करता रहा

सीएम योगी ने राहुल गांधी के राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को नाच-गाणा बताने वाले बयान पर जोरदार पलटवार किया।

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर प्रहार किए। सीएम योगी ने कहा कि रोम की संस्कृति में पले-बढ़े 'एक्सिडेंटल हिंदू' राम मंदिर को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। सीएम योगी ने सोमवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर चार रैलियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 500 वर्ष का इंतजार समाप्त हुआ और 22 जनवरी 2024 को पीएम मोदी के कर-कमलों से भगवान श्रीरामलला अयोध्या धाम में विराजमान हो गए। रामलला के अयोध्या धाम में फिर से विराजमान होने पर पूरी



देश-दुनिया अभिभूत और आनंदित बदनसीब कांग्रेस को इससे भी नफरत है, लेकिन घड़ियाली आंसू बहा रही है। यही अंतर 'राम' की संस्कृति और

'रोम' की संस्कृति में है।

सीएम योगी ने राहुल गांधी के राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को नाच-गाणा बताने वाले बयान पर जोरदार पलटवार किया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को यह नाच-गाणा लगता है उनका खानदान ही जिंदगी भर नाच-गाणा करता रहा। हिंदुओं का अपमान, सनातन संस्कृति को कोसना और भारत के बाहर संबैधानिक संस्थाओं पर प्रश्न चिन्ह खड़ा करके कांग्रेसी अपनी योग्यता पर प्रश्न चिन्ह लगाते हैं। वहीं, सीएम योगी ने बवानी खेड़ा विधानसभा में कहा कि यहां के लोग जानते हैं कि कांग्रेस वाले आएंगे तो देश के साथ गद्दारी करेंगे। विकास के नाम पर केवल अपने घर को भरते रहे। कांग्रेसियों ने गरीब कल्याण का भी कोई कार्य नहीं किया। जबकि, हरियाणा में डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में खूब विकास हुआ। कांग्रेसी कहते थे कि देश के संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमान का है, जबकि पीएम मोदी कहते हैं कि देश के संसाधन पर पहला हक गरीब, कमजोर-वंचित, दलितों, पिछड़ों का है।

लखनऊ हाईकोर्ट ने चाइनीज लहसुन की जांच के लिए आदेश, 15 दिन में तलब की रिपोर्ट

एजेंसी

लखनऊ। भारत में चाइनीज लहसुन के अवैध रूप से ब?कने का मामला हाईकोर्ट तक पहुंच गया है। भारत में चीनी लहसुन बैन होने के बावजूद बाजारों में इसकी बिक्री हो रही है। इसको लेकर न्यायालय में जनहित याचिका दायर की गई है। दायर की गई याचिका की सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। इसके बाद न्यायालय ने सेफ्टी लेबोरेटरी कमिश्नर को तलब करते हुए चाइनीज लहसुन के परीक्षण के आदेश दिए। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता मोतीलाल यादव

ने कहा कि, चाइनीज लहसुन जब पहली बार 2014 में भारत में आया, तो भारत की टैरिफिंग एजेंसी में उसका परीक्षण कराया गया। इस दौरान इसे मानक के विपरीत पाया गया। भारत सरकार ने 2014 में इसको बैन कर दिया था, इसके बावजूद यह लहसुन छह सालों से भारत में बिक रहा है। इसकी तस्करी नेपाल और बांग्लादेश के सीमा से होती रहती है। आज तक उसे पर ध्यान नहीं दिया गया। अधिवक्ता मोतीलाल यादव ने कहा कि मीडिया के माध्यम से जब मुझे यह जानकारी हुई तो मैंने कुछ और रिसर्च करके करके जनहित याचिका उच्च न्यायालय में दाखिल की।

बाढ़ से कोसी-सीमांचल में 06 लोगों की डूबने से मौत

एजेंसी



पटना। नेपाल और बिहार में हुई बारिश से उत्तर बिहार के 12 जिलों की करीब 16 लाख आबादी प्रभावित है। हालांकि सोमवार सुबह सुपौल जिले के वीरपुर स्थित कोशी बराज के सभी 56 फाटक को बन्द कर दिया गया। जिससे लोगों को आने वाले दिनों में राहत मिलने की उम्मीद है। यह बीते चार दिनों से खुला हुआ था। बीते 24 घंटे के दौरान कोसी-सीमांचल में बाढ़ के पानी ने डूबने से 06 लोगों की मौत हो गई है। कोसी बराज का फाटक

खोले जाने के तीसरे दिन रविवार-सोमवार को मध्य रात्रि दरभंगा जिले में किरतपुर प्रखंड के भूभोल गांव के पास कोसी के तटबंध के टूट जाने से किरतपुर प्रखंड और घनश्यामपुर

प्रखंड में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। दरभंगा जिला प्रशासन ओर से इसे रविवार देर शाम से बचाने का प्रयास किया जा रहा था लेकिन पानी के दबाव को यह सह न सका

और रात एक बजे टूट गया। उत्तर बिहार के प्रमुख नदियों में एक बागमती नदी जो उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर सीतामढ़ी शिवहर और कुछ मोतिहारी इलाके को प्रभावित करती है, वह भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

कोसी-सीमांचल व आसपास के जिलों में डूबने से 6 लोगों की मौत हो गयी। अररिया में तीन लोगों की जान गयी जबकि किशनगंज में भी दो लोगों की मौत हुई है। सुपौल में जलकुंभी से पाट निकालने के दौरान युवक लापता हो गया जिसकी खोजबीन जारी है।

बेंगलुरु में चार पाकिस्तानी हुए गिरफ्तार, हिंदू बनकर रह रहे थे

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में चार पाकिस्तानी नागरिकों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए चार लोगों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। चारों पाकिस्तान के कराची और लाहौर के रहने वाले हैं। अधिकारी ने कहा, "चारों पाकिस्तानी नागरिकों ने फर्जी पहचान बताकर भारतीय पासपोर्ट बनवा लिया था और यहां धर्म प्रचार में शामिल हो गए थे। सभी आरोपियों ने खुद को हिंदू बताया था। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान पाकिस्तान के कराची निवासी राशिद अली सिद्दीकी उर्फ

शंकर शर्मा, पाकिस्तान के लाहौर निवासी आयाश उर्फ आशा रानी, लाहौर निवासी हनीफ मोहम्मद उर्फ रामबाबू शर्मा और लाहौर निवासी रुबीना उर्फ रानी शर्मा के रूप में हुई है। बेंगलुरु पुलिस ने सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां कोर्ट ने उन्हें 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया। इसके साथ ही पुलिस ने आरोपियों के अन्य साथियों की तलाश शुरू कर दी है। पाकिस्तानी नागरिकों की गिरफ्तारी के बाद खुफिया ब्यूरो (आईबी) के अधिकारियों ने जिग्गी थाने का दौरा किया और आरोपियों के बारे में जानकारी हासिल की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कई धाराओं में मामला दर्ज किया है।

चौथे दिन का खेल समाप्त

बांग्लादेश के दो विकेट पर 26 रन, भारत आगे

एजेंसी। कानपुर

बांग्लादेश ने भारत के खिलाफ दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन सोमवार को यहां दूसरी पारी में दो विकेट पर 26 रन बनाए। भारत से पहली पारी के आधार पर 52 रन से पिछड़ी बांग्लादेश की टीम अब भी 26 रन से पीछे है। दिन का खेल खत्म होने पर शादमान इस्लाम सात रन बनाकर खेल रहे थे जबकि मोमीनुल हक ने अभी खाता नहीं खोला है। बांग्लादेश के पहली पारी में 233 रन के जवाब में भारत ने पहली पारी नौ विकेट पर 285 रन बनाकर घोषित की थी।

यशस्वी जायसवाल (72) और केएल राहुल (68) के अर्धशतकों की बदौलत भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन पहली पारी 285/9 के स्कोर पर घोषित

की। इस दौरान भारतीय टीम ने सबसे तेज टीम शतक और टीम की तरफ से सबसे तेज 200 रन का रिकॉर्ड भी बनाया।

चौथे दिन मेहमान टीम ने मोमिनुल हक की शतकीय पारी की बदौलत 7 विकेट के नुकसान पर 232 रन बनाए थे। मोमिनुल ने 194 गेंदों पर 17 चौकों और एक छक्के की मदद से 107 रन की धेर्यपूर्वक पारी खेली। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सबसे ज्यादा तीन विकेट झटके। मोहम्मद सिराज, अश्विन और आकाशदीप ने 2-2 विकेट झटके जबकि एक विकेट रविंद्र जडेजा के नाम रहा।

इससे पहले तीसरा दिन गौली आउटफील्ड के कारण एक भी गेंद फेंके बिना रद्द कर दिया गया था। दूसरे दिन का खेल लगातार बारिश के कारण एक भी गेंद फेंके बगैर रद्द कर दिया गया था। सुबह हल्की बूझबांदी के बाद तेज बारिश शुरू हो गई जिससे ग्रीन पार्क स्टेडियम पर दूसरे दिन कोई खेल नहीं हो सका। मैदानकर्मियों ने 11.15 के



107 रन बनाए थे पहले दिन बांग्लादेश ने तीन विकेट पर

दुर्भाग्यपूर्ण है हम पेरिस ओलंपिक में मुक्केबाजी का मेडल नहीं जीत सके : मैरी कॉम

नई दिल्ली। छह बार की विश्व चैंपियन एमसी मैरी कॉम ने पेरिस ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाजों के खराब प्रदर्शन पर निराशा जताई। उन्होंने कहा कि एक पदक विजेता होने के नाते, यह स्वाभाविक है कि उन्हें बुरा लगा है। पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत ने छह मुक्केबाजों की टीम भेजी थी, जिसमें दो पुरुष और चार महिलाएँ शामिल थीं। इसमें टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन निकहत जरीन भी थीं। मैरी कॉम ने आर्मी स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव के दौरान आईएनएस से कहा, ओलंपिक प्रदर्शन को देखकर दुख होता है कि हम 2024 ओलंपिक में कोई पदक नहीं जीत सके। हमें यह देखा होगा कि आगे क्या सुधार करना है और किन गलतियों से बचना है। पेरिस ओलंपिक में लवलीना (महिला 75 किग्रा) ऐतिहासिक दूसरा पदक जीतने से चूक गई और क्वार्टर फाइनल में चीन की ली कियान से हार गई थीं। वहीं, पुरुष 71 किग्रा वर्ग में निशांत देव क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन उन्हें मेक्सिको के मार्को वर्डे से हार का सामना करना पड़ा था। दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (महिला 50 किग्रा), कॉमनवेल्थ चैंपियन अमित पंचाल (पुरुष 51 किग्रा) और प्रीति पवार (महिला 54 किग्रा) अपने-अपने वर्ग में राउंड ऑफ 16 में हार गए। जेस्मिन लांबोरिया (महिला 57 किग्रा) राउंड ऑफ 32 में बाहर हो गई थीं।



रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास

कानपुर। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में 300वां विकेट लेकर इतिहास रच दिया। दो दिन का खेल बारिश के कारण धुलने के बाद चौथे दिन की शुरुआत नई ऊर्जा के साथ हुई और भारत ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। जडेजा ने खालिद अहमद को आउट करके बांग्लादेश की पहली पारी को 233 रनों पर समेट दिया। इस पारी के दौरान जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट पूरे

किए और एक खास मुकाम भी हासिल किया है। जडेजा इस दौरान उन चुनिंदा भारतीय प्लेयर्स की लिस्ट में शामिल हो गए जिन्होंने 300 विकेट के साथ 3000 रन भी बनाए। उनसे पहले भारत के लिए केवल कपिल देव और अश्विन ने यह उपलब्धि हासिल की थी। इसके अलावा बॉल के हिसाब से, वह आर अश्विन (15636) के बाद 300 टेस्ट विकेट का आंकड़ा पूरा करने वाले दूसरे सबसे तेज भारतीय हैं (17428)। इसके साथ ही वह यह दोहरा कीर्तिमान पूरा करने वाले सबसे तेज एशियाई और इंग्लैंड के महान इयान बॉथम के बाद दुनिया के दूसरे सबसे तेज खिलाड़ी बन गए।



आयरलैंड ने टी20 क्रिकेट में दक्षिण अफ्रीका को पहली बार हराकर रचा इतिहास

एजेंसी। अबू धाबी आयरलैंड क्रिकेट टीम ने शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतकर इतिहास रच दिया है। इसके साथ ही उन्होंने दो मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर दी है। इस जीत में अडावर बंधुओं ने अहम भूमिका निभाई। रॉस और मार्क अडावर के प्रदर्शन के दम पर आयरलैंड ने प्रोटीयाज को 10 रनों से हरा दिया। यह आयरलैंड की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली टी20 जीत थी और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी जीत है। दो



अपना सबसे बड़ा टी20 स्कोर भी बनाया। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था। जिसके जवाब में आयरलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। इस पारी में रॉस अडावर आयरलैंड के सितारे रहे, जिन्होंने सिर्फ 57 गेंदों में अपना पहला टी20 शतक जड़ा। उनकी धमाकेदार पारी में 9 शानदार छक्के शामिल थे, और कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने भी 31 गेंदों पर 52 रन की अहम पारी खेलते हुए उनके साथ 137 रनों की ओपनिंग साझेदारी की।

अक्टूबर में दो टेस्ट मैचों के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगी द.अफ्रीका की टीम

जोहान्सबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की टीम अगले महीने बांग्लादेश के दौरे पर जाएगी। आज (सोमवार) क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएएसए) ने पुष्टि की है कि उनकी टीम 21 अक्टूबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगी। सीएएसए ने एक बयान में बताया कि हाल ही में उसके ऑपरेशन मैनेजर, टीम मैनेजर, टीम फिजियोथेरापिस्ट, सुरक्षा सलाहकार और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेटर्स एसोसिएशन के एक प्रतिनिधि ने सुरक्षा आकलन किया गया था। इससे अफ्रीका दक्षिण शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश में द्विपक्षीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए दौरा करने वाली पहली टीम बन जाएगी।

कोहली ने तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा सबसे तेज 27,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले क्रिकेटर बने



कानपुर (उत्तर प्रदेश)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट के चौथे दिन 27,000 अंतरराष्ट्रीय रन का आंकड़ा पार करने वाले सबसे तेज क्रिकेटर बनकर इतिहास रच दिया। उन्होंने सोमवार को कानपुर में धूप वाले दिन शानदार अंदाज में यह उपलब्धि हासिल करते हुए 'मास्टर ब्लास्टर' सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। कोहली ने यह उपलब्धि 594 पारियों में हासिल की, जो क्रिकेट के भगवान से 29 पारियां कम है। अपने शानदार करियर के दौरान सचिन ने 623 पारियों में 27,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए थे। श्रीलंका के विकेटकीपर बल्लेबाज कुमार संगकारा ने 648 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया के मशहूर कप्तान रिची पॉटिंग ने 650 पारियों में 27,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाए थे कोहली ने 47(35) रन बनाकर वापस लौटे। कोहली के नाम अब 27,012 अंतरराष्ट्रीय रन हैं, जो क्रिकेट के इतिहास में किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे तेज रन हैं।

बाबर आजम को टीम से बाहर कर देना चाहिए : जहीर अब्बास

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम और उसके पूर्व कप्तान बाबर आजम इन दिनों आलोचनाओं का शिकार हो रहे हैं। इसकी वजह है उनका पीछा नहीं छोड़ रहा। आईसीसी इवेंट से लेकर हर फॉर्मेट में पाकिस्तान क्रिकेट टीम का हाल बहुत खराब है। विदेशी जमीन ही नहीं, इस टीम को अपने घरेलू मैदान पर भी शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज हारने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में उथल-पुथल मची हुई है। इस बीच दिग्गज क्रिकेटर और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान जहीर अब्बास ने आईएनएस के साथ बातचीत में अपनी ही टीम को आईना दिखाया है। जबकि, भारतीय क्रिकेटर्स और उनके फैंस की जमकर तारीफ की। जहीर अब्बास ने कहा, पाकिस्तान टीम का प्रदर्शन बहुत खराब है। अगर टीम का प्रदर्शन खराब होगा तो क्रिकेट बोर्ड पर भी सवाल उठाना लाजिमी है। पीसीबी को कुछ बड़े फैसले लेने होंगे। टीम का मुख बल्लेबाज बाबर आजम बड़े समय से खराब फॉर्म में है और उसे टीम से बाहर कर देना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया में फिट रहने के लिए चतुर बनना होगा : बुमराह

कानपुर। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह घरेलू श्रृंखला में अपना कार्यभार धीरे-धीरे बढ़ा रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में काफी गेंदबाजी करनी होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के बाद भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट खेलने हैं। बुमराह ने चौथे दिन के खेल से पहले कहा, ऑस्ट्रेलिया में फिट रहने के लिए चतुर बनना होगा। इसलिए यहां कुछ ओवर अधिक मिलना अच्छा है क्योंकि वहां काफी गेंदबाजी करनी होगी। कानपुर टेस्ट में गौली आउटफील्ड के कारण दूसरे और तीसरे दिन का खेल नहीं हो सका। बुमराह ने कहा, ह्यूमस हमारे हाथ में नहीं है लेकिन कुछ समय आराम मिलना भी अच्छा रहा। यहां के बाद चेन्नई के हालात में तुरंत ढलना होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी। बुमराह ने कहा, मेरा पसंदीदा प्रारूप टेस्ट है। मैं उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता हूँ।

व्यापार/लाइफ व साइंस

2027 तक भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा कंज्यूमर ड्यूरेबल मार्केट बन जाएगा : सीआईआई

एजेंसी। नई दिल्ली उद्योग मंडल सीआईआई ने सोमवार को कहा कि भारत का कंज्यूमर ड्यूरेबल बाजार वित्त वर्ष 2029-30 तक पांच लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा और 2027 तक यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सतत वृद्धि पर भारतीय उद्योग परिषद की राष्ट्रीय समिति के चेयरमैन वी. त्यागराजन ने कहा कि हालांकि देश के उत्पाद वैश्विक विश्वसनीयता की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन एक मजबूत परिवेश का निर्माण करना और क्षेत्र में मानकीकरण को अपनाया तथा वैश्विक स्तर पर भारतीय मानकों को पहचाना भी जरूरी है। सीआईआई कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंड ड्यूरेबल समिट 2024 में त्यागराजन ने कहा कि अगले दशक में इस क्षेत्र में मूल्य श्रृंखला में कई अवसर उत्पन्न होने की उम्मीद है। त्यागराजन ब्लू स्टार लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक भी हैं। उन्होंने कहा, तैयार माल के साथ-साथ स्वदेशी घटक परिवेश के विकास से लेकर घरेलू स्तर पर सही तरीके से ध्यान देने तक, भारत के वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति बनने की संभावनाएं

देश के उत्पाद वैश्विक विश्वसनीयता की ओर बढ़ रहे हैं : चेयरमैन वी. त्यागराज



त्यागराजन ने कहा, हम जो गति देख रहे हैं, वह स्पष्ट संकेत है कि भारत वैश्विक विनिर्माण मंच के एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। हम देश के सकल घरेलू उत्पाद में 25 प्रतिशत योगदान करने के विनिर्माण के लक्ष्य को पूरा करने के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और 8.5 लाख से अधिक नौकरियों के सृजन के साथ प्रगति निर्विवाद है। मिसाल के तौर पर एयर कंडीशनिंग क्षेत्र के 2040 तक दुनिया में सबसे बड़ा बनने की उम्मीद है। गुणवत्ता के मोर्चे पर उन्होंने कहा कि भारतीय उत्पाद वैश्विक विश्वसनीयता की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, गुणवत्ता परिवेश को मजबूत करने से उत्पादों में उपभोक्ता का विश्वास बढ़ता है।

काफी प्रबल हैं। त्यागराजन ने कहा, भारत पहले से ही दुनिया में उपभोक्ता सतत वस्तुओं के लिए सबसे तेजी से बढ़ता प्रमुख बाजार है और 2027 तक इसके चौथा

निवेशकों के चार लाख करोड़ रुपये डूबे सेसेक्स 1,272 अंक फिसलकर बंद

एजेंसी। मुंबई भारतीय शेयर बाजार में सोमवार के कारोबारी सत्र में बड़ी गिरावट देखने को मिली। बाजार के करीब सभी सूचकांक लाल निशान में बंद हुए हैं। कारोबार के अंत में सेसेक्स 1,272 अंक या 1.49 प्रतिशत गिरकर 84,299 और निफ्टी 368 अंक या 1.41 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,810 पर बंद हुआ। गिरावट का नेतृत्व बैंकिंग शेयरों की ओर से किया गया। निफ्टी बैंक 856 अंक या 1.59 प्रतिशत के दबाव के साथ 52,978 पर बंद हुआ। मंदी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर लिस्टेड सभी सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप करीब 4 लाख करोड़ रुपये कम होकर 474 लाख करोड़ रुपये रह गया। सेसेक्स पैक में जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, टाटा स्टील, टाइटन और एशियन पेंट्स टॉप गेनर्स थे। रिटायर्स, एक्सिस बैंक, आईसीआईसी बैंक, नेरेले, टेक महिंद्रा, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, एसबीआई, इन्फोसिस और सनफार्मा ऑप लूजर्स थे। लाज्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में कम गिरावट देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 227 अंक या 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60,153 पर और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 62 अंक या 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,179 पर बंद हुआ।

डॉ. अग्रवाल्ल हेल्थ केयर ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

एजेंसी। नई दिल्ली देश की सबसे बड़ी नेत्र देखभाल सेवा प्रदाता कंपनी डॉ. अग्रवाल्ल हेल्थ केयर ने अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) जरिए घन जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति विनिर्माण बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 3,000-3,500 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य है। पूरे बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक नेत्र देखभाल सेवा प्रदाता डॉ. अग्रवाल्ल हेल्थ केयर ने आईपीओ लाने के लिए डीआरएचपी दाखिल किया है। कंपनी के मुताबिक ये आईपीओ 300 करोड़ रुपये तक के नए शेयर, प्रतर्वर्तकों तथा अन्य शेयर

भारत से अशनीर ग़ोवर नई दिल्ली। वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी भारत से सोमवार को कहा कि उसके पूर्व सह-संस्थापक अशनीर ग़ोवर किसी भी रूप में कंपनी से नहीं जुड़ेंगे और न ही उनके पास कंपनी के कोई शेयर होंगे।

अशनीर ग़ोवर को मार्च 2022 में कंपनी के निदेशक मंडल ने भारत से प्रबंध निदेशक के पद से हटा दिया गया था। तब से, दोनों पक्ष लगातार कानूनी लड़ाई लड़ रहे थे। भारत से न बचाने में कहा, भारत से अपने पूर्व सह-संस्थापक अशनीर ग़ोवर के साथ एक निश्चित समझौता किया है। समझौते के तहत ग़ोवर किसी भी क्षमता में भारत से नहीं जुड़ेंगे और न ही उनके पास कंपनी के कोई शेयर होंगे।

विक्रेताओं द्वारा 6.95 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 195 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल कर्ज का भुगतान करने के लिए करेगी। इसके अलावा इसके एक हिस्से का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों और अज्ञात अकाउंटिंग अधिग्रहण के लिए किया जाएगा।

टोल प्लाजा से जुड़ा यह नियम जान लेंगे तो टोल टैक्स देने से बच सकते हैं

नई दिल्ली। भारत में हर दिन लाखों लोग अलग-अलग वाहनों से नेशनल हाइवे या स्टेट हाइवे से गुजरते हैं और उनसे अच्छी सड़क पर चलने के लिए कुछ चार्ज भी देने होते हैं, जिसे टोल टैक्स कहा जाता है। सड़कों की मरम्मत और रखरखाव के लिए पैसे जुटाने वाले स्टेट और नेशनल हाइवे पर कुछ किलोमीटर की दूरी पर टोल प्लाजा स्थापित किए गए हैं। हालांकि, हर एक्सप्रессवे या हाइवे का टोल शुल्क एक जैसा नहीं होता है।



कितने विलंब पर? एनएचआईए के नियम के अनुसार, टोल प्लाजा पर अगर ज्यादा भीड़ है या फिर वहां 10 सेकेंड से ज्यादा रुकना पड़ रहा है, तो निशुल्क टोल का नियम लागू होगा। इस दौरान अगर आपको समस्या आती है तो एनएचआईए की हेल्पलाइन 1033 पर संपर्क कर सकते हैं।

यह शर्तें होंगी तो... नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया का नियम कहता है कि टोल प्लाजा पर अगर 100 मीटर के दायरे में वाहनों की लंबी लाइन लगी हुई है, तो उस स्थिति में भी टोल टैक्स नहीं देना होता है। हालांकि, इस 100 मीटर में एक पीली पट्टी का होना जरूरी माना जाता है। आपको गाड़ी अगर इससे दूर है तो आपको टोल टैक्स नहीं देना होगा। इसके अलावा टोल प्लाजा पर लगी फास्टटैग मशीन के काम नहीं करने पर भी आप इससे बच सकते हैं।

पांकी में एनजीटी आदेश की खुली अनदेखी अवैध बालू उठाव और कालाबाजारी जारी, प्रशासन मौन

नवीन खेल संवाददाता पांकी। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेश की अनदेखी करते हुए पांकी में खुलेआम अवैध तरीके से बालू का उठाव जारी है। प्रशासन की नाक के नीचे, दिन और रात दोनों समय, ट्रैक्टरों से बालू की ढुलाई हो रही है। इसके बावजूद खनन विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। एनजीटी आदेश की उड़ाई जारी है। ध्वजिया : एनजीटी ने झारखंड में 10 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से बालू के उठाव पर रोक लगाई हुई है, ताकि नदियों का इको-सिस्टम सुरक्षित रहे। यह प्रतिबंध मानसून के दौरान नदियों की सुरक्षा के लिए हर साल लागू किया जाता है और देश के अन्य राज्यों में भी यही नियम है। लेकिन पलामू के पांकी प्रखंड में इस आदेश को दरकिनार कर अमानत

नदी से अवैध रूप से बालू निकाला जा रहा है, जहां अब तक घाटों का टेंडर भी नहीं हुआ है। कालाबाजारी का खेल जारी : बालू माफिया एनजीटी के आदेश का बहाना बनाकर बालू की कीमतें दोगुनी से तीन गुनी तक बढ़ा चुके हैं। कुछ महीने पहले तक पांकी में एक ट्रैक्टर बालू की कीमत 500 से 600 रुपये थी, जबकि अब माफिया 2000 रुपये प्रति ट्रैक्टर तक वसूल रहे हैं। पांकी प्रखंड के कई क्षेत्रों में बालू के ढेर खुलेआम जमा हैं, जो प्रशासन की निष्क्रियता को चुनौती दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि अगर इन ढेरों की सचन जांच की जाए, तो मामले में और भी चौकाने वाले खुलासे हो सकते हैं। हालांकि, पांकी पुलिस ने कभी-कभी अवैध बालू ढुलाई करने वाले ट्रैक्टरों को जकड़ किया है, लेकिन बालू माफिया अब भी सक्रिय हैं।

एक नजर

चौकीदार नियुक्ति लिखित परीक्षा परिणाम प्रकाशित

बारियात। उपायुक्त के आदेशानुसार चौकीदार रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए 19 सितंबर को आयोजित लिखित परीक्षा का परिणाम प्रकाशित कर दी गई है। लिखित परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों का नियमावली के अनुसार 1.3 की संख्या में सूची जारी कर दी गई है। परीक्षा का परिणाम लातेहार जिला के अधिकृत वेबसाइट में देखा जा सकता है। लिखित परीक्षा में 1:3 की संख्या में सफल हुए अभ्यर्थियों को 5 अक्टूबर को पुलिस लाइन लातेहार में शारीरिक जांच का परीक्षण किया जायेगा। सभी संबंधित सफल अभ्यर्थी 5 अक्टूबर को प्रातः 7 बजे पुलिस लाइन लातेहार में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

सोशल मीडिया में आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई होगी : विक्रान्त बालुमाथा

थाना परिसर में दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक अंचलाधिकारी तुषित विजया कुजूर की अध्यक्षता हुई। बैठक में थाना प्रभारी विक्रान्त कुमार, मोखरार अंसारी, शमीम खान चंद्र शेखर दुबे सहित प्रखंड क्षेत्र कई जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत के दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष व सचिवों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बालुमाथा ब्लॉक की जंगलों, आरा, सेरगढ़ा तथा बालुमाथा आदि जगहों से दुर्गा पूजा समिति अध्यक्ष ने अपनी-अपनी समस्या से अवगत कराया। इस दौरान सीओ तुषित विजया कुजूर थाना प्रभारी विक्रान्त कुमार उपाध्याय ने कहा कि शांति पूर्वक दुर्गा पूजा मनाए। सरकारी गाड़डलान का पालन करते हुए पूजा पंडाल में व्यवस्था रखें। मौके पर थाना प्रभारी ने कहा कि पूजा में शांति व्यवस्था को भंग करने वालों पर पुलिस शक्ति से पेश आएगी।

राजस्व संग्रहण में तेजी व निर्धारित लक्ष्य को पूरा करें : उपायुक्त

लातेहार। उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में राजस्व संग्रहण की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने जिले में राजस्व संग्रहण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध अब तक किए गए राजस्व संग्रहण की विभागावर समीक्षा कर सभी पदाधिकारियों को वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को शरत प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने परिवहन, उत्पाद, खनन, नगर पंचायत, विद्युत, मत्स्य विभाग से राजस्व संग्रहण हेतु निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों से राजस्व संग्रहण में आ रही समस्याओं पर विस्तार पूर्वक जानकारी ली। साथ ही आपसी समन्वय

उपभोक्ताओं के बीच बिजली माफी प्रमाण पत्र का वितरण

200 यूनिट के साथ बकाया बिल माफ: कार्यपालक अभियंता



नवीन खेल संवाददाता चिनिआ। झारखंड सरकार द्वारा मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली योजना के तहत सोमवार को चिनिआ प्रखंड मुख्यालय में बिजली उपभोक्ताओं के बीच बिजली माफी प्रमाण पत्र

का वितरण किया गया। विद्युत कार्यपालक अभियंता दीपक कुमार गढ़वा द्वारा बताया गया कि सरकार द्वारा धरेलू उपभोक्ताओं के 200 यूनिट के माफी के साथ-साथ उनके 30 अगस्त 2024 तक का

एसडीएम ने अनुमंडलीय अस्पताल का किया औचक निरीक्षण, दिये कई निर्देश



कार्य में कोताही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

नवीन खेल संवाददाता हुसैनाबाद। प्रशिक्षु आर्इएस सह हुसैनाबाद एसडीएम कृष्णाकांत कनवड़िया ने सोमवार को हुसैनाबाद

अनुमंडलीय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। यह निरीक्षण राष्ट्रीय नवीन खेल में छपी खबर के बाद हुआ। एसडीएम ने अस्पताल में पहुंच कर चिकित्सक उपस्थित पंजी की भी जांच की, जिसमें डॉ. अजय कुमार अनुपस्थित पाए गए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने प्रभूति गृह,

उचित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सभी का कर्तव्य एसडीएम ने कहा कि हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र बहुत बड़ा है, और यहां के लोगों को उचित स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सभी का कर्तव्य है। इस निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विनेश कुमार, मो. शमीम और अनुमंडल सहायक अशोक सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

मरीजों के लिए उपलब्ध बेड, दवा भंडारण, सहाय और एएनएम की उपस्थिति व कार्यप्रणाली की जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के लाभ और परिसर की साफ-सफाई का भी जांचना लिया। एसडीएम ने संबंधित कर्मचारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अस्पताल अनुमंडल क्षेत्र के लोगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, और सभी को मिलकर बेहतर स्वास्थ्य

सेवा सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने अस्पताल की साफ-सफाई, एंजुलेंस सेवा की स्थिति और एएनएम व सहाय कर्मियों की तत्परता पर जोर दिया। एसडीएम ने साफ शब्दों में कहा कि कार्य में कोताही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अस्पताल परिसर के विभिन्न वाडों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों को कई आवश्यक निर्देश दिए।

आग्रपाली परियोजना प्रबंधन ने विद्यालय में कराया पेंटिंग प्रतियोगिता



टंडवा (चतरा)। उलूकित उच्च विद्यालय सेरनदाग में सीसीएल के आग्रपाली परियोजना प्रबंधन की ओर से सोमवार को पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सीएसआर अधिकारी मोहम्मिन राजा ने बताया कि 20 विद्यार्थियों ने प्रतिस्पर्धा में भाग लेकर स्वच्छ भारत, सुंदर भारत थीम पर आधारित चित्रकला बनाये हैं। उलूकित प्रतिभागियों को उत्साहवर्द्धन के लिए पुरस्कर्ता कृष्णा जायेगा। मौके पर प्रधानाध्यापक विकास पांडेय, सीसीएल कलंक बिनोद कुमार, शिक्षक अनिल कुमार, वीणा कुमारी, राजेश रजक, आशीष कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

पुलिस का जन शिकायत समाधान कार्यक्रम: कई मामलों का निपटारा

नवीन खेल संवाददाता मेदिनीनगर। पलामू पुलिस ने जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन शहर थाना परिसर में किया, जिसमें सदर थाना, सतबरवा, और शहर थाना की समस्याओं का समाधान किया गया। इस कार्यक्रम में कई मामलों का त्वरित निपटारा किया गया। एक महत्वपूर्ण मामला पाटन थाना क्षेत्र के लामोपथरा की निवासी चांदनी देवी का था, जिसने अपने पति अजित भूईया पर आरोप लगाया कि उसने गांव के लोगों से करीब 70 हजार रुपये का कर्ज 5 से 10% ब्याज पर लेकर एक मोटरसाइकिल खरीदी और अब किसी दूसरी महिला के साथ रह रहा है। चांदनी ने बताया कि उसका पति उसे तीन साल पहले ही छोड़ चुका है और उनके तीन बच्चे हैं। महिला के आवेदन पर महिला थाना ने कार्रवाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि चांदनी देवी पहले भी पाटन

और पांडव थानों में शिकायत कर चुकी थी, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पाया था। इसी क्रम में सदर थाना स्थित जोड़ु ग्राम से भी एक विचित्र घटना सामने आई, जहां उमा देवी ने अपने पति सोहराय सिंह के माध्यम से आरोप लगाया कि उनके पड़ोसी उषा देवी और गुंजा कुमारी ने उनके बच्चों के साथ मारपीट की। इस पर सदर थाना प्रभारी ने मामले को तुरंत समझौता के लिए भेज दिया। सतबरवा थाना के अंतर्गत पोलपोल घोरही की मंजू देवी की पुत्री दीपांजलि कुमारी ने अपने ससुराल वालों पर दहेज प्रथा का आरोप लगाया और कहा कि ससुराल के लोग उसके साथ मारपीट करते हैं। इस जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में सदर थाना अंतर्गत 11, शहर थाना से 8, और सतबरवा थाना से 4 शिकायतें आईं, जिनमें से अधिकांश जमीन विवाद से संबंधित थीं।

पोषण माह का समापन समारोह

महिलाओं को विटामिन युक्त आहार लेना चाहिए : दुलारी देवी



माताओं व बहनों के गोद में देश के भविष्य पलता है

नवीन खेल संवाददाता रमना। आंगनबाड़ी केन्द्र मुरती टोला बगौंधा में पोषण माह समापन समारोह का समापन सोमवार को मुखिया दुलारी देवी, महिला पर्यवेक्षिका दीपा कुमारी, सेविका मालती गुप्ता, फूलकुमारी देवी, पुनम देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुखिया दुलारी देवी ने कहा कि सरकार द्वारा बच्चों और

महिलाओं के स्वास्थ्य के मद्देनजर पोषाहार दिया जाता है। माताओं के स्वास्थ्य पर बच्चों का स्वास्थ्य निर्भर करता है, इसके लिए समय पर विटामिन युक्त आहार लेना चाहिए। महिला पर्यवेक्षिका दीपा कुमारी ने धात्री एवं गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित जानकारी दी। कहा कि माताओं व बहनों के गोद में देश के भविष्य पलता है। माता के स्वास्थ्य पर बच्चों का स्वास्थ्य निर्भर करता है। कमजोरी माता कमजोर बच्चों

को जन्म देती है, जो जीवन भर परेशान रहते हैं। स्वस्थ रहने के लिए हरा साग सब्जी और विटामिन युक्त आहार लेना चाहिए। निरोग व स्वस्थ रहने के लिए साफ सफाई बहुत जरूरी है। संविक्ता लालती देवी, प्रतिभा देवी, कांति देवी, सहायिका कलावती देवी सहित स्थानीय ग्रामीण महिला अहिता देवी, सविता देवी, सरिता देवी, मंजू देवी, रिंकी देवी, पानपती देवी, अंजू देवी, संजू देवी सहित कई महिला उपस्थित थीं।

न्यूज बॉक्स

डीजे पर पूर्णता रहेगा प्रतिबंध, बजाने पर होगी कार्रवाई गिद्धीर (चतरा)। दुर्गा पूजा महोत्सव को लेकर सोमवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में प्रखंड के विभिन्न पूजा समिति के अध्यक्ष सचिव व सदस्य के साथ-साथ प्रबुद्ध ग्रामीणों ने भाग लिया। बैठक में उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार डीजे बजाने पर पूर्णता प्रतिबंध रखने की जानकारी दी गई। डीजे बजाने की शिकायत मिलने पर पूजा समिति पर कार्रवाई की भी बात बताई गई। अधिक से अधिक ध्वनि विस्तारक यंत्र व बैंड बाजे का प्रयोग करने की अपील की गई। बताया गया कि पूजा के दौरान शांति व्यवस्था व सुरक्षा को लेकर प्रत्येक पूजा समिति द्वारा वालंटियर प्रतिनिधित्व करने, प्रतिमा विसर्जन के दिन विभिन्न जलाशयों के समीप गोताखोर एवं तैराक तैयार रखने, पूजा स्थलों पर सीसीटीवी कैमरा लगाने, महिला व पुरुष दर्शकों के लिए अलग-अलग दीर्घा बनाने का निर्देश दिया गया। सिटुआरी,पेसा एवं पिंडारकोण में 12 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन किया जाएगा। बारिसाखी,द्वारी,पहरा, केडुआ,गंगापुर व प्रखंड मुख्यालय में 14 अक्टूबर को प्रतिमा विसर्जन होगा। बैठक में प्रमुख,सदर पुलिस निरीक्षक पप्पू कुमार शर्मा,थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता, मुखिया निर्मला देवी,डेगन गंडू, कपिल कुमार,मनोज कुमार कुशावाहा, राजेश कुमार,मनोज कुमार वामा,पुलिस अवर निरीक्षक सोनी खलको,सुनील सिंह,बबलू कुमार साव,काशीराम दंगी मुकेश कुमार साव सहित थे।

सड़क दुर्घटना में छत्र की मौत, शव घर पहुंचते ही गांव में मातम बारियात। प्रखंड के इटके ग्राम निवासी उमेश दास के बड़ा पुत्र अनिकेत दास उम्र लगभग (23) की हजारीबाग जिला के कटकमसांडी थाना क्षेत्र के बलबल के आसपास बेंजामोड में बहक से सड़क हादसे में मौत गई। मौत के बाद इटके गांव अपने घर शव आते ही चीख चिकत्कार से माहोल गमगीन हो गया। बताया जाता है कि अनिकेत आर्ट्स का पढ़ाई करता था। रविवार को कुछ काम से निकला था जिसके बाद सड़क हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था जिस वहां स्थानिक लोगों की मदद से उसे एंबुलेंस के सहयोग से हजारीबाग सदर अस्पताल भेजा गया। इलाज के दौरान उसने अपना दम तोड़ दिया। शव पोस्टमार्टम के बाद एंबुलेंस से शव को घर लाया गया। मृतक व्यवहारशील व हौनहार लड़का था। कब्रिड़ी खेल में राज्य स्तरीय सेलेक्ट हुआ था। उसके मौत से आसपास में मातम का माहौल बन गया। मृतक के पिता उमेश झारखंड पुलिस में है। माता ललिता देवी, छोटा भाई अनुराग कुमार सहित अन्य परिवार के कुछ चिकत्कार से किसी की आंसू नहीं रुक रहा था। घटना के सूचना मिलते ही जिप सदस्य रमेश राम, मुखिया शांति देवी, भीम आर्मी जिला अध्यक्ष जगजीवन राम, मनिका प्रखंड उपाध्यक्ष जय दिलीप राम, मीडिया प्रभारी मोहन राम, जेबोकेएसएस के नेता संजय दास, समाजसेवी बालकेश्वर राम, अजय राम सहित कई समाज सेवी ने पीड़ित परिवार को ढाढ़स बंधाएं।

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण चार को

बरवाडीह। बरवाडीह के पुराने ब्लॉक परिसर में बिरसा मुंडा एकाता मंच के तत्वावधान में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित की गई है। इसका अनावरण आगामी 4 अक्टूबर को किया जायेगा। प्रतिमा स्थली के सौदर्यीकरण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। मंच के अध्यक्ष विक्टर केरेकेट्टा ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा देश की आजादी के लिए लड़ाई तो लड़े ही थे। उन्होंने आदिवासियों और मूलवासियों के हक और जल, जंगल, जमीन की लड़ाई भी लड़ी थी। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बगावत का बिगुल फूँका था। बताया कि बिरसा मुंडा एकाता मंच काफी समय से भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा को स्थापित करने के लिए प्रयासरत थे, जो अब पूर्ण हुआ है। उपाध्यक्ष सिप्रियन मिंज और सचिव शशि भूषण तिवारी ने बताया कि अपने देश और जल, जंगल, जमीन को बचाने के लिए अपने प्राण की आहुती देने वाले भगवान बिरसा मुंडा की शहादत को सदियों तक याद किया जाएगा। मंच के मीडिया प्रभारी दीपक राज ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा हमेशा जन नायक रहेंगे। उन्होंने समाज के लिए अंग्रेजों से लोहा लिया, जेल भी गए तथा अपने प्राणों की आहुती दे दी। लेकिन उनके इरादे हमेशा अडिग रहे। इस मौके पर मंच के सदस्य डीएन राम और जोहन टोपनो आदि मौजूद थे।

पृष्ठ एक के शेष

खुशखबरी : राज्य के...

जेबीवीएनएल के प्रस्ताव : 1. बिजली वितरण में बढ़ते खर्चों और दायित्वों के कारण 2024-25 में घरेलू बिजली की कीमत प्रति यूनिट 2.85 रुपये बढ़ाया जाए। 2. व्यावसायिक श्रेणी में वृद्धि और लोड आधारित फिक्स्ड चार्ज लागू किया जाए, प्रति किलोवाट लोड के लिए उपभोक्ता से 100 रुपए लिए जाए। राज्य में 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त : बता दें कि हाल में झारखंड सरकार ने राज्य में 200 यूनिट तक की बिजली मुफ्त कर दी है। इसके अलावा इनकम टैक्स के दायरे से बाहर राज्य के 39 लाख 44 हजार 389 उपभोक्ताओं के पुराने बकाया बिजली बिल माफ कर दिए थे। इन पर करीब 3,584 करोड़ बिजली बिल बकाया चला आ रहा था।

वेवाहिक दुष्कर्म में...

महिला ने इस मामले में पति के खिलाफ वर्ष 2015 में कोतवाली थाना में एफ.आर.आर दर्ज कराई थी। मामले की सुनवाई के दौरान एपीपी सिद्धार्थ सिंह ने ठोस गवाही दर्ज कराई थी। सूचक एवं गवाहों के बयान के आधार पर अदालत ने अभियुक्त को दोषी करार दिया। अभियुक्त के खिलाफ उसकी पत्नी ने साल 2016 में देहेज प्रताड़ना मामले में भी सुखदेव नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस मामले में भी अदालत ने उसे दोषी करार देते हुए अलग से तीन साल की सजा सुनाई है। बता दें कि मैरिटल रेप के मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट के दो फैसलों पर कानूनी बहस छिड़ी है। यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा है। कई जनहित याचिकाएं इस मामले में दायर की गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी को एक साथ मर्ज करके सुनवाई का निर्णय लिया है। 24 सितंबर को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवायें चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी परदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच में इसकी सुनवाई होनी थी, लेकिन केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब दाखिल करने के लिए एक हफ्ते का वक्त मांगा।

मिथुन चक्रवर्ती को...

उनकी पहली फिल्म मृगया के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया। लेकिन खास पहचान 1982 में रिलीज फिल्म डिस्को डांसर से मिली। फिल्म ने उन्हें स्टार बन दिया। 16 जून 1950 को जन्मे चक्रवर्ती का असली नाम गौरांग चक्रवर्ती है। कुछ माह पूर्व ही मिथुन चक्रवर्ती को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था। प्रधानमंत्री, गृहमंत्री ने दी बधाई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार दिए जाने पर शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, खुशी है कि मिथुन चक्रवर्ती को भारतीय सिनेमा में उनके बेजोड़ योगदान को मान्यता देते हुए प्रतिष्ठित दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। गृहमंत्री अमित शाह ने भी मिथुन चक्रवर्ती को बधाई दी है। मुझे यह पुरस्कार मिला तो कोई भी कड़ी मेहनत से इसे पा सकता है : मिथुन मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि अगर उन्हें दादा साहेब फाल्के पुरस्कार मिल सकता है, तो अन्य लोग भी समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ इसे प्राप्त कर सकते हैं। मिथुन ने कहा कि वह इस सम्मान को अपने परिवार, अनेक शुभचिंतकों और प्रशंसकों को समर्पित करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बधाई संदेश के लिए उन्होंने पीएम को धन्यवाद दिया।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC



Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए

50% की छूट



Facilities

- ❖ आरसीटी
- ❖ पायरिया का इलाज
- ❖ टेढ़े-मेढ़े दाँतों का इलाज
- ❖ स्मार्ट डिजाइन
- ❖ इनविजिवल क्लिप
- ❖ दंत रोपण
- ❖ फिक्स दाँत लगाना
- ❖ अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा इलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

तूफान 'हेलेन' ने ली 93 की जान लोग बिना बिजली के रह रहे



फ्लोरिडा। दक्षिण-पूर्वी अमेरिका में तूफान 'हेलेन' ने भारी तबाही मचाई है। तूफान की वजह से जहाँ 93 लोगों की मौत हो गई, वहीं लाखों लोग बिजली के बिना रहने को मजबूर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आश्वासन दिया कि उनका प्रशासन तूफान 'हेलेन' से प्रभावित लोगों को जरूरी मदद और संसाधन प्रदान करने के लिए राज्य और स्थानीय अधिकारियों के साथ काम कर रहा है। बाइडेन ने एक्स पर लिखा, "तूफान के मद्देनजर चल रहे राहत और बचाव कार्यों को लेकर मेरी टीम मुझे लगातार जानकारी दे रही है। मेरा प्रशासन लोगों को जरूरी मदद और संसाधन पहुंचाने के लिए राज्य और स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है।"

नेपाल में बाढ़ और लैंडस्लाइड से अब तक 170 लोगों की मौत

काठमांडू। नेपाल में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर रविवार को 170 हो गई, जबकि 42 लोग लापता हैं। बता दें कि शुक्रवार से पूर्वी और मध्य नेपाल के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए हैं और देश के कई हिस्सों में अचानक बाढ़ आ गई है। पुलिस के अनुसार, नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन के कारण अब तक 170 लोग मारे गए हैं। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 42 लोग लापता हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ऋषिराम पोखरेल ने बताया कि बाढ़ से संबंधित घटनाओं में 111 लोग घायल हुए हैं। पोखरेल ने बताया कि सभी सुरक्षा एजेंसियों की मदद से खोज एवं बचाव अभियान जारी है।

शहबाज शरीफ के निमंत्रण पर पाकिस्तान पहुंचा भगोड़ा नाइक



इस्लामाबाद। विवादस्पद धार्मिक नेता और भारत का भगोड़ा जाकिर नाइक सोमवार को इस्लामाबाद पहुंचा। इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों ने गर्मजोशी से उसका स्वागत किया। शहबाज शरीफ सरकार के निमंत्रण पर वह अपने बेटे फारिक जाकिर के साथ 15 दिवसीय दौर पर पाकिस्तान आया है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के यूथ प्रोग्राम के अध्यक्ष राणा मशूद, सैयद अताउर रहमान (धार्मिक मामलों और अंतरधार्मिक सद्भाव मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव), शमशेर अली मजारी (धार्मिक मामलों के लिए संसदीय सचिव) और कई अन्य सरकारी अधिकारियों ने नाइक का स्वागत किया।

जासूसी के इतिहास की सबसे बड़ी 'संधमारी' ईरानी जासूस ने बताया था हिजबुल्लाह चीफ नसरल्लाह का सटीक लोकेशन

फ्रांसीसी अखबार ले पेरिसियन ने लेबनानी सुरक्षा अधिकारी के हवाले से किया दावा

एजेंसी

बेरुत। ईरानी जासूस से शुक्रवार को सटीक सूचना मिलते ही इजरायल ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह को मार गिराया। जासूस से सटीक लोकेशन हासिल होने पर इजरायली सेना ने हमला किया और नसरल्लाह को मार दिया। हसन नसरल्लाह की हत्या के ऑपरेशन में ईरानी जासूस की अहम भूमिका होने का दावा फ्रांसीसी अखबार ले पेरिसियन ने किया है। अखबार का कहना है कि लेबनान के एक सुरक्षा अधिकारी से उसे ये जानकारी मिली है। हालांकि ईरान, इजरायल या हिजबुल्लाह की ओर से ऐसा कोई दावा नहीं किया गया है। ले पेरिसियन ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि बेरुत पर हवाई हमले से कुछ घंटे पहले ईरानी जासूस ने इजरायली सेना को ये बताया था कि हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह कहां जा रहा है और कितनी देर रुकेगा। यही जानकारी इजरायली सेना के लिए नसरल्लाह को मारने के ऑपरेशन का कामयाबी का आधार बनी। रिपोर्ट में कहा है कि नसरल्लाह के साथ ईरान के कुदुस बल के डिप्टी कमांडर अब्बास निलफोरुशान भी पहुंचे थे। इनकी एक अहम बैठक होनी थी, जिसमें नसरल्लाह और निलफोरुशान के साथ हिजबुल्लाह के शीर्ष अधिकारी शामिल थे।

सीएम डॉ.यादव से मिले ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर कंग

एजेंसी

भोपाल। ब्रिटेन के डिप्टी हाई कमिश्नर हरजिंदर कंग ने सोमवार को भोपाल प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने मध्य प्रदेश से ब्रिटेन को निर्यात और प्रदेश में निवेश बढ़ाने के संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. यादव से चर्चा की। उल्लेखनीय है कि मध्य प्रदेश ब्रिटेन को प्र-संस्कृत खाद्य पदार्थों और कृषि

उत्पादों का महत्वपूर्ण निर्यातक है। मध्य प्रदेश से कपड़े व तैयार वस्त्र, फार्मास्यूटिकल्स और प्लास्टिक उत्पाद व पैकेजिंग सामग्री का भी निर्यात किया जाता है। ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर और मुख्यमंत्री डॉ. यादव के बीच निर्यात को बढ़ाने तथा प्रदेश में आईटी, खाद्य प्र-संस्करण, परिधान, ऑटोमोबाइल, स्वास्थ्य, अक्षय ऊर्जा और पर्यटन के क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर विचार-विमर्श हुआ।



इजरायल के पास पहले से नहीं थी नसरल्लाह की लोकेशन

फ्रांसीसी अखबार के मुताबिक, हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह के बारे में इजरायली सेना को कोई सटीक जानकारी नहीं थी। ईरानी जासूस से ही उसे पता चला कि वह शुक्रवार शाम को बेरुत के दहीह में होगा। जासूस ने इजरायली सेना को उसके वाहन के बारे में भी रिपोर्ट दी थी कि वह किस कार से हेडक्वार्टर में आया है।

बेरुत पर इजराइल का बड़ा हमला, पीएफएलपी के 3 नेता मारे गए

बेरुत। हिजबुल्लाह के खिलाफ व्यापक अभियान को अंजाम देते हुए इजराइल ने सोमवार तड़के लगातार ड्रोन हमलों से लेबनान की राजधानी बेरुत को दहला दिया। इजराइली सेना ने ड्रोन अटैक कर शहर की इमारत को निशाना बनाया। हमले में कम-से-कम 4

हिजबुल्लाह में इजरायल के मुखबिरो की हो चुकी है घुसपैठ

सवाल उठता है कि वर्षों से जिस हिजबुल्लाह ने इजरायल का डटकर मुकाबला किया उसने सिर्फ दस दिन में यहूदी राष्ट्र के सामने कैसे घुटने टेक दिए। इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर साबित किया कि इजरायल के पास एक मजबूत जासूसी नेटवर्क है। वहीं हिजबुल्लाह में इजरायल के मुखबिरो ने घुसपैठ कर ली है।

लोगों की मौत हो गई, जिसमें इजराइल के खिलाफ कड़े संघर्ष में सक्रिय पॉपुलर फ्रंट फॉर दी लिबरेशन ऑफ फिलिस्तीन (पीएफएलपी) के तीन बड़े नेता शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहेब फाल्के पुरस्कार दिए जाने पर दी शुभकामनाएं।

भारतीय पुलिस सेवा के प्रोबेशनर्स अधिकारियों ने राष्ट्रपति से भेंट की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुलिस सेवा के 2023 बैच 76 प्रोबेशनर्स अधिकारियों के एक समूह ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट की। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने, न्याय सुनिश्चित करने और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के बिना प्रगति एक अर्थहीन शब्द बन जाता है। उन्होंने भारतीय पुलिस सेवा के प्रोबेशनर्स अधिकारियों को यह याद

रखने की सलाह दी कि 'आईपीएस' में 'एस' का मतलब सेवा है। राष्ट्रपति ने कहा कि विभिन्न अखिल भारतीय सेवाओं में भारतीय पुलिस सेवा का अपना एक विशेष महत्व है। कानून और व्यवस्था न केवल शासन की आधारशिला है बल्कि यह आधुनिक राज्य का आधार भी है। सरल शब्दों में कोई यह भी कह सकता है कि कई स्थानों और कई स्थितियों में, वे साथी नागरिकों के लिए राज्य का चेहरा होंगे और वे राज्य की प्रशासनिक मशीनरी के साथ उनका पहला संपर्क होंगे

महाराष्ट्र सरकार ने देशी गाय को दिया 'राज्यमाता-गोमाता' का दर्जा



शिवदे कैबिनेट की बैठक में 38 निर्णयों पर लगी मुहर

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को कैबिनेट की बैठक में देशी गाय को 'राज्यमाता-गोमाता' का दर्जा दिए जाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। राज्य सरकार की आज की कैबिनेट की बैठक में 38 निर्णयों पर मुहर लगी है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में सोमवार को कैबिनेट की बैठक हुई थी। इस बैठक में वैदिक काल से ही भारतीय संस्कृति में देशी गायों की स्थिति, मानव आहार में देशी गाय के दूध की उपयोगिता तथा जैविक खेती में देशी गाय के गोबर एवं गोमूत्र का महत्वपूर्ण स्थान को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने देशी गायों को 'राज्य माता-गोमाता' का दर्जा देने का निर्णय लिया है। सरकार का उद्देश्य पशुपालकों को देशी गाय पालने के लिए प्रेरित करना है। राज्य के कुछ हिस्सों में देशी गायें पाई जाती हैं। इसमें लाल कंधारी, देवनी, खिल्लार, डांगी और गवलाऊ नस्ल की गायें शामिल हैं। इसके साथ ही सरकार ने कपास और सोयाबीन किसानों को सक्सीडी वितरण शुरू करने का निर्णय कैबिनेट की बैठक में लिया गया है। इसके तहत पहले चरण में 49 लाख 50 हजार खाताधारकों के खाते में 2398 करोड़ 93 लाख रुपये जमा किये जा रहे हैं। इसी तरह कैबिनेट में सेवानियुक्त सरकारी कर्मचारियों के रिटायरमेंट ग्रेच्युटी को 14 लाख रुपये से बढ़ाकर सीधे 20 लाख रुपये करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार के इस फैसले से सरकारी खजाने पर तीन साल में 100 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा।

सीबीआई की संगठित साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई, 26 गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने संगठित साइबर अपराध से जुड़े 26 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के मुताबिक चार दिन पहले गुरुवार को पुणे, हैदराबाद, अहमदाबाद और विशाखापत्तनम में अलग अलग 32 जगहों पर छापेमारी के दौरान इन्हें गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार तलाशी के दौरान महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। संगठित साइबर अपराध नेटवर्क पर प्राप्त इनपुट के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय संचालन प्रभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी अभिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। सीबीआई के मुताबिक, तलाशी के दौरान टीम ने चार कॉल सेंटर्स वी.सी. इंफोमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, रिजेंट प्लाजा, पुणे; वी.सी. इंफोमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, मुरली नगर, विशाखापत्तनम; वायाजेक्स सॉल्यूशंस, हैदराबाद, अत्रिया ग्लोबल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, विशाखापत्तनम में चल रही ऑनलाइन आपराधिक गतिविधियों में लिप्त 170 व्यक्तियों को हिरासत में लिया। इसमें से 26 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। अवैध कॉल सेंटर्स में अन्य श्रमिकों की भूमिका पर जांच और पूछताछ जारी है। सीबीआई की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इस साइबर अपराध नेटवर्क द्वारा आपराधिक गतिविधियों और पीड़ितों को ठगने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, मोबाइल फोन, लैपटॉप, वित्तीय जानकारी, संचार रिकॉर्ड और आपत्तिजनक सामग्री सहित 951 वस्तुओं को जब्त किया गया है।

एजुकेशन/करियर

डिजिटल मार्केटिंग डिजिटल उपकरणों और तकनीक की मदद से उत्पादों या सेवाओं को बढ़ावा देने का अभ्यास है। सरल शब्दों में, डिजिटल मार्केटिंग किसी भी तरह की मार्केटिंग है जो मोबाइल, लैपटॉप, इंटरनेट आदि की मदद से ऑनलाइन होती है। डिजिटल साइनेज और तकनीक के अलावा जो इंटरनेट से कनेक्ट नहीं हो सकती है। यह स्वचालित ईमेल मार्केटिंग पहल से लेकर आपकी वेबसाइट के ब्लॉग पर सामग्री विकल्पों तक किसी भी जटिल चीज़ तक हो सकती है। एक बार जब आप डिजिटल मार्केटिंग के बारे में स्पष्ट हो जाते हैं, तो अगला कदम इसके महत्व और मूल्य को समझना है। डिजिटल मार्केटिंग का महत्व बहुत अधिक है! पारंपरिक मार्केटिंग के विपरीत, जो भौगोलिक सीमाओं से विवश है, डिजिटल मार्केटिंग व्यवसायों को दुनिया भर के संभावित ग्राहकों से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करती है। छोटी कंपनियाँ और स्टार्टअप अब बड़ी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग सटीक लक्ष्यीकरण को सक्षम बनाता है, यह सुनिश्चित करता है कि मार्केटिंग प्रयास विशिष्ट जनसांख्यिकी, रुचियों और व्यवहारों की ओर निर्देशित हों

डिजिटल मार्केटिंग आज के दौर में दे रहा है करियर का अवसर

यहां बना सकते हैं अपना करियर



- वेबसाइट डिजाइनर
- कंटेंट मार्केटिंग मैनेजर
- वीडियो मार्केटिंग मैनेजर
- ईमेल मार्केटिंग मैनेजर
- डिजिटल विज्ञापन मैनेजर
- सर्च इंजन मार्केटिंग निदेशक
- सोशल मीडिया एडवाइजर
- सोशल मीडिया मैनेजर
- एसईओ निदेशक
- डिजिटल मार्केटिंग निदेशक

- वीडियो मार्केटिंग एक विजुअल प्रकार की सामग्री है जो किसी उत्पाद, ब्रांड या सेवा को बढ़ावा देने में मदद कर सकती है। वीडियो सोशल मीडिया, प्रायोजित ब्रांड वीडियो विज्ञापन और प्रायोजित प्रदर्शन वीडियो विज्ञापन जैसे चैनलों के लिए लघु-फॉर्म प्रचार सामग्री हो सकते हैं या किसी वेबसाइट पर वेबिनार या शैक्षिक वीडियो जैसे लंबे-फॉर्म वीडियो हो सकते हैं।
- ऑडियो मार्केटिंग में संगीत, पांडकास्ट और अन्य ऑडियो सामग्री शामिल होती है, जो उत्पादों, ब्रांडों और अन्य चीज़ों को बढ़ावा देने में मदद करती है। इस प्रकार की मार्केटिंग संगीत, पांडकास्ट और अन्य चीज़ों में ग्राहकों की रुचि के आधार पर प्रासंगिक तरीकों से उन तक पहुंचने में मदद कर सकती है।
- इंटरएक्टिव मार्केटिंग ग्राहकों और ब्रांड के बीच दो-तरफा बातचीत है। ब्रांड संभावित ग्राहकों को सोशल मीडिया, इन्फोग्राफिक्स, ईमेल,



सोशल मीडिया और लाइवस्ट्रीमिंग सहित इंटरएक्टिव चैनलों में शामिल कर सकते हैं। डिजिटल विज्ञापन में कॉपी, विजुअल तत्व और

लैंडिंग-पेज गंतव्य के लिंक के साथ कॉल-टू-एक्शन मैसेजिंग वाले विज्ञापन शामिल हैं। डिजिटल विज्ञापन किफायती, लचीले और अन्य चैनलों

के पूरक हैं। डिजिटल विज्ञापनों वाले उत्पादों के दो उदाहरणों में प्रायोजित डिस्प्ले और शामिल हैं। सर्च इंजन मार्केटिंग, जिसे पेड सर्च भी कहा जाता है, पे-पर-क्लिक मॉडल के माध्यम से सर्च इंजन परिणामों में ब्रांड और सामग्री को सामने लाने में मदद करता है, जो एसईओ से अलग है। ईमेल विज्ञापन ईमेल मार्केटिंग लिखित सामग्री के साथ संभावित और मौजूदा ग्राहकों तक पहुंचने का एक सीधा चैनल है। ईमेल एक बहुमुखी चैनल है जो किसी ब्रांड के बारे में कहानी कहने को उजागर कर सकता है और उत्पाद लॉन्च और मौसमी छुट्टियों के क्षणों जैसे बिक्री प्रयासों का समर्थन कर सकता है। कंटेंट मार्केटिंग में कहानी सुनाने की कला पर ध्यान केंद्रित किया जाता है ताकि विभिन्न चैनलों पर ग्राहकों को आकर्षित किया जा सके। यह लिखित कॉपी, ब्लॉग पोस्ट, वीडियो या सोशल

मीडिया पोस्ट के रूप में आ सकता है। प्रोग्रामेटिक विज्ञापन स्वचालित और प्रभावी प्रक्रियाओं के माध्यम से डिजिटल विज्ञापन खरीदने और बेचने के लिए विज्ञापन तकनीक का उपयोग करता है। इस प्रकार का विज्ञापन वेब, मोबाइल, ऐप, सोशल मीडिया और अन्य चैनलों पर डिजिटल विज्ञापन इन्वेंट्री खरीदने के लिए विज्ञापनदाता-निर्धारित मापदंडों का उपयोग करता है। ब्रांड मार्केटिंग ब्रांड को समग्र रूप में प्रदर्शित करती है और ग्राहकों के साथ संबंध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे समय के साथ ब्रांड के मूल्य में वृद्धि होती है। इनबाउंड मार्केटिंग उपयोगी सामग्री और संदेश बनाती है जो सीधे ग्राहकों की जरूरतों को संबोधित करती है, जिससे नए व्यवसाय को बढ़ावा देने और संबंध बनाने में मदद मिल सकती है।